डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹72300 10 ग्राम
₹93000 01 किलो
सेंसेक्स 82,133.12 +843.16
डॉलर 84.782 -0.068

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 15, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 15 दिसंबर 2024, वर्ष-31, अंक- 61, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com | पेज-12

हमारी लापरवाही हमें खतरे में डाल...

अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज के शिशु वार्ड में आग, हादसा टला

- उपायुक्त और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) के शिशु वार्ड में शुक्रवार रात करीब 1:45 बजे अचानक आग लग गई। घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। वार्ड में लगी आग को तत्काल बुझा लिया गया, और वहां भर्ती सभी आठ बच्चों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पलामू उपायुक्त शशि रंजन और सिविल सर्जन अनिल सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक आरके रंजन ने बताया कि आग शिशु वार्ड में लगे एचएफएमसी मशीन में हाई वोल्टेज के कारण लगी थी। ड्यूटी पर मौजूद नर्स ममता त्रिशूला और दयानी पूरी की सूझबूझ से बच्चों को तत्काल लेबर रूम में शिफ्ट कर दिया गया। अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।

मशीन की गुणवत्ता पर उठे सवाल, जांच के आदेश

स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला और डायरेक्टर इन चीफ ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने आग लगने वाली मशीन की गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए। यह मशीन एवीआई हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नौ महीने पहले आपूर्ति की गई थी। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक से मशीन के सप्लायर से संपर्क कर घटना के कारणों की विस्तृत जानकारी एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। संयुक्त सचिव ने एमएमसीएच के पुराने भवन, सीटी स्कैन हॉल, ईसीजी रूम और इमरजेंसी वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक को मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

हाथियों ने वृद्ध किसान को पटक कर मार डाला विरोध में सड़क जाम

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत मारांगलोइया ग्राम के पास जंगली हाथियों के झुंड ने 60 वर्षीय किसान को पटक कर मार डाला। किसान की पहचान जानकी राणा मारंग लोहिया के रूप में हुई है। बताया जाता है कि जानकी राणा खलिहान में धान का रखवाली कर रहे थे। इस दौरान शुक्रवार रात्रि 8 बजे 15 से 20 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड ने खलिहान पहुंच किसान जानकी राणा को पटक कर मार डाला। जानकी राणा का घटना का स्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने हाथी को गांव में घुसता देख सब मिलकर किसी तरह जंगल में खदेड़ा। ग्रामीण घटना के विरोध में वन विभाग पर आक्रोश दिखाते हुए बालूमाथ मैकलुस्कीगंज मार्ग मरांग लोईया ग्राम के पास शव को सड़क पर रखकर को घंटे जाम कर दिया। वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए वन विभाग से हाथियों को शीघ्र दूर घने जंगल में भगाने का मांग की। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा ने कहा कि वर्षों से हाथी का इस क्षेत्र में आतंक है। वन विभाग का सुस्त रवैया के कारण स्थानीय ग्रामीणों का जान माल का निरंतर नुकसान हो रहा है। अगर वन विभाग अपने रवैया से बाज नहीं आती है तो उग्र आंदोलन करेंगे। जाम का सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस व रेंजर नंद कुमार महतो घटना स्थल पर पहुंच जाम छुड़ाने का प्रयास किया। कहा कि वन विभाग हाथियों को भगाने की पूरा कोशिश कर रहा है। शीघ्र इन हाथियों को दूर घने जंगल में भागने के लिए बाहर से टीम बुलाई जा रही है। शेष पेज 11 पर

हमारी सरकार ने झारखंड की आधी आबादी को किया सशक्त : मुख्यमंत्री

नवीन मेल डेस्क

साहिबगंज। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कहा कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, किसान, मजदूर, गरीब और वंचित लोगों को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, राज्य की आधी आबादी को हमारी सरकार ने सशक्त करने का काम किया है। अब राज्य के हर पात्र गरीब जरूरतमंद महिलाओं के खाते में प्रति माह 2500 रुपये की सम्मान राशि पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को दी जाने वाली सम्मान राशि को हमारी सरकार ने एक हजार रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये करने का काम किया है।

यह बातें सीएम सोरेन ने शनिवार को साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा, अबुआ सरकार के दोबारा गठन के बाद आज मैं आप सबके बीच आया हूं। आप ने इस चुनाव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं अबुआ सरकार को चुनने का कार्य किया। इसके लिए मैं आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य खनिज संपदा से संपन्न है। इसके बावजूद भी यहां के आदिवासी-मूलवासी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के गठन के बाद से ही हम लगातार प्रदेश वासियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ जनकल्याण के कार्य भी कर रहे हैं। इसी क्रम में हमारी सरकार ने कई महत्वाकांक्षी जन कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया है।

एक-एक लोगों तक सरकार के विभिन्न योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है। अधिक से अधिक राज्यवासी योजनाओं से लाभान्वित हों, इसी उद्देश्य के साथ हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार गांव से चलने वाली सरकार है। यहां के गरीब, मजदूर एवं वंचित वर्ग के लोगों की जरूरत के अनुरूप विकास की लकीर खींची जा रही है। उन्होंने कहा, मैं आप सभी की उम्मीद, आकांक्षाओं को टूटने नहीं दूंगा। हमारी सरकार विकास की नई गाथा लिखकर इस राज्य को अग्रणी राज्यों के श्रेणी में लाकर खड़ा करेगी। शेष पेज 11 पर

दो बाइक की आमने-सामने टक्कर, दो की मौत, दो गंभीर

- घायलों को मेदिनीनगर किया गया रेफर
- मृतकों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल के जपला छतरपुर मुख्य पथ के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत ऊपरी गांव के समीप दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवती व उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने जपला छतरपुर रोड को जाम कर दिया है। पुलिस घटना स्थल पहुंचकर मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया है। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया है। मृतकों में जपला सीमेंट फैक्ट्री के हार्वे लाइन निवासी 17 वर्षीय आदिल अहमद व गोलू कुमार घर से जपला ट्यूशन जाने के लिए निकले थे। घायल हुसैनाबाद के ग्राम रपुरा निवासी दीपक कुमार व उसकी बहन रूबी कुमारी परीक्षा देने जपला के एके सिंह कॉलेज जपला आ रहे थे। ऊपरी गांव के समीप दोनों की बाइक में आमने-सामने की टक्कर हो जाने से जपला सीमेंट के हार्वे लाइन निवासी दोनों युवकों की मौत हो गई। परीक्षा देने जा रहे भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हुसैनाबाद पुलिस घटना स्थल पहुंच कर कार्रवाई में जुट गई है। गुस्साए ग्रामीणों ने जपला छतरपुर रोड में टायर जलाकर सड़क को जाम कर दिया है। मृतकों के आश्रिति को मुआवजा व घायलों का समुचित इलाज की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों के मुताबिक उक्त स्थान पर लगातार दुर्घटना होती है। इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर देने की भी मांग की जा रही है। स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव व सीओ पंकज कुमार ने घटना स्थल शेष पेज 11 पर

बोकारो में सड़क हादसा, पांच की गई जान

बोकारो। बोकारो जिले में कसमार प्रखंड के दांतु में शुक्रवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना बोकारो-रामगढ़ नेशनल हाईवे (एनएच-23) पर डाकबंगला के समीप हुई है। दांतू गांव के पास एक बोलेरो ने खड़े हुए ट्रेलर से जा टकराई। कार में सवार लोग रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के सूतरी गांव के रहने वाले थे। ये सभी अपने रिश्तेदार के यहां मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें से चार एक ही परिवार के थे। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया।

कोडरमा में वाहन ने बच्चे को रौंदा, मौत

कोडरमा। जिले के जयनगर पावर हाउस के समीप शनिवार की शाम एक अज्ञात वाहन ने एक बच्चे को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान आदित्य कुमार (7) पुत्र महेश साव चुटियारो निवासी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को वह पावर हाउस के समीप खेल रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया और मौके से फरार हो गया। परिजन गंभीर रूप से घायल बच्चे को सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष लगभग 1,78,000 लोगों की जान जाती है

ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष 1,78,000 लोगों की जान जाती है। इनमें से 60 प्रतिशत पीड़ित 18-34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं। गडकरी ने कहा कि अपने कार्यकाल की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि वर्ष 2024 के आखिर तक दुर्घटनाओं और मौतों में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। गडकरी ने कहा, दुर्घटनाओं की संख्या में कमी की बात तो भूल ही जाइए, मुझे यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि इसमें बढ़ोतरी हुई है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हमारे विभाग को कामयाबी नहीं मिली है। गडकरी ने बताया कि सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष राज्यों में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सबसे गंभीर रूप से प्रभावित शहर है, जहां 1,457 से अधिक मौतें हुई हैं। इसके बाद बेंगलुरु में 915 मौतें और जयपुर में 850 मौतें हुई हैं।

सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष राज्य

राज्य	सड़क दुर्घटना
उत्तर प्रदेश	23,652
तमिलनाडु	18,347
महाराष्ट्र	15,366
मध्य प्रदेश	13,798

गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में इतने सारे लोगों की मौत के बावजूद वाहन चालकों को कानून का कोई डर नहीं है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने इस अजीबोगरीब स्थिति का वर्णन करते हुए कहा, कुछ लोग हेलमेट नहीं पहनते, कुछ लोग रेड सिग्नल का उल्लंघन करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क पर ट्रकों को खड़ा करना दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है और कई ट्रक लेन अनुशासन का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को भारत में बस बॉडी बनाने में अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बस की खिड़की के पास एक हथौड़ा होना चाहिए। ताकि, दुर्घटना की स्थिति में उसे आसानी से तोड़ा जा सके। उन्होंने आगे कहा कि जब भी वह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने जाते हैं, तो उन्हें भारत में सड़क सुरक्षा प्रणाली के बारे में बात करने में शर्मिंदगी महसूस होती है। गडकरी ने कहा, मैं अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले उनका और उनके परिवार का एक बड़ा एक्सीडेंट हुआ था। उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। भगवान की कृपा से मैं और मेरा परिवार बच गए। इसलिए मुझे दुर्घटनाओं का व्यक्तिगत अनुभव है।

ग्रेनेड का फ्यूज ब्लास्ट होने से दो जवान घायल

गिरिडीह। जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के लटकट्टो पिकेट पर तैनात दो जवान शनिवार को ग्रेनेड का फ्यूज ब्लास्ट होने पर घायल हो गए। घायल जवानों में हवलदार अशोक कुमार और सिपाही गौतम कुमार शामिल है। दोनों जैप के जवान है। दोनों घायलों का इलाज धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चल रहा है। बताया गया कि घायल जवानों में अशोक कुमार बिहार के लखीसराय और गौतम साहिबगंज के रहने वाले हैं।

लालकृष्ण आडवाणी अपोलो अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की हालत स्थिर है। तबीयत बिगड़ने के बाद शुक्रवार की रात को उन्हें अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। अपोलो अस्पताल ने शनिवार को बताया कि 97 वर्षीय आडवाणी को जांच के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

इंडिया

किसका जिन्न है चर्चित जॉर्ज सोरोस और कितना प्रभावशाली ?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आजकल संसद में शोरगुल मचाकर या तख्तियां संसद टीवी के लाइव कैमरे के सामने विदेशी संस्थाओं की भारत विरोधी रिपोर्ट लहराने जैसे हथकंडे पिछले दो तीन वर्षों से विपक्षी पार्टियां अपना रही हैं जिससे संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होती है और बहुत बढ़ जाने पर रोकनी तक पड़ती है। आम जनता की गाढ़ी कमाई से करोड़ों के खर्च के बाद भी जनता की जान माल से जुड़े कई जरूरी मुद्दे भी संसद में उठाए नहीं जाते क्योंकि आरोप प्रत्यारोप और हंगामे के बीच सिर्फ बजट जैसे कुछ मुद्दों पर बहस हो पाती है । ऐसे ही माहौल में अदाणी और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरने में लगी कांग्रेस पार्टी को गुरुवार को भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने लोकसभा में जार्ज सोरोस विवाद पर बोलते हुए जमकर घसीटा और कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में राष्ट्र-विरोधी तत्वों का पैसा लगा था। उन्होंने आरोप लगाया कि आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) को अमेरिका के सोरोस फाउंडेशन का समर्थन मिला हुआ है।दुबे ने दावा किया कि ओसीसीआरपी का मकसद भारतीय संसद के कामकाज में गड़बड़ी पैदा करना है और अगर इसे संसद को बंधन में बांधते हुए सही से चलने से रोकना कहा जाए, तो ज्यादा सही होगा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन को जार्ज सोरोस से अच्छी-खासी फंडिंग मिली। उन्होंने कहा, मीडियापार्ट नामक एक फ्रांसीसी संगठन है, जिसने ओसीसीआरपी और सोरोस फाउंडेशन पर एक रिपोर्ट जारी की है।ओसीसीआरपी का काम है कि कैसे भारत की संसद को बाधित किया जाए और इसे चलने से रोका जाए। उन्होंने जार्ज सोरोस पर विशेषरूप से भारत को निशाना बनाते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था को चौपट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का विवादों में रहना कोई नई बात नहीं हैं। बीजेपी का कहना हैं कि कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी उस संगठन से जुड़ी हैं, जो सोरोस से फंड लेती हैं, यही नहीं, पार्टी पर आरोप हैं कि मोदी सरकार को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने सोरोस के साथ हाथ मिलाया हैं।जॉर्ज सोरोस का अमेरिका में 30 से अधिक मीडिया आउटलेट्स में डायरेक्ट निवेश हैं, शेयर बाजार में भी जॉर्ज सोरोस का बड़ा नाम हैं, वे सटोरिए, निवेशक और कारोबारी हैं, लेकिन खुद को दार्शनिक और सामाजिक कार्यकर्ता बताने पर उनका ज्यादा जोर रहता हैं, उन पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए एजेंडा चलाने का आरोप लगता आ रहा हैं। इतना ही नहीं उन पर कई देशों में भारी-भरकम फंडिंग देकर चुनाव प्रभावित करने का भी आरोप हैं। यूरोप और अरब के कई देशों में सोरोस की संस्थाओं पर मोटा जुर्माना भी लगाया गया हैं, और बैन भी लगाया गया हैं। ये आरोप आम हैं कि वे दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए अपना एजेंडा चलाते हैं।जॉर्ज सोरोस पर आरोप लगा हैं कि वे दुनिया के कई देशों में कारोबार और समाजसेवा की आड़ में पैसों के बल पर वहां की राजनीति में दखल देते हैं, अगर भारत में दखल की बात करें तो पिछले साल हिंडनबर्ग के खुलासे के बाद जॉर्ज सोरोस के सपोर्ट वाली नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने अदाणी ग्रुप को लेकर कई खुलासे किए थे, वैसे अधिकतर आरोप वहीं थे, जो हिंडनबर्ग ने लगाएं, रिपोर्ट मे कहा गया था कि गलत तरीके से शेयरों की कीमतें बढाई गई, जिसका अदाणी ग्रुप ने खंडन किया था, गौतम अदाणी के अलावा कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने देश के पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने के लिए गुपचुप तरीके से लॉबिंग की थी।खासतौर पर उनकी नजर भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहे राजनीतिक बदलावों पर रहती हैं, सोरोस कई मंचों से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लगातार सत्ता में बने रहने से तानाशाही की ओर बढ़ने वाला नेता कहते रहे हैं। भारत में नागरिकता संशोधन कानून और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने को लेकर जॉर्ज सोरोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने और नागरिकता संशोधन कानून सीएए की भी खुलकर विरोध किया था। हालांकि जब-जब जॉर्ज सोरोस और साथ-साथ विपक्षी पार्टियों ने पीएम मोदी और भारत के अंदरुनी मामलों पर बयान दिया हैं, तब सरकार ने पलटवार किया हैं, सरकार का कहना हैं कि विदेशी धरती से भारतीय लोकतांत्रिक ढांचे को हिलाने को ये साजिश हैं, जो कभी कामयाब नहीं हो पाएगी। लगभग 720 करोड़ डॉलर की दौलत के मालिक सोरोस को 1992 मे बैंक औफ इग्लैंड को बर्बाद करने का दोषी माना जाता है। सोरोस ने हमेशा ही इन आरोपों को खारिज किया। सवाल है कि भारत की अंदरूनी राजनीति में एक अमेरिकी दखल क्यों दे रहा है क्या सिर्फ सबसे बड़े बाजार पर नजर है या वह किसी का जिन्न है?

अब किसानों को बिना गारंटी के 2 लाख तक का कृषि ऋण

एजेंसी

नई दिल्ली । खेती की बढ़ती लागत के बीच छोटे और सीमांत किसानों को अगले साल से बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज बैंकों से मिल सकेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आगामी 1 जनवरी से किसानों के लिए ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी है।कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि सरकार ने यह फैसला खेती की बढ़ती लागत और किसानों को आसानी से ऋण देने के मकसद से लिया है। नए निर्देश में देशभर के बैंकों से प्रत्येक किसानों के लिए दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण के लिए जमानत और मार्जिन जरूरतों को माफ करने को कहा गया है। इस उपाय से 86 फीसदी से ज्यादा छोटे और सीमांत भूमिधारक किसानों को लाभ होगा। बैंकों को जारी दिशा-निर्देश तेजी से लागू करने और नए ऋण प्रावधानों के बारे में किसानों को जागरूक करने का

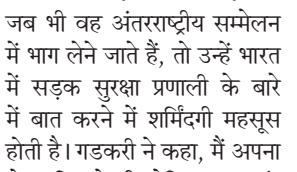

- आरबीआई ने 1 जनवरी से ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये की

निर्देश दिया गया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण तक आसान पहुंच की सुविधा मिलने की उम्मीद है। यह सरकार की संशोधित ब्याज सहायता योजना का पूरक होगा। इस योजना के तहत सरकार चार फीसदी प्रभावी ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का ऋण देती है। आरबीआई ने भी पिछले हफ्ते एमपीसी की समीक्षा बैठक के बाद किसानों के लिए बिना गारंटी के ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का ऐलान किया था।

एक नजर

विधिक जागरूकता सशक्तिकरण शिविर

छतरपुर। प्रखंड परिसर के सभागार में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का जागरूकता सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान प्रखंड के ग्रामीणों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। जिसमें सावित्रीबाई फुले योजना के तहत 5 बालिकाओं को राशि का वितरण, मंईयां सम्मान योजना के 10 लाभुकों को स्वीकृति, पेंशन योजना के तहत 10 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति, जेएसएलपीएस के माध्यम से 15 लोगों को आई कार्ड का वितरण, पांच लाभुकों को प्रमाण पत्र, तीन लाभुकों को जॉब कार्ड, सरसों और चना का बीच का वितरण भी लाभुकों के बीच किया गया। शिविर में छतरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू, अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार, सीडीपीओ शीला कुमारी, मुन्ना कुमार समेत कई अंचल कर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।

नगर पंचायत हरिहरगंज में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन लगने वाले जाम से परेशान नागरिकों के लिए राहत की पहल उपायुक्त पलामू के निर्देश पर शुरू हो चुकी है। शनिवार को अंचल कार्यालय और नगर पंचायत ने मिलकर सड़क और फुटपाथ पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ करवाई किया। इस दौरान अधिकारियों ने फुटपाथ पर रखे समान, छोटी दुकानें व गुमटी को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही सड़क किनारे रखे गिट्टी व बालू को जब्त किया गया। फुटपाथ तथा सड़क के बीच लगाए गए वाहनों से दंड शुल्क वसूल गया। इस अभियान में सीओ मनीष कुमार सिन्हा, कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी, नगर प्रबंधक नजीबुल्लाह अंसारी तथा बीडीओ पारितोषित प्रियदर्शी सहित नगर पंचायत व अंचल कर्मी शामिल थें। सीओ मनीष कुमार सिन्हा और कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी ने नागरिकों से अपील की कि वह नगर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के इस प्रयास में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण न केवल ट्रैफिक जाम का कारण बनता है, बल्कि इससे शहर की सुंदरता और व्यवस्था भी प्रभावित होती है। अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही नाले के ऊपर टूटे हुए पटिया को दुरुस्त किया जाएगा। कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नियमित कार्रवाई जारी रहेगी। इस पहल से हरिहरगंज के नागरिकों को न केवल ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी, बल्कि शहर की सड़कों और फुटपाथों का सही उपयोग भी सुनिश्चित हो सकेगा। अभियान में प्रभारी सीआई संजीव कुमार, सामुदायिक संगठन कर्ता विचित्रा कुमारी, जेई नीरज गुप्ता, संदीप कुमार, सुबोध कुमार यादव, के अलावे अंचल और नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी तथा पुलिस बल भी शामिल थे।

टेंपो चालकों के हड़ताल से यात्रियों की बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड के ऑटो चालक शनिवार से हड़ताल पर चले गए हैं। पांकी मेदिनीनगर मुख्य पथ के बैरिया चौक के पास ऑटो चालक हड़ताल कर अपना विरोध दर्ज कराया, इस कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। दूसरी ओर देखा जाए तो यात्री बसों की छतों पर बैठकर यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। झारखंड राज्य ऑटो चालक महासंघ ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि आए दिन ऑटो चालक, ई रिक्शा वाहन चालकों के साथ दुर्व्यवहार व शोषण किया जाता है। यातायात व्यवस्था में हुए फेरबदल को लेकर उनका हड़ताल अनिश्चितकालीन चलेगा। जो भी ऑटो लेस्लीगंज से जाती है उसे निगम क्षेत्र के बाहर ही रोक दिया जाता है। दूसरा ऑटो से शहर में जाना पड़ता है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निगम क्षेत्र से बाहर पोखराहा मोड़ पर यात्री शेड, पानी व शौचालय की व्यवस्था तक नहीं है। छात्र-छात्राओं को कोचिंग जाना हो या आम जनों को निजी कार्य के लिए ग्रामीण क्षेत्र से शहर में जाने के लिए दो-दो ऑटो बदलना पड़ रहा है। इसे लेकर यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। ऑटो चालकों की कम कमाई होने से आर्थिक समस्या खड़ी हो गई है। मौके पर ऑटो चालक संघ के सिकंदर पासवान, मंदीप कुमार, बसंत कुमार,सुनील प्रसाद ,शंभू नाथ विश्वकर्मा,मनोज दुबे, भारत पासवान,प्रेम शर्मा सहित दर्जनों ऑटो चालक हड़ताल में शामिल थे।

ठंड से लोग परेशान, अलाव की व्यवस्था अब तक नहीं

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र के सोन नदी तटवर्ती क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है। इस क्षेत्र में बिहार के कैमूर पहाड़ व सोन नदी का लगाव गंगा नदी से होने के कारण प्रत्येक वर्ष दिसंबर माह में ठंड काफी बढ़ जाती है। इस वर्ष हुसैनाबाद अनुमंडल के शहरी क्षेत्रों में कहीं पर भी अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। हुसैनाबाद नगर पंचायत सहित रेलवे स्टेशन परिसर में भी रिक्शा चालक, ठेला चालक सहित राहगीर इस सर्दियों व कनकनाती ठंड हवा के झोंके से लोगों को सड़क पर चलना भी काफी मुश्किल हो गया है। शाम होते ही सभी सड़कें सुनी हो जा रही है। शहरवासियों ने पलामू डीसी से शहरी क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था कराने की मांग की है।

आंखों की ज्योति लौटाना पुनीत कार्य : डॉ. बिनेश कुमार

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जिला अंधापन नियंत्रण समिति व राधा लक्ष्मी ट्रस्ट दंगवार के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हुसैनाबाद अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 130 मरीजों की आंखों की जांच व 70 मरीजों को आईएलओ विधि द्वारा लेंस प्रत्यारोपन किया गया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बिनेश कुमार ने कहा कि किसी व्यक्ति की आंखों की ज्योति लौटाना सबसे बड़ा पुनीत का कार्य है। उन्होंने कहा कि इसमें जिला अंधापन नियंत्रण समिति और राधा लक्ष्मी ट्रस्ट दंगवार द्वारा इस क्षेत्र में पिछले कई सालों से शिविर आयोजित कर बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ता से अपील की है कि अपने-अपने क्षेत्रों से मोतियाबिंद रोग से ग्रस्ति लोगों को इस शिविर में पहुंचाने का काम करें। डॉ. अखिलेश गुप्ता ने बताया कि आईएलओ विधि द्वारा लेंस प्रत्यारोपण किया जा रहा है। सभी मरीजों को निःशुल्क दवा और चश्मा भी दिया जाएगा। शिविर के चौथे दिन 70 लोगों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। रविवार व सोमवार की सुबह सभी मरीजों को निःशुल्क चश्मा व दवा दी जाएगी। मौके पर नेत्र चिकित्सक बिरजू प्रसाद, दयानंद कुमार, जयप्रकाश सिंह उर्फ बच्चा सिंह, सचिन ठाकुर, कुंदन कुमार, सुनील कुमार, मिथिलेश कुमार, बसंती देवी, रागनी कुमारी, विपिन कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

जागरूकता शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को प्रखंड सभागार में जिला स्तरीय विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सुनील पासवान ने की। शिविर का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख व प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख ने कहा कि विधिक सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य समाज के कमजोर वंचित लोगों को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि समाज में कमजोर वंचित लोगों को मदद कैसे पहुंचा जाए इस उद्देश्य से आज जिले के सभी प्रखंडों में सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा दी जा रही मुफ्त विधिक सेवा का लाभ कैसे ले के बारे में जानकारी दी जाती है। विजय कुमार पासवान ने कहा कि लोक अदालत का आयोजन लिटिगेशन समाप्त करने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने सिविल केस व एमभी केस को लोक अदालत में सुलझाने के लिए पक्षकारों को आगे आने की अपील की। मौके पर बीपीओ चन्द्र शेखर कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आलोक कुमार तिवारी,पूणार्डीह मुखिया गुड्डी देवी, पंचायत सेवक अनामिका कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, सोनी कुमारी, सहित सेविका संगीता प्रजापति, बसन्ती देवी, किरण कुमारी, कविता कुमारी, संयुक्ता देवी, शुभलता देवी, लालती देवी के अलावे सैकड़ो महिला, पुरूष उपस्थित थे।

प्रफुल कुमार सिंह निर्विरोध चुने गए बिस्कोमान डेलीगेट

सहकारिता को विकास का नया आयाम देने का वादा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बिस्कोमान पलामू जिला प्रतिनिधि चुनाव में प्रफुल कुमार सिंह ने निर्विरोध जीत दर्ज की है। यह चुनाव 12-13 दिसंबर को संपन्न हुआ, जिसमें ग्रुप ए और ग्रुप बी से कुल दो प्रतिनिधि निर्विरोध चुने गए। पलामू जिले में सहकारिता के इस बड़े आयोजन के तहत सभी विजयी प्रतिनिधियों को शुक्रवार को जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिन्हा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रफुल वर्तमान में भूमि विकास बैंक और बिहार स्टेट हाउसिंग को-ऑपरेटिव फेडरेशन के निदेशक हैं। इसके अलावा, वह झारखंड राज्य सहकारी बैंक के राज्य स्तरीय प्रतिनिधि भी हैं। उन्होंने अपनी जीत के बाद सहकारिता को झारखंड में एक नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प व्यक्त किया। जनवरी 2025 में होने वाले बिस्कोमान के निदेशक मंडल चुनाव के लिए यह जिला डेलीगेट चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। प्रफुल ने सहकारिता आंदोलन को मजबूती देने की दिशा में इस चुनाव को एक अहम कदम बताया। जून 2024 में बिस्कोमान चुनाव महासंघ के संशोधित उपनियमों के कारण चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। इसके बाद केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने प्रशासक के रूप में कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव को नियुक्त किया। प्रफुल कुमार सिंह की इस उपलब्धि पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, भाजपा नेता विभाकर पांडे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पाला गिरने से आलू व अरहर का फसल बर्बाद हो रहा

सतबरवा। प्रखंड व आसपास के क्षेत्रों में शीतलहरी, हाड़ तोड़ ठंड, कनकनी के बीच शुक्रवार की रात में बर्फ (पाला) गिरा। हालांकि दिन निकलने के साथ ही धूप भी खिल उठा। लगातार दो तीन दिनों से कड़ाके की ठंड से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। गरीबों को ठंड से बचाने को लेकर जिला प्रशासन या जनप्रतिनिधि द्वारा चौक-चौराहा पर अभी तक अलाव व्यवस्था नहीं किया गया है। पाला गिरने से कई किसानों का फसल भी बर्बाद हो रहा है। रजडेरवा के किसान जीतेंद्र सिंह ने कहा कि कड़ाके की ठंड के साथ पाला गिर रहा है। पाला गिरने से आलू, अरहर की फसल को नुकसान होगा। दुलसुलमा के राजा सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से पाला गिर रहा है,इससे अरहर व आलू की फसल सूख जायेगी।

राजहारा पंचायत में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार (पालमू)। नौगढ़ा फोर्टिज मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से शनिवार को नावाबाजार प्रखंड के राजहारा पंचायत सचिवालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन पंचायत के मुखिया चंदन कुमार, डॉ. मनीष शुक्ला, डॉ. रानी कुमारी, देवेंद्र कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से दीप जला कर किया। फोर्टिज मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल कीओर से हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष शुक्ला, फिजिशियन डॉ. रानी कुमारी, प्रदीप ओझा, सोनू दुबे, निशी कुमारी, शिव रंजन, तौकीर अंसारी, देवेन्द्र पाठक को आमंत्रित किया गया था। शिविर में राजहारा सहित, कोठी, चेचन्हा, बसना, चेचन्हा बड़कावन आदि गांव से लोग पहुंचे। सभी का स्वास्थ्य जांच व उपचार किया गया। साथ ही उनके जरुरत के अनुकूल दवाएं भी वितरित किया गया। मौके पर राजहारा मुखिया चंदन कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना पुनीत कार्य है। फोर्टिज मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रबंधक द्वारा यह किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में सक्षम लोगों को आगे बढ़कर सहयोग करने की जरूरत है। डॉ. मनीष कुमार शुक्ला ने कहा कि फोर्टिज मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में सभी तरह की बीमारियों का इलाज कम खर्च में किया जाता है। स्वास्थ्य शिविर 400 से अधिक मरीजों की जांच उपचार व दवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गई। गंभीर रोग से पीड़ित मरीज को चिन्हित कर उन्हें नौगढ़ा स्थित अस्पताल में बेहतर जांच के लिए बुलाया गया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में जांच व उपचार कराया जाएगा।

सीओ ने रेल परिसर सहित सार्वजनिक चौक-चौराहा पर अलाव की व्यवस्था किया

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर के अलावा हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न चौक चौराहा पर अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार ने शुक्रवार की रात से अलाव की व्यवस्था शुरू की है। उन्होंने इस व्यवस्था का पर्यवेक्षण व जिम्मेवारी अंचल निरीक्षक व राजस्व कर्मचारियों को दिया है। साथ ही गरीब गुरबों, मजदूरों व दैनिक आम यात्रियों के हित में नियमित अलाव के संचालन में पंचायत प्रतिनिधियों से भी सहयोग का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान से बढ़ती ठंड व शीतलहरी के प्रकोप से एक ओर लोगों का हाल बेहाल है। वहीं दूसरी ओर बहती ठंडी हवाओं से जनजीवन के बीच कनकनी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग की रुझान के अनुसार शीतलहर के प्रकोप का कहर लोगों पर फिलहाल जारी रहने की संभावना है। पूरे राज्य में अगले दो दिनों में और भी पारा गिरने से येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि शनिवार को

दोपहर में कड़ी धूप के बीच मौसम साफ होने के बावजूद ठंड व कनकनी हवा में कमी नहीं आई है। उधर हैदरनगर प्रखंड के सुदूरवर्ती पहाड़ की तलहटी से सटे मोकहर कला पंचायत के सिंघना व करीमनडीह में पूर्व मुखिया सफिउल्ला खान व उनके सहयोगियों ने अलाव की नियमित व्यवस्था कर ग्रामीणों के बीच बड़ी राहत देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि शीतलहरी व कनकनी के प्रकोप जारी रहने तक उक्त व्यवस्था स्थायी रुप में जारी रहेगा। चालू मौसम में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ज्योतिष कुमार ने कहा कि वर्तमान में लोगों को कान, सिर, पैर को गर्म कपड़े से पूरी तरह ढंककर रखने व नास्ता, भोजन के बाद गर्म व गुनगुना पानी पीना अत्यंत जरुरी है। उन्होंने अपने नन्हें बच्चों को घर में गर्म स्थानों पर रखने की हिदायत दी है। साथ ही इस ठंड में किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी आने पर तत्काल स्थानीय अस्पताल में संपर्क करने को कहा है।

न्यूज बॉक्स

कुकही से पटना जा रहा युवक लापता

हैदरनगर। हैदरनगर। प्रखंड के कुकही पंचायत मुख्यालय निवासी विनय प्रसाद का 19 वर्षीय पुत्र राजकुमार के तीन दिन बाद भी घर वापस नहीं आने से परिजनों में कोहराम मचा है। इस संबध में हैदरनगर थाना में लापता युवक के पिता विनय प्रसाद ने आवेदन देकर कहा है कि उनका पुत्र गत 11 दिसंबर की मध्यरात 12 बजे पटना जाने की बात कहकर घर से ट्रेन पकड़ने हैदरनगर स्टेशन के लिये निकला था। दूसरे दिन भी उसके घर नहीं आने पर काफी खोजबीन शुरू की गई। पर कहीं कोई सुराग नहीं नहीं मिल सका है। उसका मोबाइल भी लगातार बंद मिल रहा है। उन्होंने पुलिस से पुत्र का सुराग लगाने का आग्रह करते हुए पुत्र के रंग रुप, पहनावा का भी विस्तृत जानकारी के साथ पुत्र का मोबाइल नं. 9661693854 बताया है। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि इस संबध में अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है। साथ ही इस मामले की जानकारी वरीय पदाधिकारी को भी दे दी गई है।

प्रसाशन ने की अलाव का व्यवस्था

विश्रामपुर। विश्रामपुर अंचलाधिकारी व नगर परिषद द्वारा शीतलहरी को देखते हुए विश्रामपुर नपं मुख्यालय व रेहला के चौक-चौराहा पर अलाव की शुरूआत की गयी। विश्रामपुर बस स्टैंड चौक पर अंचलाधिकारी राकेश तिवारी ने शनिवार को अलाव जलाकर शुरूआत की। अंचलाधिकारी राकेश तिवारी ने कहा कि कड़ाके की ठंढ को देखते हुए चौक-चौराहा व बस स्टैंडों पर लोगों की सुविधा के लिए अलाव जलवा दिया गया है। मौके पर समाजसेवी विजय कुमार रवि,नप के रमेश कुमार,सुपरवाइजर मुबारक अंसारी,सुबोध केशरी,नीरज कुमार,मजमुद्दीन अंसारी,मुन्ना यदाव सहित कई लोग मौजूद थे।

विधिक सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

विश्रामपुर। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार में विधिक सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ राजीव कुमार सिंह,सीओ राकेश तिवारी व पीएलवी अखिलेश चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में आम लोगों को विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई। इस दौरान सखी मंडलों के बीच दो करोड़ 96 लाख का परिसंपत्तियों का भी वितरित किया गया। इसके अलावा मजदूरों को मनरेगा का जॉब कार्ड दिया गया। बीडीओ राजीव कुमार सिंह ने कहा कि विधिक अधिकारों की पूर्ण जानकारी सभी के लिए जरूरी है, ताकि संविधान द्वारा प्रदत्त अपने हक को समझ सकें। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों को दूर करने के लिए जागरूकता अभियान ही सबसे ज्यादा कारगर होगा। सीओ राकेश तिवारी ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी। कहा कि समुचित जागरूकता के अभाव में लोग आज भी अपने अधिकारों से वंचित रह जा रहे हैं। ऐसे में विधिक सेवा प्राधिकार का यह प्रयास काफी सराहनीय है। पीएलवी अखिलेश चौबे ने डीएलएसआर के उद्देश्य और कार्यप्रणाली की जानकारी लोगों को दी। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर व एक बाइक जब्त

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के कोल्हुआ में अवैध बालू घाट पर शुक्रवार की रात्रि में की गई छापेमारी में बालू लदे तीन ट्रैक्टर के साथ एक मोटरसाइकिल जब्त किए गए हैं। अवैध खनन के खिलाफ इस छापेमारी को अंचलाधिकारी रणवीर कुमार और थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह की संयुक्त से अंजाम दिया है। अंचल अधिकारी ने बताया कि इस मामले में लघु खनिज समानुदान अधिनियम 2004 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस संबंध में तीनों ट्रैक्टरों को जब्त कर स्थानीय थाना में रखा गया है। संयुक्त कार्रवाई से बालू अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

जागरूकता

बीडीओं ने दिया किसानों को जागरुक करने का निर्देश

किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। उपायुक्त पलामू के जारी निर्देश के आलोक में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 में धान क्रय कराने के लिये किसानों को जागरुक करने के संबंध में बीडीओ विश्व प्रताप मालवा ने आदेश पत्र निर्गत किया है। उन्होंने इस संबंध में कहा है कि 15 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होना है। इसकी सभी प्रारंभिक तैयारियां के तहत अधिप्राप्ति केन्द्रों व राईस मिलों का चयन, अधिप्राप्ति केन्द्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केन्द्रों पर

मानव बलों की प्रतिनियुक्ति आदि किया जा चुका है। इस वर्ष किसानों से क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर व बोनस सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाना है। हालांकि अन्य माध्यमों से कतिपय किसानों ने बिचौलियों के माध्यम से खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर औने-पौने दाम पर धान की बिक्री काफी मात्रा में कर चुके हैं। बताया जाता है कि 15 दिसंबर से शुरू होने वाले धान अधिप्राप्ति योजना व निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावे राज्य सरकार द्वारा घोषित बोनस की जानकारी का अभाव व प्रचार प्रसार की कमी सहित जागरुकता के अभाव में उन्हें काफी आर्थिक घाटा का सामना करना पड़ा है। इन्हें जागरुक करने के लिये प्रखंड के सभी पीडीएस के दुकानदारों को भी जिम्मा दिया गया है।

ट्रैफिक इंचार्ज की अवैध वसूली के खिलाफ ऑटो चालकों का प्रदर्शन

1 बस स्टैंड स्थानांतरण और शोषण रोकने की मांग पर अड़े चालक

2 बस स्टैंड स्थानांतरण और दुर्व्यवहार रोकने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन और झारखंड राज्य ऑटो चालक महासंघ जिला कमेटी पलामू के तत्वावधान में ऑटो चालकों का तीसरे दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। पलामू जिला अध्यक्ष रामाकांत दुबे की अध्यक्षता और महासंघ के संयोजक राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में हड़ताल और चक्का जाम पूरे जिले में प्रभावी रहा। हड़ताल के कारण आम जनता को आवाजाही में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल न होने के कारण ऑटो चालकों ने अपना आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। उनकी मुख्य मांगों में बस स्टैंड को शहर से बाहर व्यवस्थित करना, नगर निगम क्षेत्र में 24 घंटे में केवल एक बार शुल्क वसूली, ट्रैफिक इंचार्ज

द्वारा अवैध वसूली और दुर्व्यवहार रोकना, तथा यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करना शामिल हैं। आंदोलन के दौरान राकेश कुमार सिंह ने ऑटो चालकों से एकजुट रहने की अपील की और संघर्ष को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक यह आंदोलन जारी रहेगा। सैकड़ों ऑटो चालकों और मजदूर नेताओं ने शहर भर में भ्रमण कर सभी स्टैंड के चालकों का समर्थन हासिल किया। धरने में मुख्य रूप से विवेक सिंह, संतोष शुक्ला, गुड्डू शुक्ला, नागेंद्र गुप्ता, यासीन अंसारी, रंजीत पासवान, प्रेम तिवारी और अनुज मिश्रा समेत हजारों ऑटो चालक शामिल हुए। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में हड़ताल का व्यापक प्रभाव देखा गया, और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं।

श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग ने भाव विभोर हुए श्रद्धालु

भागवत कथा का समापन, मित्रता का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

शहर के रेडमा ठाकुरबाड़ी में आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा का समापन आज हुआ। अंतिम दिन वृंदावन से पधारी कथा व्यास स्तुति दीदी जी ने श्रीकृष्ण और सुदामा के मिलन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता संसार की सबसे अनोखी और प्रेरणादायक है। सुदामा ने विपरीत परिस्थितियों में भी श्रीकृष्ण का स्मरण नहीं छोड़ा, जिसके फलस्वरूप उन्हें भगवान की कृपा प्राप्त हुई। स्तुति दीदी जी ने कहा कि सच्ची मित्रता स्वार्थ रहित होती है और जीवन में परमात्मा से जुड़ाव अनिवार्य है। उन्होंने वर्तमान समय में स्वार्थपूर्ण मित्रता के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त की और सुदामा के चरित्र से प्रेरणा लेने की बात कही।

कार्यक्रम में संरक्षक विजय तिवारी, मीडिया प्रभारी नितेश तिवारी, ललन तिवारी, सुनील तिवारी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। युवाओं को प्रेरणा देने वाली कथा कथा समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी ने कहा कि कथा के माध्यम से स्तुति दीदी ने श्रीकृष्ण के प्रेम और लीलाओं का वर्णन कर समाज को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ब्राह्मण द्वारा विधिपूर्वक किए गए पाठ से आज भी मंत्रों की शक्ति दृष्टिगोचर हो सकती है।

ठंड से कांप रहे मरीज, अस्पताल की अनदेखी से परेशानी

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में खुले बरामदे में रह रहे मरीज, खिड़की से ठंडी हवा का सामना

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिले में तापमान गिरने के साथ ही कड़ाके की ठंड और ठंडी हवाएं चलने लगी हैं। जिले का रात्रि तापमान 6-7 डिग्री तक पहुंच रहा है। इस बीच, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के कुछ मरीज ठंडी हवाओं के बीच पुराने भवन के पहले तले के बरामदे में रहने को मजबूर हैं। मरीजों का कहना है कि उन्हें वार्ड के अंदर शिफ्ट नहीं किया जा रहा, जिससे ठंड में उनकी तकलीफ बढ़ गई है।

ठंड में दोगुनी तकलीफ

बरामदे में रह रहे मरीजों ने बताया कि ठंडी हवा सीधे उनके शरीर पर लगती है, जिससे दर्द और बढ़ जाता है। हालात ऐसे हैं कि उन्हें 3-4 कंबल ओढ़कर रात गुजारनी पड़ती है। मरीजों ने यह भी बताया कि खिड़कियों पर जाली लगे होने के कारण वे खिड़कियां बंद नहीं कर पाते। मजबूरी में खिड़कियों को पोस्टर और गमछे से ढंककर ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

अधिकारियों का निर्देश

रिपोर्टर द्वारा सवाल पूछने पर स्वास्थ्य विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी ललित मोहन शुक्ला ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि तुरंत खिड़कियों पर पर्दे लगाए जाएं और मरीजों के लिए हीटर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा, हम यहां मरीजों को सुविधा देने के लिए हैं। हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आराम मिले।

मरीजों और उनके परिजनों ने उम्मीद जताई है कि अस्पताल प्रशासन जल्द ही उनकी परेशानियों को दूर करेगा।

वन विभाग ने 15 एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती नष्ट की

मेदिनीनगर। मनातू थाना अंतर्गत ग्राम सिकड़ा और सिकनी के वन क्षेत्रों में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 15 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। सिकड़ा के वन क्षेत्र में करीब 10 एकड़ और सिकनी के वन क्षेत्र में लगभग 5 एकड़ में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त अभियान के दौरान अफीम के पौधों को जड़ से उखाड़कर नष्ट किया गया। सुरक्षात्मक उपायों का पालन करते हुए किसी अप्रिय घटना को रोका गया। अधिकारियों ने अवैध खेती करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया और स्थानीय निवासियों से अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की।

कांग्रेस भवन में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर का भव्य अभिनंदन

प्रेस वार्ता में छतरपुर क्षेत्र के विकास पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

कांग्रेस भवन में आयोजित एक विशाल अभिनंदन समारोह में वित्त मंत्री सह छतरपुर विधायक राधा कृष्ण किशोर को सम्मानित किया गया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैस रंजन पाठक उर्फ बिटू पाठक के नेतृत्व में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। अभिनंदन समारोह के बाद राधा कृष्ण किशोर ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र और पलामू जिले के विकास पर अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, और रोजगार के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। इनमें दीनानाथ तिवारी, विनोद तिवारी, शमीम अहमद, प्रशांत किशोर, रामाशीष पांडे, लक्ष्मी नारायण तिवारी, संतोष चौबे, ईश्वरी प्रसाद सिंह,

मिथिलेश सिंह, और पूर्णिमा पांडे जैसे प्रमुख नाम शामिल थे। कार्यक्रम में युवाओं और पार्टी कार्यकताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने कांग्रेस की नीतियों और क्षेत्र के विकास में पार्टी की भूमिका पर चर्चा की। कांग्रेस कार्यकताओं ने विधायक से अपनी अपेक्षाओं को साझा किया और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित थे। अन्य प्रमुख नेताओं में ओमप्रकाश अमन, दीपक लाल, जितेंद्र कमलापुरी, अजय साहू, राजेश चौरसिया, शैलेश चंद्रवंशी, सत्येंद्र सिंह, अरविंद पासवान, और नफीस खान का नाम उल्लेखनीय है। जैस रंजन पाठक ने सभी कार्यकताओं को पार्टी की मजबूती के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।

सघन जांच अभियान: छः मुहान पर चार और दोपहिया वाहनों की जांच

मेदिनीनगर। छह मुहान इलाके में शनिवार को यातायात पुलिस पलामू ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान चार पहिया और दोपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और अनियमितताओं पर कार्रवाई करना था। जांच के दौरान वाहनों के दस्तावेज, हेलमेट, सीट बेल्ट, लाइसेंस और अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की गई। बिना दस्तावेज या नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर जुमार्ना भी लगाया गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। यातायात पुलिस प्रभारी समाल अहमद ने कहा कि इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

समाज के वंचित वर्गों को न्यायिक व सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को सदर प्रखंड परिसर में जिला स्तरीय विधिक सशक्तिकरण शिविर आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय अखिलेश कुमार ने की, जबकि संचालन लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि अखिलेश कुमार ने कहा कि शिविर का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा रही है। साथ ही, अंधविश्वास, बाल विवाह, और घरेलू हिंसा जैसी कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया गया। शिविर

में सिविल जज सीनियर डिवीजन संजय सिंह यादव ने महिलाओं के लिए बने कानूनों और डालसा की सेवाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पैसे की कमी के कारण न्याय से वंचित नहीं रहेगा। पीएलभी (पैरा लीगल वॉलंटियर) की सहायता से हर जरूरतमंद को मदद पहुंचाई जाएगी। शिविर में प्रधानमंत्री आवास, सखी मंडल को ऋण स्वीकृति, पेंशन, स्कूल के बच्चों को साइकिल, और महिलाओं को कम्बल जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। एक विधवा महिला की शिकायत पर न्यायाधीश ने बीडीओ को तुरंत कार्रवाई कर सरकारी योजना का लाभ देने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, प्रखंड और अंचल अधिकारियों के साथ सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। उन्होंने अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की, जिससे उन्हें आत्मबल मिला।

बीबीए की प्रायोगिक परीक्षा संपन्न

मेदिनीनगर। शनिवार को जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में बीबीए (सत्र 2021-24) पार्ट-क्क्क की प्रायोगिक परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा में सभी परीक्षार्थियों ने शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा का संचालन बीबीए विभाग के प्राध्यापक प्रो. करण कुमार थापा, प्रौढ़ शशांक प्रिय और बाह्य परीक्षक प्रो. संदीप वर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर बीबीए निदेशक कैप्टन (डॉ.) एस. के. पांडेय, समन्वयक डॉ. अजीत कुसेठ, वाणिज्य पीजी विभाग के प्रभारी डॉ. ए. के. वैद्य, वाणिज्य के प्राध्यापक डॉ. रश्मि मुंडा और प्रो. जय प्रकाश राम, सहायक रोहतकम सिंह तथा अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही। महाविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मियों ने सभी परीक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कोयल नदी किनारे जलसहिया संघ की बैठक, धरना प्रदर्शन का फैसला

मेदिनीनगर। शिवाजी मैदान में नगर निगम जलसहिया संघ की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जलसहिया संघ की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ की संरक्षक रवि शंकर तिवारी ने की। चर्चा के दौरान जलसहिया संघ ने अपनी खराब स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की और नगर आयुक्त से मिलने का निर्णय लिया। बैठक के बाद संघ के सदस्यों ने नगर आयुक्त से मुलाकात की, जहां उन्हें समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया। बैठक में जलसहिया संघ की अध्यक्ष प्रभा देवी ने सभी सदस्यों को एकजुट रहने और अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संघ की एकता ही समस्याओं के समाधान की कुंजी है। बैठक में जलसहियाओं ने रांची जाकर धरना प्रदर्शन करने का भी निर्णय लिया। इस मौके पर सुनीता देवी, आरती तिवारी, पुनीता देवी, बबिता देवी, चंचला देवी समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने अपने विचार साझा किए और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।

उपायुक्त ने अतिक्रमण हटवाया

मेदिनीनगर। घटना के बाद उपायुक्त शशि रंजन ने अस्पताल परिसर का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की दीवार के पास अवैध रूप से लगी झोपड़ियों और होटलों को हटाने का निर्देश दिया। नगर निगम की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अस्पताल के मुख्य गेट और आसपास के इलाकों से अतिक्रमण हटा दिया।

संत मरियम स्कूल ने आयोजित किया करियर जागरूकता सेमिनार

आईआईटी और नीट की तैयारी अब पलामू में ही संभव: अविनाश देव

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

स्थानीय टाउन हॉल में संत मरियम स्कूल और देश के अग्रणी शिक्षण संस्थान मेंटर्स एड्यूसर्व के संयुक्त तत्वावधान में कैरियर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें मेन्टर्स एड्यूसर्व के असिस्टेंट निदेशक मनीष जायसवाल, सीनियर रसायन विभाग प्रमुख राहुल राजा, भौतिक विभाग प्रमुख प्रकाश ओझा, संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव और प्राचार्य कुमार आदर्श उपस्थित रहे। मेंटर्स एड्यूसर्व के रसायन शास्त्र प्रमुख राहुल राजा ने कहा कि उनके संस्थान ने अब तक 4000 से अधिक छात्रों को आईआईटी और मेडिकल संस्थानों में दाखिला दिलाने में मदद की है। उन्होंने संत मरियम स्कूल के साथ इस सहयोग को पलामू के छात्रों के लिए लाभकारी बताया। वहीं, भौतिक शास्त्र प्रमुख प्रकाश ओझा ने कहा कि यह पहल पलामू के छात्रों को आईआईटी और नीट जैसे कठिन परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों में जाने की बाध्यता से मुक्त करेगी। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने इस सेमिनार

को पलामू के छात्रों और अभिभावकों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम के तहत बड़े शहरों के प्रतिष्ठित शिक्षक पलामू में ही छात्रों को आईआईटी और नीट के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक प्रवीण दुबे ने किया। इस अवसर पर संगीत शिक्षक श्याम किशोर पांडेय, विकास विश्वकर्मा और अन्य शिक्षकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बनाया।

एम.के.डी.ए.वी. के छात्रों ने राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

डिजिटल युग में पत्र का महत्व विषय पर उत्साहपूर्वक सहभागिता

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

भारतीय डाक विभाग द्वारा आयोजित 'ढाई आखर' राष्ट्रीय स्तर की पत्र लेखन प्रतियोगिता में एम.के.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, डाल्टनगंज के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय था ₹लेखन का आनंद - डिजिटल युग में पत्र का महत्व₹। यह प्रतियोगिता 14 सितंबर से 14 दिसंबर 2024 तक भारतीय डाक विभाग के 'शब्दों के साथ अपने सपनों को दें पंख' अभियान के तहत आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 60 छात्रों ने भाग लिया। सर्किल स्तर के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए क्रमशः 25,000, 10,000 और 5,000 के पुरस्कार दिए जाएंगे। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं को 50,000,

25,000 और 10,000 की राशि से सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.एन. खान ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्र लेखन संदेश भेजने का प्राचीन और प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने भारतीय डाक विभाग की इस पहल की सराहना की, जिसने बच्चों को अंतर्देशीय पत्र, लेटर बॉक्स और पोस्टमैन जैसे पारंपरिक साधनों से परिचित कराया। कार्यक्रम पलामू डाक अधीक्षक प्रेमजीत कुमार के निर्देशन और मार्केटिंग एजुकेटिव लव प्रताप सिंह के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। आयोजन में शिक्षक त्रिदिव मंडल ने छायांकन का कार्य किया और संयोजन की जिम्मेदारी शिक्षक कन्हैया राय ने संभाली।

गरीबों और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में डीएलएसए की बड़ी भूमिका

शिविर में दी गई कानूनी और सरकारी योजनाओं की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पंड़वा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के तत्वावधान में कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रमुख गीता देवी ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि डीएलएसए गरीबों और जरूरतमंदों को न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ सुलभ कराने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने लोगों से मुफ्त कानूनी सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। शिविर में पारा लीगल वालंटियर शैलेंद्र तिवारी ने डीएलएसए की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से जमीन विवाद, आपराधिक मामले, मोटर दुर्घटना मुआवजा, बैंकिंग विवाद, और अन्य छोटे विवादों का समाधान किया जाता है। डीएलएसए आकस्मिक सेवाओं जैसे बाढ़, सूखा, भूकंप और आगजनी के दौरान भी मदद करता है।

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगे

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। आधार कार्ड अपडेट, पेंशन योजना, जॉब कार्ड वितरण और कृषि अनुदान जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही जेएसएलपीसी के सखी मंडल समूह को 10 लाख रुपये का चेक वितरित किया गया।

नगर निगम के वार्ड नंबर नौ में सुविधाओं का अभाव

सफाई, नालियों और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे वार्डवासी

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 में विकास कार्यों की कमी और बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी वार्डवासियों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। इस क्षेत्र में अधिकतर गलियां पीसीसी और फेवर ब्लॉक से बनी हैं, लेकिन सड़क पर अतिक्रमण और नालियों की अनुपस्थिति ने हालात को जटिल बना दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सफाई के लिए नगर निगम के कर्मी और कचरा उठाने वाले वाहन नियमित रूप से वार्ड में नहीं आते। वहीं, बिजली पोल पर लगी स्ट्रीट लाइटें खराब होने के बाद महीनों तक ठीक नहीं होतीं।

अहिल्या देवी ने कहा कि महिला होने के बावजूद उन्होंने हर निगम बोर्ड की बैठक में हिस्सा लिया और वार्डवासियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

पूर्व पार्षद का दावा: सुविधाएं पहुंचाने की पूरी कोशिश की

वार्ड की निवर्तमान पार्षद अहिल्या देवी ने कहा कि उनके कार्यकाल में अधिकतर जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया गया। इसमें पीएम आवास योजना, वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड की हर गली में नाली और सड़क निर्माण के प्रयास किए गए, लेकिन सभी परियोजनाओं में सफलता नहीं मिल पाई।

तंग गलियां: आशीष रंजन ने बताया कि वार्ड में तंग गलियों के कारण बड़े वाहनों की एंट्री मुश्किल है। इस वजह से निगम की कचरा उठाने वाली गाड़ियां भी नहीं आ पातीं।

नाली व्यवस्था: दयानंद उपाध्याय के अनुसार, नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई घरों का पानी सड़क पर बहाया जा रहा है।

सफाई व्यवस्था: राहुल पाठक ने कहा कि वार्ड में समय-समय पर साफ-सफाई और अन्य नगर निगम सेवाओं का अभाव है।

वार्ड की पृष्ठभूमि

वार्ड नंबर 9, जो पहले पंचायत क्षेत्र का हिस्सा था, 2017 में नगर निगम में शामिल हुआ और महिला के लिए आरक्षित किया गया। वार्ड में अधिकांश मकान पक्के हैं, जिससे कच्चे आवासों में रहने वालों की संख्या कम है। हालांकि, मूलभूत सुविधाओं की कमी ने इसे अन्य निगम वार्डों के समान समस्याग्रस्त बना दिया है।वार्डवासियों का कहना है कि नगर निगम को सफाई, नाली निर्माण और स्ट्रीट लाइट की मरम्मत पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि समस्याओं का समाधान हो सके।

मध्य रात्रि में डीजे जब्त, संचालक पर मामला दर्ज

मैरिज हॉल को नोटिस, आयोजकों पर कार्रवाई की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) संजय कुमार ने शुक्रवार देर रात नवादा मोड़ के पास तेज आवाज में बज रहे डीजे सेट को वाहन सहित जब्त कर गढ़वा थाने के हवाले कर दिया। गढ़वा पुलिस ने डीजे संचालक पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। एसडीओ ने बताया कि बिना सुरक्षा दल के उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। आशीर्वाद मैरिज हॉल में शादी समारोह के दौरान पॉप स्टार (पीएस) डीजे सेट तेज आवाज और रोशनी के साथ बज रहा था। सूचना पर थाना प्रभारी दल-बल के साथ पहुंचे और डीजे जब्त कर लिया गया।

सीलिंग की तैयारी

एसडीओ ने संबंधित मैरिज हॉल को दो दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर परिसर को सील करने की चेतावनी दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय द्वारा डीजे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है और इसका उल्लंघन करने पर आयोजकों और डीजे संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। एसडीओ ने कहा कि डीजे प्रतिबंध का पालन हर नागरिक का दायित्व है और इसे नजरअंदाज करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बछड़े का कटा सिर मिलने से गांव में सनसनी

पुलिस मामले की कर रही जांच

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडरिया पंचायत के अधौरा गांव में शनिवार के सुबह रामप्रवेश पाल के घर के दरवाजे के सामने बछड़े का कटा हुआ सिर मिलने से सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर रामप्रवेश साह ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी। जानकारी मिलते ही भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनी रंजन व एएसआई नारायण प्रसाद पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर उक्त कटा हुआ सिर को बरामद करते हुए रामप्रवेश साह से घटना की जानकारी ली। रामप्रवेश साह ने पुलिस को बताया कि गांव के ही किसी अज्ञात व्यक्ति ने बछड़े का कटा हुआ सिर को मेरे घर के दरवाजे के सामने रखी हुई बालू के नीचे कटी हुई सिर को रख ईंट से ढक दिया था। जब सुबह भतीजी निकली तो बालू के पास कुछ संदेह होने पर उसने बताया तो ईंट हटाने पर बछड़े का कटा हुआ सिर मिला। उन्होंने कहा कि इस मुस्लिम बहुल टोले में एकमात्र हिंदू परिवार का घर मेरा है। हो सकता है, मुझे प्रताड़ित करने के उद्देश्य से दूसरे समुदाय के लोगों ने मेरे घर के पास बछड़े का कटा हुआ सिर फेंक ऐसा घिनौनी कार्य का अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल के साथ ही गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से अपील की है।

झामुमों का आभार यात्रा आज से

रमना। विधानसभा सत्र के बाद झामुमों कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को रमना में आभार यात्रा निकाली जायेगी। इसे लेकर पार्टी कार्यालय में शनिवार को कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आभार यात्रा का कार्यक्रम तय किया गया। कार्यक्रम में शामिल हो रहे विधायक अनंत प्रताप देव, सक्रिय नेता ताहिर अंसारी और अन्य नेताओं का सिरियाटोंगर मोड़ पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद गुलरही बांध के से पदयात्र करते हुए भगत सिंह चौक पहुंच कर मल्यार्पण करने तथा सर्वेश्वरी चौक के समीप सभा किया जायगा। बैठक में हीराप्रसाद विश्वकर्मा, मंसूर अंसारी विशेश्वर मेहता, नागेंद्र सिंह,नरेश प्रसाद, मुन्ना प्रसाद, पासवान, संतोष यादव, सुभान अंसारी, रितु पासवान,विरैंची पासवान सहीत अन्य लोग उपस्थित थे।

हाथियों ने ग्रामीणों के घर का दरवाजा तोड़ा, अनाज को किया चट

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र में लगातार हाथियों का उत्पात जारी है। शुक्रवार की रात्रि भी हाथियों ने बिलैतीखैर गांव के कई घरों का दरवाजा व मकान को नुकसान पहुंचाया। हाथियों ने शारदा कुंवर के घर का दरवाजा तोड़कर घर में रखा 4 बोरा धान को खा गया। कामेश्वर साव के घर का दरवाजा तोड़कर घर में रखा चार बोरा धान हाथी खा गए। इसी तरह अमित प्रसार के प्रसाद के घर को क्षतिग्रस्त कर घर में रखा पांच बोरा धान खा गया। सुबसिया देवी के खलिहान में रखा धान को भी हाथी चट कर गए। घर का दरवाजा तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि 12 बजे दो हाथी गांव में पहुंचे। हल्ला करने के बाद हाथी गांव से भागा। ग्रामीण मिलकर ट्रैक्टर, बाइक स्टार्ट करने पर जंगल की ओर भागे। रात भर ग्रामीण जागते रहे। हाथियों के दहशत से लोग सो नहीं पा रहे हैं। बताते चले कि क्षेत्र में हाथियों के दहशत से लोग रात जग कर गुजार रहे हैं। जंगल किनारे बसे गांव में तो लोग अब खेती करना छोड़ रहे हैं। खेतों में फसल खत्म हो जाने से जो लोग घर में फसलों को रखे हैं। हाथियों का समूह अब घर का दरवाजा तथा घर को तोड़कर अनाजों को खाना शुरू कर दिए हैं। ग्रामीण हमेशा हाथी को भगाने की मांग करते आ रहे हैं, परंतु वन विभाग ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है। वन विभाग के प्रभारी वन पाल अनिमेष कुमार ने बताया कि हाथियों द्वारा नुकसान किए जाने की जानकारी मिली है। नुकसान हुए फसलों तथा घरों का जायजा लिया जा रहा है। सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा प्रभावित परिवारों को दिया जाएगा।

आवासीय विद्यालय उद्घाटन का इंतजार में

पठन-पाठन शुरू नहीं, छात्राओं को हो रही परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के नावाडीह गांव में भवन निर्माण विभाग द्वारा 5 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय उद्घाटन का बाट जोह रहा है। केतार प्रखंड कार्यालय से सटे उक्त विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद एक वर्ष पहले 2023 में ही विभाग को सौंप दिया गया है। वावजूद उद्घाटन और विद्यालय संचालन को लेकर शिक्षा विभाग गंभीर नहीं है। उक्त विद्यालय भवन को देखकर क्षेत्र के ग्रामीण ज़िले के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से पूछ रहें हैं कि इस विद्यालय में पठन-पाठन कब तक शुरू होगा। पढ़ाई शुरू होने से केतार प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों की 250 बालिकाएं 25-30 किलोमीटर दूर भवनाथपुर के (झागडाखाड़) स्थित विद्यालय में पढ़ाई करने को विवश हैं। इससे छात्राओं और उनके अभिभावकों को परेशानी होती है। विद्यालयों में नामांकन व संबंधित जानकारी नहीं मिलने के कारण गरीब तबके के अभिभावक बच्चियों को उक्त विद्यालय में शिक्षा नहीं दिला पा रहे हैं। प्रखंड के गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाली बच्चियों को रहकर पढ़ाई करने के लिए इस विद्यालय में सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। रहने के लिए हॉस्टल के साथ-साथ पठन-पाठन के लिए कमरे और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच का तीन सौ मीटर के दूरी पर उप स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो किलोमीटर की दूरी पर केतार थाना है। इस विद्यालय में कक्षा 6 से 12 वीं तक की पढ़ाई कराकर छात्राओं का भविष्य संवारने की योजना है जो इस विद्यालय का संचालन नहीं होने से अधूरस है। अब ग्रामीणों की उम्मीदें नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव से है। विधायक पहल कर इस विद्यालय को शुरू करायें।

विद्यालय संचालन नहीं होने से गरीब छात्राएं वंचितः रविन्द्र

पाचाडुमर गांव के समाज सेवी रविन्द्र कुमार पासवान ने कहा कि केतार में आवासीय विद्यालय भवन बनकर तैयार है। इसका संचालन नहीं होने से इस क्षेत्र के गरीब, पिछड़े और दलित परिवार के बच्चियां शिक्षा से वंचित रह जा रही हैं। विद्यालय शुरू होने से यहां के बच्चियों को इसका लाभ मिलता।

रविन्द्र कुमार पासवान, समाजसेवी, पाचाडुमर

बेटियों की सुरक्षा संबंधी चिंता सताती हैः अनिता देवी

अनिता देवी ने कहा कि आवासीय विद्यालय का संचालन केतार में नहीं होने से इस क्षेत्र के बेटियों को 20 किलोमीटर दूर भवनाथपुर आवासीय विद्यालय में रहकर पढ़ना पड़ता है। दूसरे प्रखंडों में सुरक्षा संबंधित चिंता सताती है। केतार में आवासीय विद्यालय का संचालन होने से बेटियों सहित अभिभावकों को सहूलियत होती।

अनिता देवी, महिला , ग्रामीण

छात्राओं को नहीं मिल पा रहा लाभः प्रमुख

प्रखंड प्रमुख चंद्रावती देवी ने कहा कि आवासीय विद्यालय का संचालन नहीं होने से इसका लाभ इस क्षेत्र के छात्राओं को नहीं मिल पा रहा है। विद्यालय में पढ़ाई शुरू होता तो गरीब परिवार के बच्चियों को इसका लाभ मिलता। उपायुक्त, विधायक से मिलकर विद्यालय को इस सत्र में शुरू कराने की प्रयास करूंगी।

चंद्रावती देवी, प्रमुख, केतार

नये सत्र में पठन-पाठन होगा शुरूः कैशर राजा

जिला शिक्षा पदाधिकारी कैशर राजा ने कहा कि आवासीय विद्यालय संचालन के लिए समाग्री की टेंडर प्रक्रिया चल रही है। जनवरी के प्रथम सप्ताह तक समाग्री उपलब्ध होने की उम्मीद है। नये सत्र 2025-26 में विद्यालय में छात्राओं को शिफ्ट कर पठन-पाठन शुरू करा दिया जाएगा।

न्यूज बॉक्स

बाइक पिकअप टक्कर में युवक घायल

रमना। रमना-सोनेहारा मुख्य पथ पर नरेश बारी के घर पास मोड़ पर शनिवार को पिकअप और मोटर साइकिल के आमने-सामने टक्कर में मोटर साइकिल सवार 40 वर्षीय उदय साह पिता अकलू साह ग्राम चुंदी घायल हो गए। टक्कर होने के बाद पिकअप चालक गाड़ी लेकर भागने सफल रहा। जानकारी के अनुसार उदय साव सुबह नौ बजे रमना बाजार से मजदूरों के लिए नास्ता लेकर अपने घर मोटर साइकिल से जा रहे थे। जैसे ही नरेश बारी के घर पास पहुंचे सोनेहारा की तरफ से आ रहा तेज गति से पिकअप ने टक्कर मार देने से उनके सिर और पैर में गंभीर चोट आयी। ग्रामीणों और परिचित राहगीरों ने घायल उदय साव के परिजनों को सूचित किया। बाद में परिजन सदर अस्पताल गढ़वा पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने निजी चिकित्सक के पास ईलाज करा रहे हैं।

छात्रों के बीच पोशाक वितरण

रमना। नव प्राथमिक विद्यालय करचा में वर्ग एक और दो के 34 छात्रों के बीच स्वेटर व पोशाक का वितरण किया गया। पोशाक का वितरण विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा ने किया। मौके पर सुनील विश्वकर्मा ने कहा कि सरकार बच्चों को किताब, कॉपी, पेन पेंसिल से लेकर खाने, पहनने और छात्रवृत्ति सहित कई तरह की सुविधा दे रही है। इसका उद्देश्य है बच्चें किसी बाधा के निरंतर पढ़ाई कर सकें। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि विद्यालय में 80 से 90 प्रतिशत बच्चों की उपस्थिती हो रही है। इसे शत प्रतिशत करने में अभिभावकों का सहयोग चाहिए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को एक स्वेटर, दो जोड़ा पोशाक, जूता व मोजा दिया गया। मौके पर प्रधान शिक्षक उपेंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष सीमा देवी, सुनीता देवी, कुलवंती देवी, संतोष वियार, विरेंद्र वियार , रानी देवी, रीता देवी, अंजु देवी, ललीता देवी,रमेश वियार और अन्य अभिभावक उपस्थित थे।

अलावा की व्यवस्था नहीं होने राहगीरों को रही परेशानी

मेराल। कड़ाके की ठंड तीन-चार दिनों से काफी बढ़ जाने से रात का पारा काफी नीचे गिर गया है। साथ ही दिन में भी शीतलहर चलने लगी है, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा इस कड़ाके की ठंड में किसी भी चौक-चौराहा पर अलाव की व्यवस्था नहीं किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, थाना चौक, हॉस्पीटल आदि स्थानों पर रात में लोग ठंड से ठिठुर रहे हैं। कड़ाके की ठंड में अलाव की व्यवस्था नहीं होने से रात में आने जाने वाले राहगीर भी ठंड से परेशान है। वहीं अस्पताल में आने वाले मरीज भी ठंड से परेशान हैं। कई जगहों पर लोगों ने कूड़ा करकट जलाकर ठंड को भगा रहे हैं। प्रतिदिन पारा गिरने से ठंड बढ़ते जा रही है। प्रशासन व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा अलाव की व्यवस्था अभी तक कहीं नहीं की गई है।

समाज सेवी के दादा के निधन से शोक

भवनाथपुर। प्रखंड के कैलान के समाज सेवी राज मोहन यादव के 85 वर्षीय वृद्ध दादा नागेश्वर यादव का निधन रांची में इलाज के दौरान हो गया। उनके निधन पर आस पास के लोगों ने शोक व्यक्त की। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव, जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, समाज सेवी रामप्रताप यादव, विजय राउत,शैलेन्द्र यादव,विमलेश यादव,सुरेन्द्र यादव, राकेश कुमार, भीम यादव, संजय यादव सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया।

प्रखंड के कई विद्यालयों में प्रोजेक्ट रेल परीक्षा आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। झारखंड काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (जेसीआरटी), रांची द्वारा आयोजित प्रोजेक्ट रेल परीक्षा शनिवार को खरौंधी प्रखंड के सभी विद्यालयों में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस परीक्षा में कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा में हिंदी, अंग्रेजी, गणित और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे गए।बीपीएम नवीन प्रकाश ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विकास करना और शिक्षा के स्तर को सुधारना है। परीक्षा में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, भाषाओं और सामान्य ज्ञान जैसे विषयों को भी शामिल किया गया। नवीन प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं छात्रों के मानसिक विकास में सहायक होती हैं और उन्हें अपने ज्ञान का मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान करती हैं। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुचि बढ़ाने का सार्थक प्रयास हो रहा है। नवीन प्रकाश ने यह भी जानकारी दी कि परीक्षा परिणामों के आधार पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा, जिससे उनकी मेहनत को उचित प्रोत्साहन मिलेगा।प्रोजेक्ट रेल परीक्षा का आयोजन प्रत्येक सप्ताह किया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा से संबंधित सभी जानकारी और गूगल लिंक भरने का निर्देश सभी प्रधानाध्यापकों को दिया गया है। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इस प्रकार की परीक्षाओं से शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएंगे और बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में अधिक रुचि होगी।

शॉट सर्किट से खलिहान में रखा 100 बोझा धान जलकर खाक

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र के हेताडखुर्द गांव के टोला केल्हा झरिया गांव में शनिवार को हुई अगलगी की घटना में एक किसान के खलिहान में काट कर रखा गया 100 बोझा धान जलकर पूरी तरीके से खाक हो गया है। अगलगी की घटना से गरीब किसान के सामने खाना के लिए अनाज की समस्या उत्पन्न हो गई है। भुक्त भोगी किसान बंधू सिंह ने बताया कि घर के पास बने खलिहान के पास से ही एलटी लाइन का तार गुजरा है। शॉर्ट सर्किट हो जाने से आग की लपेटे धान की बोझा पर गिरने से अगलगी की घटना में करीब 100 बोझा से भी अधिक धान का जलकर राख हो गया है। ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद धान का कुछ बोझा को बचाया जा सका है।

गनिमत यह रही की पास में ही कई खपरैल घर स्थित था और समय रहते आग पर काबू पाया लिया गया। पीड़ित ने अंचल से मुआवजे की मांग की है। अंचलाअधिकारी उमेश्वर यादव ने बताया कि पीड़ित किसान चिनियां अंचल कार्यालय में आवेदन समर्पित करें, किसान का कितना नुकसान हुआ है इसकी जांच कर प्रपत्र वरीय पदाधिकारी को भेज दिया जाएगा। सरकारी प्रावधान के हिसाब से पीड़ित किसान को मुआवजा जरूर मिलेगा।

विधायक ने उपायुक्त से कंबल बांटने की मांग की

श्री बंशीधर नगर। भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव ने गढ़वा डीसी को पत्र लिखकर भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों मे अविलंब अलाव का प्रबंध करने और गरीब असहाय वृद्ध जरूरतमंदों के बीच गर्म कंबल वितरण करने की मांग की है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र मे ठंड और शीतलहर के साथ कनकनी बढ़ गई है, जिससे लोगों का दिनचर्या प्रभावित हो रहा है। विधायक ने पत्र के माध्यम से स्पष्ट किया है कि शीघ्र सभी प्रखंडों में अलाव का प्रबंध करें और कंबल का वितरण कर उन्हें अवगत कराएं।

समझौता

426 मामलों का निपटारा, 50.17 लाख रुपए राजस्व प्राप्त

राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा निभाना हैः त्रिपाठी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष नलिन कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा के निर्देश पर शनिवार को नगर उंटारी व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। शुभारंभ व्यवहार न्यायालय के एडीजे टू मनोज कुमार त्रिपाठी, एसीजेएम सह जिला विधिक सेवा समिति प्रभारी सचिव अरविन्द कच्छप, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सिविल जज सीनियर डिवीजन निशिकांत कुजुर, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सह प्रभारी न्यायाधीश अनुमंडल व्यवहार न्यायालय शैलेंद्र कुमार नापित, मुंसफ साकिया कौसर एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेश कुमार चौबे ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

7 बेंचों का किया गया था गठन

राष्ट्रीय लोक अदालत में 7 बेंच लगाया गया था। पहले बेंच पर एडीजे वन संजय कुमार सिंह, दूसरे बेंच पर एडीजे टू मनोज कुमार त्रिपाठी, तीसरे बेंच पर एसीजेएम अरविन्द कच्छप, चौथे बेंच पर निशिकांत कुजूर, पांचवें बेंच पर मुंसफ साकिया कौसर, छठे बेंच पर शैलेंद्र कुमार नापित एवं सातवें बेंच पर एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट उपस्थित थे। राष्ट्रीय लोक अदालत में 426 मामलों का निपटारा किया गया। जिसमें 50 लाख 16 हजार 96 रुपए राजस्व की प्राप्त हुई।जिसमें बैंक से संबंधित 46, विद्युत से संबंधित 85, मोटर वाहन से संबंधित 2 तथा वन विभाग, एक्साईज व जीआर केस से संबंधित 135 मामलों का निपटारा किया गया। बैंकों से ऋण प्राप्त 8 लाख 10 हजार 242, विद्युत विभाग से ऋण प्राप्त 11 लाख 10 हजार 273, मोटर वाहन से ऋण प्राप्त 5 लाख 80 हजार तथा कोर्ट रिकवरी मामलों में 1 लाख रुपए राजस्व प्राप्त हुये। एडीजे टू मनोज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपस में सुलह समझौते के आधार पर समाज में आपसी भाईचारा निभाना है। लोक अदालत में विद्युत से संबंधित, बैंक से ऋण से संबंधित मामलों के लिये गढ़वा जाना पड़ता था। किंतु अब ऐसे मामलों के लिये नगर ऊंटारी व्यवहार न्यायालय में जिला विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में किया जाता है। अनुमंडल क्षेत्र के जितने भी बैंकों के मामले रहेंगे वह सभी मामलों का निष्पादन यहीं किया जायेगा।उन्होंने लोगों से कहा कि लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लोग भाग लें और अपने-अपने मामले का निष्पादन कराकर उसका लाभ उठायें। एसीजेएम सह जिला विधिक सेवा समिति के प्रभारी सचिव अरविंद कच्छप ने बताया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लोग आये और अपने मामलों का निपटारा कराये। उन्होंने कहा कि लोग जागरुक हो और इसका लाभ उठायें। लोक अदालत में ऋण से संबंधित सभी बैंक, विद्युत, दुर संचार विभाग बीएसएनएल, वन तथा कई अन्य विभागों के स्टॉल लगाये गये थे। मौके पर एसबीआई के शाखा प्रबंधक अजय कुमार व धुरकी के निर्मल कच्छप, फील्ड ऑफिसर अजीत कुमार, सेंट्रल बैंक पुरैनी शाखा के संजीव लंग व पाल्हे कला के रंजीत कुमार पांडेय, भवनाथपुर सिंधीताली पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक मनीष कुमार मेहता, विद्युत विभाग के उमेश कुमार, संजीव कुमार, पीएलभी मनोज कुमार द्विवेदी व राकेश कुमार चौधरी, नाजीर प्रमोद कुमार दुबे समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

भाजपा नगर मंडल ने अतिक्रमण कार्रवाई पर आपत्ति जतायी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भाजपा नगर मंडल गढ़वा ने उपविकास आयुक्त के माध्यम से उपायुक्त को मांग पत्र सौंप रोड चौड़ीकरण के नाम पर हो रहे अतिक्रमण की कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। भाजपा का आरोप है कि पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर के चहेतों को बचाने के लिए अन्य गरीब परिवारों के घरों को गलत तरीके से तोड़ा जा रहा है। भाजपा नगर मंडल के नेताओं का कहना है कि जिनके मकान टूट रहे हैं, उन्हें मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, जबकि कई परिवार 30-40 वर्षों से इन मकानों में रह रहे हैं। दूसरी ओर, मकान तोड़ने के बाद उन्हें निर्माण सामग्री जैसे बालू भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जिससे उन्हें ऊंची कीमत चुकाकर बालू खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भाजपा नेताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जिनके मकान तोड़े जा रहे हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे अपने घर का पुनर्निर्माण कर सकें। इसके साथ ही उन्होंने फुटपाथ दुकानदारों को विस्थापित कर उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की मांग भी की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर अपनी राजनीतिक हार से बौखलाए हुए हैं और जिला प्रशासन पर दबाव डालकर गरीबों को बेवजह परेशान करवा रहे हैं। भाजपा ने सरकार पर गरीब विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार गरीबों के हितों की अनदेखी कर रही है। मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, विवेकानंद तिवारी, महामंत्री देवेंद्र गुप्ता, राकेश शंकर गुप्ता, उपाध्यक्ष बंधु राम, संतोष कश्यप, विशाल गुप्ता, मनोज महतो, जयंत पांडे और विकास तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, आक्रोशितों ने किया सड़क जाम, चार घंटे बाद हटा जाम

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

सड़क दुर्घटना में एक युवक जितेंद्र कुमार गुप्ता की मौत के बाद परजिनों ने शनिवार को लातेहार में सदर अस्पताल के पास एनएच-39 को जाम कर दिया। मृतक के भाई संदीप कुमार का आरोप है कि पुलिस द्वारा उन्हें किसी प्रकार का कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है। लातेहार थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा द्वारा केस नहीं करने का दबाव दिया जा रहा है। थाना प्रभारी द्वारा कहा जाता है कि केस करने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार की शात सड़क दुर्घटना के बाद वाहन को पकड़कर थाना में दे दिया गया था, लेकिन उक्त वाहन को थाना द्वारा छोड़ दिया गया। परिजनों ने जिले के वरीय अधिकारियों को मौके पर बुलाने व निर्माण कार्य में लगी कंपनी पर कार्रवाई करने की मांग पर अड़े रहे।

जाम की सूचना के बाद अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वाहन के चालक व कंपनी पर कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन धरना पर बैठे रहे। मौके पर एसडीओ अजय कुमार रजक और एसडीपीओ अरविंद कुमार पहुंच आक्रोशित परिजनों को समझाया। इसके बाद परिजनों जाम हटाने पर सहमत हुए। एनएच 39 पर धरना पर बैठने से लगभग चार घंटे तक जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जाम हटने के बाद अवागम शुरू हुआ।

घर जा रहा था जितेंद्र

शुक्रवार की शाम सात बजे जितेंद्र कुमार गुप्ता पिता अवधेश प्रसाद बाइक से अपने घर शीशी जा रहा था। इस दौरान थर्ड रेलवे लाइन निर्माण कार्य में लगे एक वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी। वह पॉलिटेक्निक का छात्र था। कॉलेज से अपने घर लौट रहा था।

पुण्यतिथि पर खेलकूद व सांस्कृतिक महोत्सव आयोजन होगा: डॉ. सरोजिनी

गारू (लातेहार)। मायापुर चर्च परिषद में बीएल फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वर्गीय ब्लासियुस लकड़ा की 8 वीं पुण्यतिथि पर रामसेली बारेसाढ़ में 29 दिसंबर से 5 जनवरी तक खेलकूद और सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन की जाएगा। इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को प्रोत्साहित करना और समाज में जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता आईपीएस डॉ. सरोजिनी लकड़ा ने की। बैठक में लातेहार मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, विजय बारवा, अमित समेत कई गांव के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में कार्यक्रम के स्वरूप, व्यवस्थाओं और संचालन पर चर्चा की गई। आयोजन में चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता, क्षेत्रीय आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता और खेलकूद के समेत कई रोचक प्रतियोगिता होंगी । सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। समिति का कहना है कि यह महोत्सव क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेगी । कार्यक्रम संचालन के लिए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता को भी आयोजन समिति में शामिल किया गया है।

न्यूज बॉक्स

आठ युवती निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए रवाना

बालूमाथ। प्रखंड सभागार में शनिवार को जेएसएलपीएस के तहत बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रियंका देवी बीडीओ सोमा उरांव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना का विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान उपरोक्त लोगों के अलावा पंचायत समिति सदस्य पिंटू नायक,बीपीएम सुनील कुमार,राजन कुमार यादव,संजय उरॉव,लवली देवी,कांति देवी,सरस्वती देवी,रीमा देवी के अलावे कई लोग उपस्थित थे।

59 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के लिए रवाना

लातेहार। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत लातेहार समाहरणालय परिसर से जेएसएलपीएस के तहत 59 युवक-युवतियों को सिलाई मशीन संचालक, सहायक नर्सिंग, सहायक इलेक्ट्रीशियन, होटल मैनेजमेंट, टू व्हीलर टेक्नीशियन, वेयरहाउस पैकर इत्यादि में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण के लिए फ्लैग ऑफ कर रवाना किया। 3 से 9 माह के प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें संगठित क्षेत्र में रोजगार से जोड़ा जाएगा। जिस से उन्हें हर माह एक सुनिश्चित आय हो। डीडीयू-जीकेवाई योजना के अंतर्गत युवक-युवतियों को निः शुल्क आवासीय प्रशिक्षण, निःशुल्क पठन-पाठन सामग्री, पोशाक, रहने खाने की व्यवस्था आदि निःशुल्क एक साल तक के लिए पीएमजेजेवाई और पीएमएसबीवाई, अभ्यर्थियो का बैंक खाता खोलवाना, पोस्ट प्लेसमेंट सपोर्ट राशि के तहत अधिकतम 6 माह तक 1270 रुपया के दर से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाना है।

सीओ ने चौक-चौराहा पर कराया अलावा की व्यवस्था

बारियातू। बढ़ते ठंड से राहत के लिए सीओ नंद कुमार राम के निर्देश पर फूलसु मोड़, बस स्टैंड, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक सहित अन्य कई सार्वजनिक स्थानों पर अलाव के लिए लकड़ी व्यवस्था कराया गया। अलाव व्यवस्था कराने के लिए सीआई अनिल होरो, राजस्व कर्मचारी, संदीप कुमार, नंददेव राम राजू राम ने वाहन से सूखा लकड़ी गिराया। बताते चलें कि प्रखंड मुख्यालय सहित गोनिया, साल्वे, टोटी, अमरवाडीह, फूलसु, सिबला, बालूभांग, डाढ़ा पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण बारियातू आते है। बढ़ते ठंड से लोग परेशान रहते थे। सीओ के पहल पर आम जनो को राहत के उदेश्य से कई जगहों पर अलाव के लिए लकड़ी व्यवस्था कराया गया। ग्रामीणों ने सार्थक पहल के लिए अंचल के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

पुलिस ने 3 एकड़ में लगा गांजा की फसल को किया नष्ट

बरियातू। पुलिस ने शनिवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ी गांव सहित कई गांव में अभियान चलाकर लगभग 3 एकड़ भूमि पर फैले अवैध गांजा की खेती को नष्ट किया। इस संबंध में थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी को गाड़ी ग्राम सहित कई गावों में अवैध गांजा की खेती होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गाड़ी ग्राम में अभियान चलाकर भूमि पर लगे तैयार गांजा की पौधों को लाठी-डंडे से पीटकर व काटकर नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस भविष्य में भी मादक पदार्थों के विरुद्ध ऐसी ही करवाई जारी रखेगी। अवैध पोस्ता, गांजा की खेती करने वाले सुधर जाएं, अन्यथा जेल जाने के लिए तैयार रहें। अवैध धंधा करने वालों का सहयोगी,व्यापार करने वाले दलालों को भी थाना प्रभारी ने सुधरने की चेतावनी दी है।

राजद नेता ने किया अलाव व कंबल वितरण की मांग

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र में ठंड के बढ़ते असर को देखते हुए राजद के वरिष्ठ नेता श्याम सुंदर यादव ने स्थानीय प्रशासन से ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सर्दी के कारण गरीब और जरूरतमंद लोग खासकर चौक-चौराहा पर मोटिया मजदूर, राहगीर, ग्रामीण रात के समय परेशान हो रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों की हालत खराब हो रही है। प्रशासन को जल्द सार्वजनिक स्थानों व चौक-चौराहा पर अलाव जलाने की व्यवस्था कराना चाहिए, ताकि लोग ठंड से बचाव कर सकें। उन्होंने कहा कि बालूमाथ के ग्रामीण इलाकों में भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों को तुरंत ठंड से बचाव के लिए कंबल का भी वितरण करें।

दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा सड़क पर बने गड्ढे

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों का हाल बेहाल होता जा रहा है। सड़कों पर आए दिन कई छोटी बड़ी सड़क दुर्घटनाएं घटित हो रही है। दुर्घटनाओं में अब तक कई लोग असमय मौत के गाल में समा गए हैं और कई लोग गंभीर रूप सेा घायल हो चुके हैं। सड़क सुरक्षा के नाम पर आए दिन वाहन जांच अभियान तो चलाया जा रहा है, लेकिन खराब सड़कों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जर्जर सड़क के कारण बड़ी दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। चंदवा से जिला मुख्यालय की दूरी लगभग 27 किलोमीटर है। 27 किलोमीटर में कुछ ही मीटर पर सड़क ठीक है, बाकी जगहों पर कई छोटे बड़े गड्ढे उभर आये हैं। इसी तरह से प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रांची-चतरा मुख्य मार्ग अंतर्गत चोरझरिया रेलवे ब्रिज पर सड़क पर बड़ा सा गढ्ढा दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। उक्त गढ्ढे पर बाइक का पहिया आ जाने से बाइक सवार असंतुलित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। यहां पर सड़क जानलेवा साबित हो रहा है। इस पर एनएच के किसी अधिकारी का ध्यान नहीं है।

समय से धान की खरीदारी नहीं हुई शुरू किसानों को उठाना पड़ रहा है भारी नुकसान

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड में पिछले चार वर्ष के बाद इस वर्ष धान की अच्छी पैदावार हुई है। वैसे में किसान काफी खुश हैं, परंतु सरकार द्वारा समय से धान की खरीदारी शुरू नहीं करने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। बताया गया कि सरकार द्वारा 15 दिसंबर से 2400 रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीदारी करेगी,परंतु बिचौलिए फिलहाल बाजार में हावी हैं। बिचौलियों द्वारा किसानों को सरकारी पेंच की हवाला देकर 1900 से 2000 रुपए प्रति क्विंटल धान किसानों से खरीदा जा रहा है। वैसे में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान रामसेवक दांगी ने बताया कि सरकार को धान की खरीदारी की तैयारी अक्टूबर महीने से शुरू कर देना चाहिए था, ताकि समय से किसान से धान की खरीदारी किया जा सके और किसान को लाभ दिया जा सके। सरकार किसानों को लाभ पहुंचाना नहीं चाहती। किसान नंदलाल महतो ने कहा कि सरकार ने वादा किया था चुनाव जीतने के बाद 3200 रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीदारी किया जाएगा। सरकार धान की दर 2400 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों के साथ छलावा है। भाजपा के किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार राणा ने कहा कि सरकार के संरक्षण में बिचौलिए धान की खरीदारी कर रहे हैं। वैसे में किसान तो कंगाल हो रहे हैं। बिचौलिए मालामाल हो रहे हैं। सरकार को संज्ञान लेते हुए बिचौलिए द्वारा धान की खरीदारी पर रोक लगाते हुए धान की खरीदारी शुरू कर देनी चाहिए। सरकारी नियम को थोड़ा किसानों के हित में लचीला बनाने की आवश्यकता है।

अशोका लीलैंड सर्विस सेंटर उद्घाटन

बालूमाथ। प्रखंड के एनएच 22 स्थित मिशन स्कूल के पास अशोक लीलैंड ट्रक हाइवा शोरूम सर्विस सेंटर का शनिवार को उद्घाटन किया गया। शोरूम का उद्घाटन तमल कांतिदास व शो रूम के ऑनर गिरिनाथ सिंह, अभिषेक सिंह ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर उपरोक्त लोगों के अलावा संजय डे जोनल सर्विस मैनेजर ईस्ट, दिलीप दास रीजनल सर्विस मैनेजर बिहार झारखंड, राजीव कुमार एरिया मैनेजर झारखंड, के साथ राजद युवा जिला अध्यक्ष दीपक यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

मैक्लुस्कीगंज सीमावर्ती क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चला

बालूमाथ। बालूमाथ मैक्लुस्कीगंज सीमावर्ती क्षेत्र पर मुरपा पीकेट पुलिस ने शुक्रवार देर शाम सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान मुरपा पिकेट प्रभारी संजय चौधरी दल बल के साथ सीमावर्ती क्षेत्र से आते-जाते दो चक्का, चार चक्का सहित बड़े वाहनों को रोककर बारीकी से जांच किया गया। पीकेट प्रभारी ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है। वाहन जांच अभियान विभिन्न मार्गों पर लगातार चलाया जा रहा है।

मूरपा में महारुद्र महायज्ञ को लेकर ध्वजारोहण

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र स्थित स्थित मुरपा के हरैयाटांड (रामनगर) में श्री रूद्र प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का ध्वजारोहण शनिवार को किया गया। ध्वजारोहण के साथ महायज्ञ की तैयारी आरंभ हो गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिर श्रृखंला का निर्माण कर महायज्ञ की तैयारी में जुट गई। यज्ञ समिति के अध्यक्ष नान्हू पासवान ने बताया कि 14 दिसंबर के ध्वजारोहण के साथ आगामी 14 फरवरी से प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही जनकल्याण के लिए रूद्र महायज्ञ प्रारंभ होगा।

वाहन मालिकों पर दर्ज कराये मुकदमा को मैनेजर ने माना फर्जी

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। आम्रपाली कोल परियोजना से एनटीपीसी तक कोयले की ढुलाई को लेकर ट्रांसपोर्टिग कंपनियों ओडिसा स्टीवडोर्स (ओएसएल) तथा प्रणव नमन (पीएनएम), हायवा वाहन मालिकों के बीच पिछले तीन दिनों से रस्साकसी जारी है। इस मामले में शनिवार को ओएसएल कंपनी के मैनेजर एसराय व कर्मी परवेज अख्तर दर्जनों लोगों के बीच अपने लिफ्टर अजीत कुमार सिंह द्वारा 12 दिसंबर को वाहन मालिकों पर कराये गये मुकदमा को फर्जी माना।

जिसके लिए संयोजक मंडली को लिखित देकर आश्वस्त किया कि वह दर्ज कराये गये फर्जी मुकदमा को वापस करायेंगे। बता दें कि ढुलाई का भाड़ा में कटौती होने से क्षुब्ध स्थानीय वाहन मालिकों ने जब ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों के कोयले की ढुलाई करने से इंकार करते हुए बाहरी गाड़ियों से ढुलाई के प्रयासों का भी विरोध किया तब वाहन मालिकों को परेशान करने के लिए फर्जी मुकदमा का सहारा लिया गया, जो अब पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। पिछले तीन दिनों से एनटीपीसी पावर प्लांट में आम्रपाली से कोयले की ढुलाई बंद है। वाहन मालिकों ने बताया कि फर्जीवाड़ा से परेशान करने वालों का मंसूबा पालने वालों को कामयाब नहीं होने देंगे। निर्धारित भाड़ा भुगतान की मांग को लेकर वे अडिग हैं। ओएसएल कंपनी हायवा संयोजक मंडली के निर्धारित शर्तों को मानने के लिए तैयार हो गया। मौजूद लोगों में महावीर साहु, गणेश कुमार, रंजीत महतो, हेमराज, मुकेश, सुरेश, नेपाल, जितेन्द्र, ईश्वर, मोहन समेत दर्जनों मौजूद थे।

बाइक दुर्घटना में पिता पुत्र घायल एक रिम्स रेफर

बालूमाथ। पुलिस अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत थाना क्षेत्र के बारियातू बगरा मार्ग पर मेन मोड़ के समीप शनिवार संध्या 7 बजे अज्ञात बाइक के टक्कर से दो बाइक सवार घायल हो गए। उनकी पहचान सिमरिया रोन्हे निवासी राजेश राणा व पुत्र हनुमत राणा के रूप में हुई। दोनों बाइक से अपने घर से बालूमाथ की ओर आ रहे थे। इस दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। बारियातू पुलिस की मदद से दोनों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सक सुरेंद्र कुमार द्वारा दोनों घायलों की प्राथमिक उपचार करते हुए बेहतर उपचार के लिए राजेश राणा को रांची रेफर कर दिया गया।

मुखिया ने किया कंबल का वितरण

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड के पहरा पंचायत के मुखिया बेबी देवी व समाज सेवी मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार साव ने निजी खर्च से जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। उन्होंने बताया कि ठंड को देखते हुए कंबल का वितरण किया जाना अति आवश्यक था। सरकार द्वारा फिलहाल कंबल का आवंटन नहीं दिया गया है। वैसे में जरूरतमंद लोगों के बीच निजी खर्च से कंबल का वितरण किया गया। पंचायत के करीब 150 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। मुखिया ने बताया कि सरकार द्वारा जैसे ही कंबल का आवंटन प्राप्त होता है। वैसे ही शेष जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण कर दिया जाएगा।

व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

12 हजार 500 वादों का निपटारा // 5 करोड़ 92 लाख रुपए का हुआ सेटलमेंट

नवीन मेल संवददाता। लातेहार

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखंड विधिक सेवा प्रधिकार के आदेशानुसार प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में व्यावहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घघाटन झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने की। उन्होंने जिला के न्यायिक पदाधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पीएलवी व वादकारियों को बढ़चढ़ कर लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सबके सहयोग से ही झारखंड में लोक अदालत के माध्यम से वादों का निष्पादन संख्या बेहतर है। लातेहार में 9 सहित राज्य में 1030 पंचायत लीगल सर्विस क्लीनिक और 90 दिनों का व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

12 हजार पांच सौ वादों का हुआ निपटारा

राष्ट्रीय लोक अदालत में में प्री-लीटिगेशन के लगभग 10 हजार 100 मामले व दो हजार पांच सौ कोर्ट मामलों का निष्पादन किया गया। इसके साथ ही विभिन्न वादों में लगभग पांच करोड़ 92 लाख रुपए का सेटलमेंट किया गया।कई वर्षों से अलग रह रहे पति-पत्नी को मिलाया गया। कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश राजीव रंजन ने चार साल से अलग रह रहे समीर आलम व सोनी खातून को मिलाया। समीर आलम व सोनी खातून ने 19 मार्च 2021 को शादी की थी। शादी के कुछ महीने बाद ही दोनों के बीच झगड़ा होने लगा और मामला कोर्ट तक पहुंच गया।

दोनों अलग होना चाहते थे, लेकिन न्यायाधीश राजीव रंजन व दोनो पक्षों के अधिवक्ताओं के समझाने पर लोगों साथ रहने को राजी हो गये। दूसरे केस में जगेश्वर यादव और प्रीति देवी को मिलाया गया। इनका विवाह 9 जून 2016 में हिन्दू रीति रिवाज से हुआ था। दोनों से दो बच्चे हैं। जून 2024 से दोनो के बीच घरेलू विवाद में झड़प हुई। धीरे-धीरे लड़ाई कोर्ट तक पहुंच गया। दोनों अलग रहने लगे। प्रीति देवी ने अलग होने और भरन-पोषण का केस किया। कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश एवं मध्यस्थ अरविन्द प्रसाद गुप्ता ने दोनों को फिर से मिलवाया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह ने दोनो जोड़ों को उपहार एवं मिठाई खिलाकर विदा किया तथा हमेशा साथ रहने एवं बच्चों को जीवन में आगे बढ़ाने की सलाह दी। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय राजीव आन्नद, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, सीजेएम अब्दूल नसीर, एसीजेएम शशी भूषण शर्मा, सिविल जज तृतीय सह न्यायिक दण्डाधिकारी स्वाति विजय उपाध्याय, जिला विधिक सेवा प्रधिकार के सचिव शिवम चैरसिया, जिला प्रशासन के अधिकारी, व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण, पीएलवी के सदस्य, बैंक कर्मी सहित सैकड़ों की संख्या में वादकारी मौजूद रहे।

डीवीसी के तुबेद कोल माइंस में मनाया गया वार्षिक सुरक्षा पखवाड़ा

लातेहार। डीवीसी के तुबेद कोल माइंस में 67वां वार्षिक सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया। मौके पर माइंस के पीओ विनोद कुमार दीपक, प्रबंधक युगल कुमार व उनकी टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर आइएसओ, सीसीएल के परशुराम सिंह, डीवीसी तुबेद कोल माइन के एजेंट अरविंद ठाकुर, खनन प्रबंधक मनीष कुमार, सेफ्टी ऑफिसर दीपक कुमार समेत डीवीसी के कई अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने खान सुरक्षा के संबंध में कई जानकारियां दी। कहा कि खान सुरक्षा का खान व जीवन दोनों की सुरक्षा से है। उन्होंने कार्यक्रम में कुशल कामगारों को पुरस्कृत भी किया। मौके पर खान सुरक्षा पर आधारित क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन कौशल सिंह व रवि प्रकाश ने संयुक्त रूप से किया।

लातेहार टाइटन ने रॉयल सीसी को 41 रन से हराया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सीनियर जिला क्रिकेट लीग का चौथा मैच लातेहार टाइटन तथा रॉयल सीसी के बीच खेला गया। लातेहार टाइटन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 126 रन बनाए। नीतीन कुमार 60, निशांत 13 रनो का योदान दिया। रॉयल सीसी की ओर से अरुण यादव 3, मो. रियाज ने 3 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी रॉयल सीसी ने 17वें ओवर में ही सभी विकेट खोकर 85 रन पर पूरी टीम ढ़ेर हो गयी। अजय गंझू 26 रनो का योगदान दिया। लातेहार टाइटन की ओर से निखिल ओहदार 2, मनीष यादव ने 4, मोनू सिंह ने 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार लातेहार टाइटन के मनीष यादव को रेलवे के कर्मचारी विक्रम केशरी ने दिया। मैच के अंपायर उज्जवल सिंह तथा रौनक दुबे थे। स्कोरिंग समरेश बादल ने किया। एक अन्य मैच में आरएससीसी व एलसीए ब्लू के बीच खेला गया। एलसीए ब्लू ने आरएससीसी को 3 रन से हराकर मैच को जीत लिया। एलसीए ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित ओवरो में 131 रन बनाया। प्रशांत कुमार 23, उज्जवल सिंह 44, जय देव ने 16 रन का योगदान दिया। आरएससीसी की ओर से इमरान ने 3, आकाश सिन्हा 2, राजीव कुजूर ने दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएससीसी ने निर्धारित ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 128 रन ही बना पाई। राजा बाबू 33, प्रभात यादव 47 रन बनाया। एलसीए ब्लू की ओर से अजय साहू 3, अमित मिश्रा व जय देव ने एक-एक विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एलसीए ब्लू के अजय साहू को अधिवक्ता सह पूर्व क्रिकेटर मोबिन खान ने दिया। मैच में अंपायर श्रवण महली, आनंद सिंह किया। स्कोरिंग आकाश महतो ने किया। मौके पर संघ के सचिव अमलेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद, नीरज कुमार सिंह, अश्विनी सिंह व अन्य उपस्थित थे।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव के समापन पर डीसी ने कहा, मेहनत का कोई विकल्प नहीं

'युवाओं के पास असीम संभावनाएं'

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला स्तरीय युवा महोत्सव का समापन समारोह नया नगर भवन में आयोजित किया गया। इस मौके मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि युवाओं के पास असीम संभावनाएं हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब जीवन मे कुछ करने का निर्णय लेना होता है। मध्यमवर्गीय परिवार में हम बच्चों को कुछ विशेष दिशा में ही कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं लेकिन आज गीत, संगीत, नृत्य समेत अन्य कलाओ में भी कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं। युवा महोत्सव में आज 11 तरह की कलाओं में यहां के छात्र-छात्राओं ने भाग लिए जो यहां की छिपी हुई प्रतिभा को दशार्ता है। ऐसे कार्यक्रमों से विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में छिपी हुई प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है।

उपायुक्त ने कहा कि आप चाहे कला के क्षेत्र में या शैक्षणिक क्षेत्र में अपना कॅरियर बना रहे हों, मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। आप जो क्षेत्र चुनें, उसमें खूब मेहनत करें और लोहरदगा जिला के साथ-साथ राज्य और देश का नाम रौशन करें। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि जिला स्तर पर जब इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही थी तो इसके लिए बीएस कॉलेज, कुटमु मध्य विद्यालय, नया नगर भवन जैसे स्थल का चयन किया गया और तय किया गया कि किसी भी प्रतिभा को वंचित नही रखा जाएगा। सभी को अवसर दिया गया। लोहरदगा जिला के युवाओं में बहुत प्रतिभा है और सही तरीके से अगर प्रतिभा को तराशा गया तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये नाम रौशन कर सकते हैं।

समारोह में सामूहिक लोकनृत्य, एकल लोक नृत्य, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, विज्ञान मेला की प्रतियोगिता नया नगर भवन में आयोजित की गई। वहीं। मध्य विद्यालय कुटमु में कविता व कहानी लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई। बीएस कॉलेज में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को उपायुक्त व अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, बड़ी संख्या में प्रतिभागीगण उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध गंभीर

भंडरा। चट्टी-नगजुआ मुख्य पथ भंडरा थाना क्षेत्र के खिजरी पहाड़ के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए गंभीर रुप से घायल वृद्ध को रांची रिम्स रेफर कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि भंडरा थाना क्षेत्र के कांजो गांव निवासी स्वर्गीय सुकरा उरांव के पुत्र रुप चंद्र उरांव (60 वर्ष) अपने साइकिल से चट्टी बाजार से सब्जी खरीद कर अपने घर कांजो लौट रहा था, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात मोटर साइकिल ने टक्कर मार फरार हो गया। इससे रुप चंद्र उरांव का एक पैर टूट गया है। साथ ही सर में गंभीर चोटें आई है।

गुमला विभाग स्तरीय दो दिवसीय शिशु वाटिका आचार्य कार्यशाला शुरू

शिक्षकों को शिशु वाटिका के 12 आयामों पर दिया गया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विद्या भारती योजना अंतर्गत गुमला विभाग स्तरीय दो दिवसीय शिशु वाटिका आचार्य कार्यशाला सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में शुरू हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में गुमला, लोहरदगा एवं सिमडेगा में संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के शिशु वाटिका में अध्यापन करने वाले 70 आचार्य बंधु भगिनी सम्मिलित हुए। कार्यशाला में कुल दस सत्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु क्रिया आधारित पठन-पाठन से संबंधित क्रियाकलापों का प्रशिक्षण दिया गया। उनके अध्ययन हेतु सामग्री का निर्माण करने की बात कही गई। मौके पर उपस्थित आरएसएस के प्रांत संघ चालक सच्चिदानंद अग्रवाल व समिति के अध्यक्ष

शशिधर अग्रवाल ने शिशु वाटिका के 12 आयामो की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिशु वाटिका में कुल 12 आयाम है। जिसमे चित्र पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, वास्तु संग्रहालय, चिड़ियाघर, घर की व्यवस्था, बगीचा, कार्यशाला, कला, रंगमंच, क्रीड़ांगन, तरणताल और प्रदर्शनी शामिल है। इन आयामो के माध्यम से बच्चों को बस्ता रहित प्रशिक्षण देना है। कहा कि शिशुओं के सीखाने की 12 व्यवस्थाओं के माध्यम से शिशुओं को हम शिक्षा प्रदान करें। इससे शिशुओं का ज्ञानेंद्रियों के साथ उनके कर्मइंद्रियों का विकास होता है। शिशु वाटिका के विकास के लिए 12 आयाम का अनुपालन करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिशुओं में शुरू से ही हमारी भारतीय संस्कृति के बारे में जानकारी देना चाहिए। मौके पर मुख्य अतिथि प्रांत संघ संचालक सच्चिदानंद लाल अग्रवाल, शशिधर लाल अग्रवाल, अजय प्रसाद, राजेश गुप्ता, धंजी भाई वनानी गुजरात माता श्री चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक , सुरेश चंद्र पांडे, बिपिन कुमार दास उत्तम कुमार मुखर्जी, पूनम सारंगी, सुनिता कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे।

थाना प्रभारी ने दृष्टिहीन दंपति को बीडीओ कार्यालय पहुंचाया

2019 से दृष्टिहीन को नही मिल रहा था पेंशन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने शनिवार को मानवता का परिचय देते हुए एक दृष्टिहीन दंपति को प्रखंड कार्यालय पहुंचाया। दरअसल मसमानो निवासी शनि उरांव का दृष्टिहीन दिव्यांग 33 वर्षीय भूखला उरांव अपनी दिव्यांग पत्नि के साथ अपने हक की लड़ाई के लिये थाना प्रभारी के पास पहुंच गया। दिव्यांग दंपति ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों से उसे दिव्यांगता पेंशन नहीं मिला है। सभी जगह जा कर थक हार के यहां पहुंचा हूं। दंपति ने बताया कि दृष्टिहीन होने के कारण पेट का भूख मिटाने का एक मात्र सहारा पेंशन था। 2019 से वह पेंशन भी मिलना बंद हो गया है। पत्नि को मिलने वाला दिव्यांगता पेंशन से ही दोनों का गुजारा चलता है। बंद पेंशन को चालू कराने के लिये प्रखंड कार्यालय गया। वहां काम नहीं हुआ तो जिला भी गया। लेकिन इस दंपति का सुनने वाला कोई नहीं हैं। दृष्टिहीन होने के कारण कहीं आने जाने में भी परेशानी होती है। दंपति के बातों को सुन भावुक हुए थाना प्रभारी ने फोन कर भंडरा बीडीओ प्रतिमा कुमारी से इनके लिये सहयोग की अपील की। बीडीओ द्वारा उन्हें ब्लॉक बुलाए जाने पर दृष्टिहीन दंपति को थाना प्रभारी ने थाने की गाड़ी से प्रखंड कार्यालय पहुंचवाया।

डकैती की योजना बना रहे 3 अपराधी गिरफ्तार

दो लोडेड देशी कट्टा, चोरी के दो मोटरसाइकिल, 4 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप बरामद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे तीन अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तीनों अपराधियों के पास से 2 लोडेड देसी कट्टा, लैपटॉप, मोबाइल, मोटरसाइकिल समेत लूटे हुए कई सामान पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस गिरफ्त में आये अपराधियों की पहचान शैलेस कुमार साहु, राजेंद्र महली, इमरोज अंसारी के रूप में किया गया हैं। तीनों आरोपी डकैती की योजना बना रहे थे तभी पुलिस ने इन्हें पकड़ लिया। वही सभी का अपराधिक इतिहास रहा है. इस संदर्भ में लोहरदगा पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने बताया कि उन्हें मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह करवाई की गई है। उन्होंने इस बाबत एक छापेमारी टीम का गठन किया था। गठित टीम द्वारा तीनों लुटेरों को सदर थाना क्षेत्र के जुरीया रोड स्थित एक भाड़े के

मकान से गिरफ्तार किया है। वही इनके पास से 2 लोडेड देसी कट्टा, लूटे हुए चोरी के 2 मोटरसाइकिल, 4 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप बरामद किया गया है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपी डकैती की योजना बना रहे थे और सभी का अपराधिक इतिहास रहा है. पूर्व में भी सभी जेल जा चुके हैं. जिले के हीरही और बदला में भी ये लूट की घटना को अंजाम दे चुके हैं. इनके पास से लूट का सामान भी बरामद किया गया है, जिसके बाद इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। सभी पूर्व में जेल जा चुके है तथा इनका अपराधिक इतिहास है। इस संबंध लोहरदगा थाना कांड सं०-233/2024, दिनांक-14.12.2024, धारा-310(4)/310(5)/317(3) बीएनएस एवं 25 (1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है। वही इनके विरुद्ध लोहरदगा थाना कांड सं0-229/2024, दिनांक-08.12.2024, धारा-309 (4) बीएनएस, सेन्हा थाना कांड सं0-106/2024, दिनांक-13.12.2024, धारा-309 (6) बीएनएस के तहत मामला दर्ज हुआ है। इधर छापेमारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारियो में पु०अ०नि०-राकेश कुमार गुप्ता, संजय कुमार, स०अ०नि०-चन्द्रदीप मेहता, मनिष कुमार सिंह, ललन कुमार, अजय कुमार तिवारी, अमित कुमार तिवारी, देवेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र राम, देवेन्द्र राम, सत्य किशोर कुमारसमेत अन्य शामिल थे। वही प्रेस वार्ता के मौके पर सदर थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर मौजूद थे।

महान मराठा महिला जो कर्तव्य व निष्ठा का श्रेष्ठ उदाहरण

विद्या मंदिर में अहिल्याबाई होल्कर की जन्मशती पखवाड़ा का प्रारंभ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर की जन्मशती पखवाड़ा का प्रारंभ प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास, जामवंती मिश्रा एवं प्रमेंद्र सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। पखवाड़ा को संबोधित करते हुए हिंदी की आचार्या जामवंती मिश्रा ने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी समारोह का यह पहला कार्यक्रम है ।जिसे शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित किया गया। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर को नवदुर्गा का स्वरूप बताया। भैया- बहनें आज के कार्यक्रम से कुछ प्रेरणा लेकर जाने वाले हैं। उनका पूरा जीवन देखेंगे तो उनके कृत्यों एवं न्याय प्रियता से ही लगता है कि वह लोकमाता थीं। उन्होंने पूरा जीवन अपने लिए नहीं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में लगाया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने कहा कि हमारे देश

में नारी का सम्मान क्या है यह लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन चरित्र से देखा जा सकता है, जबकि पश्चिमी देशों द्वारा हमारे देश के विरुद्ध हमेशा एक नकारात्मक एजेंडा चलाया जाता है कि यहां नारी का शोषण सदियों से किया जाता रहा है। इस बात का मिथक फैलाया जाता है और यहीं का एक वर्ग इसे सामाजिक और राजनीतिक एजेंडा बनाते हैं। हमारे बीच मातृशक्ति के सम्मान और कृतियों की चर्चा नहीं की जाती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी आचार्या मधुमिता शर्मा, मंजू देवी, नीलिमा सिंह,अनीता देवी ,जया मिश्रा, वीणा तिवारी, सुप्रिया घोषाल सहित विद्यालय के आचार्य -दीदी जी का पूरा सहयोग मिला। वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

परिवहन विभाग ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

डिफॉल्टर वाहन होंगे जब्त : डीटीओ

- *सभी ऑटो चालकों को प्राथमिकता से बकाया टैक्स जमा करना सुनिश्चित करें : सुधीर प्रकाश*

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। परिवहन नियमों का पूरी तरह अनुपालन करने और राजस्व की बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी सुधीर प्रकाश ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में अभियान चलाया। शहर के ऑटो स्टैंड, रेलवे साइडिंग, कचहरी मोड समेत अन्य स्थानों पर वैसे ऑटो चालकों को रोका गया जिनका टैक्स बकाया है। समय पर टैक्स जमा नहीं करने कारण टैक्स की राशि बहुत ज्यादा हो गई है। बावजूद ऑटो चालक और व्यावसायिक वाहन के मालिकों द्वारा अब तक टैक्स जमा नहीं किया गया। इस मौके पर डीटीओ ने टेंपो चालकों से गहरी नाराजगी व्यक्त किया। कहा कि, परिवहन विभाग द्वारा सख्त निर्देश प्राप्त है कि, यथाशीघ्र सभी टैक्स डिफॉल्टर वाहन मालिकों से टैक्स की राशि वसूली की जाए। डीटीओ ने कहा, सभी ऑटो चालक प्राथमिकता और संवेदनशीलता से बकाया टैक्स जमा करना सुनिश्चित करें। कहा कि,एक सप्ताह के अंदर टैक्स राशि जमा करें। आदेश का अनुपालन नहीं करने पर टेंपो चालकों और व्यावसायिक वाहनों के मालिकों खिलाफ परिवहन नियम कायदों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। डिफॉल्टर वाहनों का परिचालन रोक दिया जाएगा।

उन वाहनों को जप्त कर लिया जाएगा। कहा गया कि परिवहन विभाग वर्तमान में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाएगा। सभी व्यावसायिक वाहन को भी वाहन टैक्स प्राथमिकता पर जमा करने का निर्देश दिया गया है। वाहन चेकिंग के दौरान डीटीओ सुधीर प्रकाश, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन अमृतेश्वर गिरी समेत विभागीय कर्मी मौजूद थे।

किसानों को नैनो यूरिया के बारे जागरुक करेगा प्रचार वाहन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। भंडरा प्रखंड कार्यालय से इफको प्रचार वाहन को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतीमा कुमारी द्वारा विधिवत रूप से नारियल फोड़ तथा झंडा दिखाकर शनिवार को रवाना किया। यह प्रचार वाहन पूरे प्रखंड क्षेत्र का भ्रमण कर किसानों को नैनो यूरिया के बारे जागरुक करेगा प्रचार वाहन में किसानों को एलईडी टीवी के माध्यम से भी जागरूक किया जाएगा मौके पर बीटीएम प्रियांशु मिंज और एसएफए अनित कुमार कुंदन ने बताया कि भारत सरकार से अनुमोदित नैनो यूरिया तरल नैनो तकनीक पर आधारित एक अनूठा उर्वरक है, इसे विश्व में पहली बार इफको ने विकसित किया है नैनो के प्रयोग से फसल के उत्पादन व गुणवता में वृद्धि के साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि कम लागत के साथ इसका प्रयोग करना भी आसान है। यह सभी तरह के फसलों के लिए उपयोगी, सुरक्षित व पर्यावरण के अनुकूल है सूखे में भी फसल के लिए असरदार, वातावरण प्रदूषण की समस्या से मुक्त के साथ टिकाऊ खेती के लिए उपयोगी है, मौके पर बाबर अंसारी, जलील अंसारी, संदीप उरांव, देवदीप उरांव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

1446 केसों का किया गया निष्पादन 1,55,94,249 रूपए की हुई वसूली

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झालसा, रांची के निर्देशानुसार शनिवार को वर्ष का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के सौजन्य से सिविल कोर्ट परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राजकमल मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री सुभाष, उपायुक्ता, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पुजारी एवं बैंक ऑफ इंडिया के जोनल मैनेजर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल छह बेंचो का गठन किया गया था। वहीं बेंच संख्या 1 बिजली से संबंधित वादों के लिए डीजे प्रथम अखिलेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में गठित किया गया। साथ ही बेंच संख्या 2 मोटर वाहन दुर्घटना, पारिवारिक विवाद, सिविल अपील जैसे वादों के केस निपटारे के लिए डीजे टू नीरजा आसरी, बेंच संख्या 3 क्रिमिनल कंपाउंडेडल केसेज, माइंस एंड मिनरल्स, एक्साइज केसेज, एनआई एक्ट, मिनिमम वेजेस एक्ट जैसे वादों के निपटारे के लिए सब जज द्वितीय अर्चना कुमारी, बेंच संख्या 4 एमवी एक्ट, म्युनिसिपल लॉ, रेवेन्यू केसेज आदि मामलों के लिए सीजेएम सह एसीजेएम सिविल जज सीनियर डिविजन द्वितीय कृष्ण कांत मिश्रा, बेंच संख्या 5 बैंक संबंधी मामलों के लिए एसडीजेएम अमित कुमार गुप्ता और बेंच संख्या 6 कंज्यूमर फोरम से संबंधित मामलों के लिए कंज्यूमर फोरम सदस्य नन्दलाल प्रसाद के नेतृत्व में गठन किया गया था। पीडीजे ने कहा कि लोक अदालत में छोटे-छोटे मामलों का निष्पादन किया जाता है। वहीं एक दिन में ही मामला समाप्त हो जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के सचिव राजेश कुमार अपनी पूरी टीम के साथ मुस्तैद रहे। वहीं उन्होंने आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1446 केसों का निष्पादन किया गया, जबकि 1,55,94,249 की वसूली अर्थदंड के रूप में की गई। मौके पर एसडीओ अमित कुमार, अधिवक्ता संघ के सचिव लाल दीपक कुमार, एलएडीसीएस के अधिवक्ता, मध्यस्थता केंद्र के अधिवक्ता, विभिन्न बैंकों व विभागों के पदाधिकारी, पीएलवी सहित वादों के निष्पादन के लिए पहुंचे लोग उपस्थित थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लोहरदगा बीएस कॉलेज इकाई की घोषणा की गई। जिसमें नगर अध्यक्ष प्रदीप महतो ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों के बीच संस्कार चरित्र व उनके विकास के लिए काम करती है। युवाओं में राष्ट्रभक्ति व समाज के प्रति संवेदनाएं जागृत हो। एक अच्छा नागरिक बने। विद्यार्थी परिषद वर्ष भर सभी कैंपस में सक्रिय रूप से काम करके युवाओं को समाज और देश के लिए प्रेरित करती है । पूर्व जिला प्रमुख छवि सिंह ने बताया की युवा छात्र शक्ति राष्ट्र की शक्ति होती है। यह शक्ति जिस सकारात्मक वातावरण को लेकर सही दिशा में काम करती है। उससे देश और समाज का विकास होता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों के अंदर सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास व ज्ञान शील एकता का मंत्र लेकर काम करती है। कॉलेज में इकाई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें इकाई अध्यक्ष पृथ्वी तमेडा, इकाई मंत्री सुधीर उरांव एवं इकाई उपाध्यक्ष गुलाम दसतगीर, मंगल देव उरांव, दीपिका कुमारी, निखिल कुमार, इकाई सह मंत्री विकास सिंह, सूरज कुमार, नेहा कुमारी, कार्यालय इकाई कार्यालय मंत्री संतोष कुमार साहू, एसएफएस प्रमुख हरीश महतो, एसएफडी आयुष कुमार मिंज, खेलो भारत प्रमुख विकास प्रजापति, कला मंच प्रमुख कशिश गुप्ता, एनसीसी प्रमुख आदित्य ठाकुर, एनएसएस प्रमुख रानी कुमारी, मीडिया प्रमुख विक्रम कुमार पासवान, कार्यकारिणी सदस्य अनमोल उरांव, भोला कुमार, अभिषेक कुमार आदि शामिल हैं। सभी कार्यकर्ताओं को विशेष निर्देश दिया गया कि कॉलेज में किसी भी प्रकार की छात्र-छात्राओं को कोई भी समस्या होती है सभी कार्यकारिणी के छात्र मिलकर उसका समाधान करेंगे। कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री श्री देवी सिंह एवं नगर मंत्री जय साहू , उपाध्यक्ष जानवी कंचन गोयल आदि सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला जल व स्वच्छता समिति की बैठक, डीडीसी ने अधिकारियों को दिया निर्देश

गांवों को ओडीएफ प्लस की श्रेणी में लाने के लिए किए जा रहे कार्यों में तेजी लाएं

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में आज शनिवार को जिला जल एवं स्वच्छता समिति लोहरदगा की बैठक जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और निर्देश दिए गए। गांवों को ओडीएफ प्लस की श्रेणी में लाने के लिए किए जा रहे कार्य मे तेजी लाने, ग्राम स्तर पर प्लास्टिक कचरा के उठाव के लिए कर्मी का भुगतान 15वें वित्त आयोग की राशि से किये जाने, आईएचएचएल निर्माण हेतु ग्रामवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए पूर्ण करना सुनिश्चित करने, पंचायत स्तरीय सेग्रिगेशन शेड निर्माण हेतु स्थल चयन कर एक सप्ताह में उपलब्ध कराने, ग्राम स्तर पर व्यक्तिगत निर्मित सोक पिट निर्माण मनरेगा से कराने, 15 वें वित्त आयोग से एसएलडब्ल्यूएम स्ट्रक्चर से निर्माण करते हुए ग्राम को ओडीएफ प्लस कराने का निदेश दिया गया। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम आईलीन टोप्पो, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, डीपीएम जेएसएलपीएस, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, एपीआरओ आशीष कुमार, स्वच्छ भारत मिशन की ओर से परवेज आलम समेत अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिए जिला पोषण समिति की बैठक हुई

पोषण अभियान अंतर्गत सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के विभिन्न उद्देश्यों, विशेषकर किशोरी बालिकाओं, 0 से 5 वर्ष के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करने वाली माता के पोषण संबंधी परिणाम में सुधार एवं अपेक्षित परिणाम हेतु शनिवार को विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिए जिला पोषण समिति की बैठक डीडीसी महोदय दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा द्वारा जानकारी दी गई कि पोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य 0 से 6 वर्ष के बच्चों के अल्प पोषण से बचाव एवं इसमें प्रतिवर्ष दो प्रतिशत की दर से कमी लाना, 6 माह से 59 माह के बच्चों में एनीमिया के प्रसार में प्रतिवर्ष तीन प्रतिशत की दर से कमी लाना उद्देश्य है। बैठक में जिला पोषण समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिले में कुपोषण एवं एनीमिया पर नियंत्रण के लिए यह अति आवश्यक है कि विभिन्न संबंधित विभाग जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायती राज कृषि, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग हर स्तर पर आपसी समन्वय से काम करें। डीडीसी ने सही पोषण के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फलों, साग-सब्जियों, जंगली वन उत्पाद की सूची बनाने एवं उसके न्यूट्रीशन वैल्यू का प्रचार प्रसार करने पर जोर दिया। संबंधित विभागीय पदाधिकारी कर्मियों को पोषण अभियान मार्गदर्शिका के अनुसार निर्धारित समय पर लक्ष्य प्राप्ति हेतु एक्शन प्लान तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

दर्जनों किसानों के बीच टिशू कल्चर केला बीज का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। जिला उद्यान विभाग के माध्यम से प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों किसानों के बीच टिशू कल्चर केला बीज का वितरण किया गया। जिसके तहत गजनी, उल्टी, चाल्हो, महुवरी व नगजुवा के किसानों बीच बीज वितरण करते हुए प्रखंड उद्यान मित्र मृत्युंजय तिवारी ने बीज को लगाने के लिए गड्ढे से गड्ढे की दूरी, उसमें लगने वाली खाद, ठंड के समय में कोहरा, ओला से बचाव के लिए पौधे के ऊपर प्लास्टिक लगाने से लेकर रख रखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ में किसानों से कहा कि किसानों की आर्थिक बढ़ोतरी के लिए परम्परागत धान, गेहूं ,सब्जी की खेती के साथ साथ बागवानी की खेती करना जरूरी है ताकि पूरे वर्ष भर किसानों को उपज मिलती रहे और आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। इसके लिए सरकार व विभाग द्वारा किसानों के बीच तरह तरह की योजना चलाई जाती है जिसका लाभ किसान समय समय पर उठा सकें। किसान अच्छी तरह खेती कर सके इसके लिए बीज से लेकर नेपसेक स्प्रेयर, ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर, नेट सेड, ग्रीन हाउस की भी योजना मिलती है इसका भी लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए प्रखंड उद्यान मित्र या विभाग से मिलकर समय समय पर होने वाले आवेदन को जरूर जमा करें। मौके पर गजनी मुखिया सुमन उराँव सहित लाभुक मौजूद थे।

बर्थडे पार्टी के नाम पर युवती के साथ गैंगरेप

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र में एक अत्यंत ही शर्मनाक घटना घटी है जहां एक युवती के साथ कुछ युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। जहां बर्थडे पार्टी के नाम पर ले जाकर 4 युवको के द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। मामले दो पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करती है युवती

मिली जानकारी के अनुसार चैनपुर में किराए के मकान में रहकर एक स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। 10 दिसंबर को, स्कूल में पढ़ाई करते समय एक शिक्षक ने उसे बताया कि उसका कोई दोस्त मिलने आया है। युवती ने शिक्षक से छुट्टी मांगी और बाहर जाकर देखा तो उसके तीन दोस्त और एक सहेली एक काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठे थे। उनमें से एक ने अपने जन्मदिन का बहाना बनाकर घूमने चलने के लिए कहा।घूमने के बहाने पार्टी के दौरान टोंगो के समीप युवक ने उसे शराब पिलाई और उसे लेकर गुमला चला गया। वहां ले जाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद, युवक ने युवती और उसकी सहेली को वापस छोड़ दिया। फिर जब युवती अपने घर वापस लौट रही थी, तब चैनपुर में एक नदी के समीप युवक के दो अन्य दोस्तों ने फिर से उसके साथ दुष्कर्म किया।

मां के बयान पर थाने में प्राथमिकी दर्ज

घटना के बाद जैसे-तैसे युवती अपने घर पहुंची। घर पहुंचने के बाद डर के मारे युवती ने इसकी जानकारी किसी को भी नहीं दी। अंत में कुछ अनहोनी होने के बात पूछने पर उसने पूरी आपबीती अपनी मां को बताई। जिसके बाद युवती के मां ने थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

फरार चल रहे अन्य युवकों की तलाश जारी है

वहीं मामले में फरार चल रहे अन्य युवकों की तलाश जारी है। चैनपुर पुलिस घटना में शामिल अन्य आरोपियो की तलाश में छापेमारी कर रही है। वहीं घटना के बाद जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने घटना की जानकारी ली और स्कूल प्रशासन से अनुरोध किया है कि बच्चों को बिना अभिभावक की अनुमति के छुट्टी न दी जाए।

विस चुनाव 2024 में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर

चैनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ललित मीणा और थाना प्रभारी कुंदन चौधरी को गुमला के एसपी शम्भू कुमार सिंह ने विधानसभा चुनाव 2024 में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस समारोह में एसपी ने दोनों अधिकारियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की।एसपी शम्भू कुमार सिंह ने कहा कि कुंदन चौधरी ने चुनावी प्रक्रिया को सुचारू, सुरक्षित और निष्पक्ष बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर कुंदन चौधरी ने अपने कार्य की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनके लिए नहीं, बल्कि पूरी पुलिस टीम के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि वे भविष्य में भी अपनी टीम के साथ मिलकर बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस सम्मान ने पुलिस विभाग के प्रति जनता के विश्वास को और मजबूत किया है और अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना है।यह कदम चुनावी माहौल को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

चैनपुर प्रखंड में बाइक दुर्घटना दो लोग गंभीर रूप से घायल

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के केड़ेग से चैनपुर की ओर आ रहे 18 वर्षीय अनीश कुमार की बाइक ने पीछे से 35 वर्षीय सुनीता एक्का को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों की हालत गंभीर हो गई है जिसे स्थानीय लोगों के मदद से उसे चैनपुर सामुदायिक स्वस्थ केन्द्र लाया गया जिसे प्राथमिक उपचार कराया जा रहा है।घटना के बारे में जानकारी देते हुए पीड़िता सुनीता एक्का ने बताया कि वे अपने पति संजय एक्का के पास खाना लेकर खेत जा रही थीं, तभी अचानक मोटरसाइकिल चालक ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दिया।दुर्घटना के बाद अनीश कुमार को तुरंत सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया है, जबकि सुनीता को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य के केंद्र चैनपुर में चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। वही घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी घटना स्थल पर पहुंची घटना की जानकारी ली।

एनएच 23 पर स्कूल वैन और ट्रक की टक्कर

बाल-बाल बचा ड्राइवर

क्षतिग्रस्त

गुमला। एनएच 23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो थाना क्षेत्र के दुम्बो गांव के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भरनो के ललित उरांव मेमोरियल विद्यालय की स्कूल वैन को एक ट्रक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी।,

वैन का चालक, कुसुम्बाहा निवासी मुकेश तिवारी, इस हादसे में बाल-बाल बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वैन स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को उनके घर पहुंचाकर भरनो लौट रही थी। इस दौरान दुम्बो गांव के पास सामने से आ रहे एक ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी, जिससे वैन सड़क के बीच बने डिवाइडर में फंस गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि दुर्घटना के समय वैन में कोई बच्चा सवार नहीं था। दुर्घटना के बाद ट्रक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन भरनो थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक को खदेड़कर पकड़ लिया और उसे जब्त कर लिया। स्कूल संचालक बिनय केशरी ने कहा कि अगर वैन में बच्चे मौजूद होते, तो यह हादसा बहुत बड़ा हो सकता था। उन्होंने बताया कि वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

उपायुक्त ने किया +2 उच्च विद्यालय टोटो का किया निरीक्षण

10वीं और 12वीं के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करें : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शुक्रवार को राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय टोटो का साप्ताहिक निरीक्षण किया। यह दौरा शिक्षा कर भेंट गतिविधि के तहत किया गया, जो जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जिसमें बच्चों की उपस्थिति, शिक्षण प्रक्रिया, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशाला और कंप्यूटर क्लास शामिल थीं। उन्होंने ई-विद्या वाहिनी और प्री-बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी का भी आकलन किया। उपायुक्त ने छात्रों से संवाद कर उन्हें बड़े सपने देखने और लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों के डाउट क्लास लिए और 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों की तैयारी का मूल्यांकन किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर परिणाम के लिए प्रतिबद्ध है और हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में डीडब्लूएससी की बैठक सह कार्यशाला संपन्न, स्वच्छता पर जोर

गुमला। समाहरणालय सभागार में शनिवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्लूएससी) की बैठक सह कार्यशाला आयोजित हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज 2 के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई और 15वें वित्त आयोग के तहत क्रियान्वित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान

उपायुक्त ने कहा कि मिशन का उद्देश्य गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाए रखना और ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को सुधारना है। इसके तहत ओडीएफ प्लस के सात घटकों जैसे गोबर-धन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, सुरक्षित माहवारी प्रबंधन, और ठोस व तरल कचरा प्रबंधन पर जोर दिया गया।

कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश

बैठक में फेज 2 से जुड़े कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने पंचायत राज, मनरेगा, ग्रामीण विकास और नगर विकास विभाग के बीच आपसी समन्वय से कार्य करने और इन्हें जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक और कचरा प्रबंधन पर चर्चा

उपायुक्त ने सिंगल-यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाने और ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्राम पंचायत स्तर पर सेग्रेशन शेड के निर्माण में अब तक 150 के लक्ष्य में से 5 का निर्माण पूरा हो चुका है और 13 निमार्णाधीन हैं। उन्होंने कार्य में तेजी लाने और पंचायत स्तर पर कचरा संग्रहण वाहन का उचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षा कर भेंट से गुमला के शिक्षा स्तर में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

जिले में वार्षिक बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के नेतृत्व में शिक्षा कर भेंट गतिविधि जोर-शोर से संचालित की जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के सभी वरीय पदाधिकारी कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों की पढ़ाई, प्रीबोर्ड परीक्षा और उनकी तैयारी का साप्ताहिक अनुश्रवण कर रहे हैं। उपायुक्त की इस पहल के तहत दिसंबर के पिछले दो सप्ताह में जिले के विभिन्न विद्यालयों में 175 निरीक्षण किए गए हैं। इसके माध्यम से शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए छात्रों को बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा कर भेंट गतिविधि के पिछले वर्ष के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस बार भी युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।

- **बोर्ड परीक्षा की तैयारी के विशेष प्रावधान:** प्रीबोर्ड परीक्षा संचालनः वर्तमान में प्रीबोर्ड परीक्षाएं संचालित हैं, जिनके परिणाम जनवरी के आरंभ में घोषित किए जाएंगे। शीतकालीन अवकाश में होमवर्क असाइनमेंटः छात्रों को अवकाश के दौरान सतत तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नों के होमवर्क असाइनमेंट दिए जाएंगे।
- **रेमेडियल कक्षाएं और मॉडल प्रश्न अभ्यास:** प्रीबोर्ड के परिणामों के आधार पर विषयवार रेमेडियल कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, साथ ही मॉडल प्रश्न पत्रों का अभ्यास कराया जाएगा। जिले में कुल 164 माध्यमिक विद्यालयों से लगभग 14,000 छात्र-छात्राएं कक्षा 10वीं की परीक्षा में शामिल होंगे, जबकि टर महाविद्यालयों से 7,000 छात्र-छात्राएं कक्षा 12वीं की परीक्षा में कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में भाग लेंगे।
- **पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी:** उपायुक्त के निर्देशन में डीआरडीए निदेशक विद्या भूषण कुमार, एलआरडीसी कंचन सिंह, डीएसई नूर आलम खां, जिला योजना पदाधिकारी रमन कुमार, और बीडीओ एवं सीओ सहित कई वरीय अधिकारी साप्ताहिक भ्रमण कर छात्रों की तैयारी और विद्यालय प्रबंधन पर नजर बनाए हुए हैं।

घाघरा पुलिस ने वाहन जलाने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया

गुमला। घाघरा पुलिस ने वाहन जलाने, मंदिर में प्रतिबंधित मांस फेंकने और सेन्हा में पीएलएफआई का पर्चा चिपकाने के आरोपी देवाकी कुसुम टोली निवासी रामजी भगत उर्फ रामजी उरांव को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। घटना की जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार और थानेदार तरुण कुमार ने बताया कि 22 नवंबर की रात चपका में महेश साहू के ऑटो कार, गुमला डीएसपी रोड पर जवाहर नगर निवासी चंदन कुमार के बोलेरो और उसके चालक के ट्रैक्टर को रंहे गांव में आग के हवाले कर दिया गया था।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

गांवों में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन पर दिया गया जोर

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्लूएससी) की बैठक सह कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य बिंदु:

शौचालय उपयोग पर जागरूकताः उपायुक्त ने कहा कि जितने स्थानों पर शौचालय बनाए गए हैं, वहां लोगों को उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए। जिले के 170 गांव अब तक डउ्रऋप्लस घोषित हो चुके हैं।

ओडीएफ प्लस घटकों पर चर्चाः ठोस और तरल कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, सुरक्षित माहवारी प्रबंधन और गोबर-धन योजना जैसे बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

15वें वित्त आयोग से जुड़ी योजनाएंः उपायुक्त ने पंचायत स्तर पर सेग्रेशन शेड के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। बताया गया कि 150 लक्ष्यों में से 5 पूरे हो चुके हैं और 13 निमार्णाधीन हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोकः उपायुक्त ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने और ठोस कचरा प्रबंधन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

कार्यशाला के प्रमुख विषय:

कार्यशाला में ठोस व तरल कचरे को अलग करने, इलेक्ट्रॉनिक कचरे के निपटारे, पोषक तत्वों से युक्त आहार अपनाने और स्वच्छता पहल के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

उपस्थित अधिकारी:

कार्यशाला में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी, स्टेट कॉर्डिनेटर श्रेय कुमारी और सभी प्रखंडों के अभियंता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राजकीयकृत मध्य विद्यालय गुमला में प्रबंधन समिति का हुआ पुनर्गठन

खालिद अध्यक्ष और फातमा उपाध्यक्ष चुने गए

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुकी राजकीयकृत मध्य विद्यालय गुमला के विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन शनिवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओम प्रकाश दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पर्यवेक्षक की भूमिका रश्मि कुमारी ने निभाई। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीरू कुमारी ने प्रबंधन समिति के पुनर्गठन प्रक्रिया में सक्रिय योगदान दिया।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान खालिद हुसैन को सर्वसम्मति से समिति का अध्यक्ष चुना गया, जबकि फातमा खातून उपाध्यक्ष बनीं। इसके अलावा समिति के अन्य सदस्य चुने गए। जिनमें रेखा देवी, शशि कुजूर, मोशाबा खातून, मुस्कान तबस्सुम, रेशमा खातून, रुकसाना परवीन, मो. कासीम, फारुख अंसारी, मो. अशरफ अंसारी और अनीता देवी शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओम प्रकाश दास ने सभा को संबोधित करते हुए विभागीय नियमों और प्रबंधन समिति की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई समिति से विद्यालय के समग्र विकास, बच्चों की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और अनुशासन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पर्यवेक्षक रश्मि कुमारी ने समिति गठन की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सभा के अंत में नवचयनित अध्यक्ष खालिद हुसैन और उपाध्यक्ष फातमा खातून ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा, ॠपिछले अध्यक्ष मो. इम्तियाज के कार्यकाल में विद्यालय के अनुशासन और व्यवस्था में जो सुधार लाए गए हैं, वे सराहनीय हैं।

गुमला के चीतागुटू में ग्राम सभा ने लिया बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संकल्प

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

भरनो प्रखंड के ग्राम पंचायत करौंदाजोर के चीतागुटू ग्राम में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान जगदीश मंडा ने की। इस बैठक में ग्रामीण, मुखिया, सहिया, वार्ड सदस्य, और लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान के प्रतिनिधि संजीत कुमार राय एवं एलिस करुणा तोपनो भी उपस्थित थे।

बैठक में बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संकल्प लिया गया। साथ ही, बाल मजदूरी, बाल व्यापार, और बाल यौन शोषण को रोकने का निर्णय लिया गया। सभी उपस्थित सदस्यों के साथ चर्चा करके नियमावली तैयार की गई।

ग्राम सभा ने यह भी निर्णय लिया कि गांव का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा और सभी बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराया जाएगा। इसके अलावा, गांव में किसी भी बालक से मजदूरी कराना निषेध होगा। उचित सहायता प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग से सभी बच्चों को जोड़ा जाएगा।

दो ट्रकों के बीच सीधी टक्कर में दो घायल

नवीन मेल संवाददाता

बसिया(गुमला)। रांची सिमडेगा पथ पर आज फिर से एक बड़ी दुर्घटना हो गई। बीच सड़क पर दो ट्रकों के बीच हुए इस टक्कर के कारण दोनों ट्रकों के चालक बुरी तरह घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार के सुबह रांची के तरफ से आ रहे कोयला लदे एक ट्रक की सीधी टक्कर सामने से आ रहे एक दूसरे ट्रक के साथ हो गई। यह घटना यहाँ के भीड़भाड़ वाले भागीडेरा चौक के समीप का है

जबकि दुर्घटना के बाद इस मार्ग में घंटों तक जाम लगा रहा। बताते चलें कि विगत कुछ समय से इस पथ पर न केवल ट्रैफिक बढ़ गया है बल्कि दुर्घटनाओं में भी बेतरतीब वृद्धि हो गई है। इस मामले में सुखद संयोग यह रहा कि भीड़भाड़ के बावजूद इस ट्रक के चपेट में आम लोग नहीं आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना बीच सड़क में नियमित तौर पर भीख मांगने वाले एक अपाहिज को बचाने के चक्कर में हुआ है। इस मामले में बोकारो निवासी सिकंदर कुमार और जमशेदपुर निवासी पी.के.घोष बुरी तरह घायल हो गए हैं। इस दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने अविलंब कार्रवाई करते हुए मूकबधिर दिव्यांग को सड़क के बीचोबीच भीख मांगने से रोकने की मांग की है।

गुमला में जिला प्रशासन का अनूठा प्रयास

कल से शुरू होगा विशाल रक्तदान अभियान

गुमला। आपका रक्तदान–किसी की नई जिंदगी का आधार को साकार करने के लिए गुमला जिला प्रशासन ने उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर 16 दिसंबर 2024 से 3 जनवरी 2025 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों में रक्तदान शिविरों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

रक्तदान शिविरों का शेड्यूल

16 दिसंबर 2024: सदर प्रखंड, गुमला	26 दिसंबर 2024: भरनो प्रखंड
18 दिसंबर 2024: पालकोट प्रखंड	27 दिसंबर 2024: चैनपुर प्रखंड
19 दिसंबर 2024: सिसई प्रखंड	28 दिसंबर 2024: घाघरा प्रखंड
20 दिसंबर 2024: बसिया प्रखंड	30 दिसंबर 2024: रायडीह प्रखंड
21 दिसंबर 2024: कामडारा प्रखंड	31 दिसंबर 2024: डुमरी प्रखंड
23 दिसंबर 2024: बिशुनपुर प्रखंड	3 जनवरी 2025: अल्बर्ट एक्का, जारी

सिसई कृषि फार्म की 25 एकड़ जमीन अतिक्रमण की चपेट में, घेराबंदी कार्य ठप

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सिसई प्रखंड मुख्यालय स्थित बीज बुनन प्रक्षेत्र (कृषि फार्म) की 25 एकड़ 62 डिसमिल जमीन पर घेराबंदी कार्य पिछले दो माह से अतिक्रमणकारियों के विरोध और प्रशासनिक उदासीनता के कारण बाधित है। आदिवासी जनकल्याण समिति रांची के सदस्यों ने बताया कि प्रशासन का सहयोग न मिलने के कारण वे बाध्य होकर 10-8 फीट जमीन छोड़कर घेराबंदी कर रहे हैं। इसके बावजूद कई जगहों पर स्थानीय निवासियों से विवाद के चलते कार्य रोकना पड़ा है।

अतिक्रमण और विवाद का प्रभाव

समिति के डायरेक्टर अशोक मांझी और सचिव मनोज कुमार ने बताया कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो 25 एकड़ भूमि में से केवल 18-20 एकड़ की ही घेराबंदी हो पाएगी, जिससे शेष जमीन सरकारी हाथों से निकलने का खतरा है।

काम रुकने के बाद बदमाशों ने पिलर तोड़कर तार की जाली चोरी कर ली। समिति ने कृषि फार्म का सीमांकन कराने के लिए जिला और अंचल प्रशासन से गुहार लगाई है। उपायुक्त से सीमांकन का आश्वासन मिला है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर संकट

समिति ने डायरेक्टर एग्रीकल्चर रांची से अनुमति लेकर सिसई कृषि फार्म की जमीन पर 3.56 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 25 एकड़ जमीन पर तालाब, पॉलीहाउस, ट्रेनिंग हॉल, पशुसेड, और सिंचाई सुविधाओं का निर्माण होना है। परियोजना का उद्देश्य 750 स्थानीय किसानों और पशुपालकों को आधुनिक कृषि, पशुपालन, जैविक खाद निर्माण और मत्स्य पालन की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाना है। कार्य शुरू होने के बाद अतिक्रमण और विवाद ने इस महत्वाकांक्षी योजना को अधर में लटका दिया है।

स्थानीय निवासी का दृष्टिकोण

कृषि फार्म के पूर्व सुरक्षा गार्ड, 70 वर्षीय मोहम्मद नसीम खान ने बताया कि यह फार्म पहले अत्यंत सक्रिय था।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू
(चौकीदारी नियुक्ति कोषांग)

सूचना

चौकीदारी नियुक्ति प्रक्रिया विज्ञापन सं0–01/2024 के शारीरिक दक्षता परीक्षाफल के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त दावा–आपत्ति के निराकरण के पश्चात् परीक्षाफल जिले के अधिकारिक वेबसाईट पर प्रकाशित किया गया है।

उपायुक्त,
पलामू

PR 342027 Palamu(24-25)#D

अभी मेरी बुकिंग है

हमें एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सी सी एल दरभंगा हाउस जाना था। हमने शाम चार बजे जाने के लिए कैब बुक किया क्योंकि हमें साढ़े पांच बजे तक सभागार में पहुंचना था। कैब हमारा समय से आ गया और हम पूरे परिवार के साथ उस कैब मे बैठ गए। हमारा कैब कांके रोड पहुंचा ही था कि कैब वाले का मोबाइल फोन बजा। कैब वाले ने नंबर देखकर उसे काट दिया। मोबाइल फोन फिर बजा। इस बार नंबर देखकर वह गुस्से से लाल -पीला होने लगा। फोन उठाने के पहले वह खुद में बड़बड़ाने लगा जब मन किया फोन कर दिए जैसे मैं खाली बैठा हूं। उसने फोन काट दिया। फोन फिर बजने लगा। उसने अनमने भाव से फोन उठाया, प्रणाम पापा! अभी तुम कहां पर हो? वो पापा! बूटी मोड़ में! इतनी दूर हो? कैब वाले की बात सुनकर मैं डर गई। मैंने कहा! मुझे सी सी एल जाना है। उसने धीरे से कहा हां! हम आपके डेस्टिनेशन के करीब हैं। मैंने मन ही मन सोचा पिता से झूठ! उसने पिता से बात जारी रखी-पापा आपको क्या काम है? पापा ने कहा बेटा मुझे तुमसे एक बहुत जरूरी काम है। बेटा -कहिए! पापा-बेटा मेरा एक मित्र मुझे एयरपोर्ट पर मिलने के लिए बुलाया है। हमने बचपन साथ बिताया है। वह मेरा जिगरी यार है। मिलवा दोगे? बेटा-पापा! आप दूसरे कैब की व्यवस्था करके चले जाइए! अभी मेरी बुकिंग है। पापा-बुकिंग कैंसिल नहीं हो सकती? बेटा-नहीं! पिता-उदास मन से! ठीक है रखता हूं फोन! बेटे ने फोन काट दिया। कैब वाले का मोबाइल फोन फिर बजा। पहले तो झल्लाहट से फोन उठाया। फिर शांत हो मुस्कुराने लगा। फोन उठाकर वह लगातार उससे हंस-हंस कर बातें करने लगा। मैं तुमसे मिलने आ रहा हूं मेरे यार! उधर से एक आवाज आई। अभी तुम कैब चला रहे हो और तुम्हारी बुकिंग होगी। मेरी छह बजे की ट्रेन है। तो क्या हुआ,हम जरूर मिलेंगे पांच मिनट के लिए सही! तू मेरा जिगरी यार है। सुनो! अभी मैंने बुकिंग कैंसिल कर दी है।

चारुमित्रा

जग हँसाई

पुष्पा पाण्डेय

क्या हुआ? इतनी उदास क्यों बैठी हो?
पत्नी को गुमसुम बैठे देखकर भगत ने पूछा।
ये बड़े लोग भी न.....
गरीबों की जैसे कोई इज्जत ही नहीं होती।
फिर कुछ कहा क्या तुम्हारी मेमसाहब ने?
किसी के सामने भी मुझपर बरस पड़ती है। उनके
तौर- तरीके मुझे क्या पता?
कहाँ चटनी रखनी है और कहाँ, पकौड़े?
लगता है मेमसाहब सबके सामने तेरी आरती उतारी है।
जानते हो, उसकी पड़ोसन बुधिया से कह रही थी कि रमिया
ठीक से काम नहीं करती है, तभी तो उसकी मेमसाहब रोज
उसको डाँटती रहती है। मेरी जग हसाई होती है।
अरे रमिया, यदि सोमारी को स्कूल नहीं भेजना होता तो मैं
कभी तुम्हें काम नहीं करने देता। पेट भरने के लिए मेरा
रिक्शा तो था ही। वो मेमसाहब पैसा भी तो ज्यादा देती है।

यात्रा वृत्त : वशिष्ठ मुनि की आश्रयस्थली

अगले दिन खूब सवेरे हमारी गाड़ी मनाली से महज 3 कि. मी. दूर वशिष्ठ गाँव के एक आवास के पास पार्क हो रही थी। उतरने से पूर्व ही देखा, घर के सामने के पेड़ पर छोटे-छोटे तीखे लाल फल लटक रहे थे। अरे! यह क्या है?...ओह! चेरी...चेरी है यह। सच में बेहद आह्लादकारी था यह भी। बाजारों की बंदिशों से बाहर पेड़ों के ऊपर...गोल, ताजी चेरी! व्यास नदी के किनारे स्थित वशिष्ठ गाँव में वशिष्ठ मुनि की साधना स्थली से मिलने की उत्सुकता चरम पर। किंवदंती है-अपने बाल्यकाल में किए गए अपराधों से त्रस्त होकर ऋषि श्रेष्ठ वशिष्ठ व्यास सरिता में आत्महत्या करने पहुँच गए। लेकिन नदी ने उनका बलिदान लेने से इंकार कर दिया। तब वे यहीं रह तप-जप करने लगे थे। हम जैसे-जैसे पैदल आगे बढ़ रहे थे, स्थानीय महिलाएँ अपने खरगोशों को लेकर सामने आ-जा रही थीं। खरगोश गोद में देने की जिद यहाँ भी। अधिकांश ने पट्टू धारण किया था। सर पर पीछे की ओर बाँधी गई रंगीन फूलदार चुनरी। अगल-बगल में दुकानों में आधुनिक स्थानीय कपड़े, खिलौने, श्रृंगार सामग्री, पूजा के सामान सजाए लोग बड़ी हसरत से ताक रहे थे। पूरे बाजार में जगह-जगह भोजनालय अभी सज ही रहा था। लो, अचानक से एक गदाधारी सामने कूद आया। लाल भभूका! पूरी देह पर लाल रंग पोते, मुँह में वानरोंवाला मुखौटा लगाए, लंबी नकली पूँछ और लँगोटधारी सिंकिया नौजवान किसी भी तरह से हनुमान जी के आकार-प्रकार से मेल नहीं खा रहा था। बजरंग बली किसी भी तरह से उस बीमार से बहुरूपिया नौजवान में फिट नहीं बैठ रहे थे। फिर भी वह उछल-कूद मचाए हुए था। पीछा छुड़ाकर हम बढ़े आगे, वह दुकानों की ओर। यहाँ लोगों ने बहुरूपिया कला को अब तक जीवित रखा है।

अनिता रश्मि

मोड़ मुड़ते ही बाईं तरफ लकड़ी से निर्मित एक अति प्राचीन मंदिर का द्वार...हाँ, महान मुनि वशिष्ठ के आश्रम के बाहर खड़े थे हम। अंदर जाते ही दाहिनी तरफ एक छोटी सी जगह में गंधकयुक्त जल से स्नान करते लोग दिखलाई पड़े। हम और आगे बढ़े। आँगन के पार सामने एक पथरीले बरामदे पर विदेशी साधु पद्मासन में बैठा था, ध्यान में लीन। हमारे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कायल अब भी अनेक देश हैं। छत भी पतली सलेटी पथरीली टाइल्स की बनी थी। हमारे बीच का कोलाहल उन तक नहीं पहुँच रहा था। वे इन सबसे बेखबर। एक मुस्कान तिर आई हम सबके होठों पर। फिर दाहिनी ओर बने देवालय के पास जा पहुँचे। एक 'पुजारिन' आरती की थाल के पास आलथी-पालथी मारे बैठी थी। भीतर अँधेरी सी कोठरी में आराध्य। उसने हाथों में प्रसाद थमाया और अपनी भाषा में कुछ कहा। समझ पाना बहुत मुश्किल था।

दुकानों, खेतों से लेकर हर तरफ पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति...अनेक राज्यों में मातृसत्तात्मक शक्ति का एहसास होता रहा है। यहाँ भी देखकर अच्छा लगा। आनन्द गंधकयुक्त जल से पवित्र स्नान करने के लिए वहीं रुक गया हमें बताकर कि सामने ही राम मंदिर है। हम सभी वहाँ जाएँ। वह थोड़ी देर में मिलता है। यह गाँव सल्फर के सोते के लिए मशहूर है। कहते है, लक्ष्मण ने इसी भूमि में तीर चलाकर गर्म जल के सोते को उत्पन्न किया था। राम मंदिर की सीढ़ियों पर एक गोल-मटोल बच्चा पानी का नलका खोल सीधे

मुँह लगाकर पानी पीते हुए दिखा। पाँवों की धमक भी उसका ध्यान भंग नहीं कर सकी। नलके से खेलता रहा। यह प्रसिद्ध देवालय राम, लक्ष्मण, सीता की कहानी कह रहा था। वहाँ कभी राम-लक्ष्मण भी आए थे। खुले परिसर की बाईं ओर बने देव स्थान में तीनों की आकर्षक मूर्तियाँ बिराजमान हैं। वहीं लगे बोर्ड में इतिहास दर्ज है। जिन पौराणिक पात्रों को हम ग्रंथों के पन्नों में कैद पाते रहे थे, वे यहाँ जीवंत हो उठे थे। 'यूँ ही नहीं कहते हिमाचल प्रदेश को देवभूमि!' कई युगों और युग पुरुषों की साधना स्थली मन में आस्था जगा रही थी।

मनाली के पर्यटन स्थल अपने सौंदर्य से आकृष्ट करने के साथ-साथ ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग आदि का भरपूर आनंद भी दिलवाते हैं। बेटी ने एक जगह रस्सी के सहारे उलटे लटककर विपाशा नदी पार की। यह वास्तव में आवागमन का एक सुलभ साधन है। हहराती, लपकती नदी के ऊपर से एक-दूसरी जगह जाने का आसान उपाय। अभी भी मनाली के अनेक किशोर, बच्चे यूँ ही नदी पार कर रहे थे। कालांतर में व्यापार का साधन बन गया। यहाँ पर इसका आन्नद लेने पर्यटकों की टोली टूटी पड़ रही थी। मनाली के स्थानीय किशोर-युवा पर्यटकों को भी रस्सी से उलटे लटककर व्यास को नापने के इंतजाम में व्यस्त दिखे। विपाशा के हर तट पर लोगों का हुजूम रस्सियों के सहारे झूल रहा था।

मनाली में कई जगह स्नोबोर्डिंग और स्लेजिंग की उत्तम व्यवस्था है। बेहद नयनाभिराम दृश्य। हर जगह सेबों के बागीचे में कच्चे-खट्टे सेब वृक्षों पर लद्दुओं से लटक, अवर्चनीय आन्नद की सृष्टि करते हैं। हम शामें मनाली माल रोड के नाम भी लिख चुके थे। एक तरफ सघन व्यापारिक केंद्र...वस्त्रों की दुकानें। तिब्बती गर्म कपड़े बिक रहे थे। दुकानों में बौद्ध धर्म के अनुयायी दुकानदार भी। हमने उपहार देने के लिए अनेक शॉलें, कढ़ाईदार गर्म सूट पीस लिये। बौद्ध भिक्षुक हर स्थान पर घूमते दिखलाई पड़े। पार्क में फव्वारों से नहला देते जल की सुखद फुहार ने तन के साथ मन को भी भिगो डाला। किसी नृत्य की तैयारी में व्यस्त पीले परिधान पहने, ढोलक और वहाँ के वाद्य यंत्र हाथों में थामे नर्तकों की टोली नजर आई। हम हर शाम दूर तक पैदल ही निकल जाते। मनाली का माल रोड शिमला के माल रोड की तरह भव्य तो नहीं लगा लेकिन वहाँ शाम बिताना सुखदायी था।

गँवार

रंजना वर्मा उन्मुक्त

छवि बिस्तर पर लेटी लेटी सोच रही थी कि अब अम्मा का भजन चालू होगा और पूजा की घंटी बजेगी, और वह उन पर नींद तोड़ने का इल्जाम लगाते हुए चीखेगी। पर ऐसा कुछ नहीं हुआ ना तो पूजा की घंटी बजी और न ही उनका भजन और न ही उनकी चहल कदमी की आहट। वह थोड़ी सी चिंतित हुई। 'अरे...उसे तो आज जल्दी कॉलेज जाना था...उफ, अम्मा ...मैंने तुम्हें जल्दी उठाने को कहा था ना ...तुम्हें कोई बात याद ही नहीं रहती।' वह अम्मा पर गुस्सा हो होती हुई, बिस्तर छोड़ कर उठ खड़ी हुई । अम्मा की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। वह उन्हें खोजती हुई रसोई घर में पहुंच गई ।अम्मा का कहीं अता पता ना था। रोज अभी तक तो वह टहल कर भी आ जाती थी।नहा धोकर उनका पूजा-पाठ भी खत्म हो जाता था। एक तरफ पिताजी के लिए चाय चढ़ा कर, वह उसे उठाती रहती थी। वह गुस्सा होकर उन पर चीखती, पर उन पर कोई असर नहीं होता। जब तक वह उठ नहीं जाती, अम्मा उसे उठाती रहती। वह और उसके पिता उसे गँवार समझते थे। उनकी हर गतिविधि पर दोनों उनका मजाक उड़ाते। पिताजी तो उन्हें बात-बात पर जाहिल गँवार ही बोलते थे। उन दोनों की बातें सुनकर भी वह उनकी सेवा में लगी रहती थी ।आखिर अम्मा कहाँ जा सकती है छवि सोच रही थी। उन्हें फोन करती हूँ ...उसने सोचा। उसने फोन लगाया, अम्मा का मोबाइल ड्राइंग रूम में पड़ा मुँह चिढ़ा रहा था। 'मोबाइल लेकर क्यों नहीं जाती...अम्मा।'... वह गुस्से से बोली। तभी उसे ध्यान आया। चार दिन पहले ही तो भाई ने अम्मा के लिए नया मोबाइल भेजा था। अम्मा को मोबाइल इस्तेमाल करना नहीं आता था। वह कितनी बार उसके पास आई थी।...जरा मोबाइल चलाना सिखा दो।...वह उससे बोलती। वह हर बार उन्हें झिड़क देती थी।...अभी नहीं, बाद में...अभी मुझे बहुत काम है। अभी वह पछता रही थी। काश मोबाइल चलाना सिखा दिया होता तो, वह अपना मोबाइल लेकर गई होती। अरे, तुम्हारी अम्मा किधर है? अभी तक मुझे बेड टी नहीं मिली।... उसके पिताजी उसे देखकर बोले। अम्मा घर पर नहीं है।...वह बोली। कहां चली गई? पिताजी बोले। अब दोनों अम्मा के लिए चिंतित हो गए। अच्छा,तुम मेरे लिए चाय बनाओ। मैं देखता हूं वह किधर गई है।... पिताजी बोले। छवि किचेन में खड़ी चाय बना रही थी। वह सोच रही थी, वह और उसके पिता कभी भी अम्मा से ठीक से बात नहीं करते। पिताजी तो उन्हें हमेशा ही गँवार कहा करते थे ।अम्मा घर को कितना अच्छा से सजाकर रखती हैं। किचन भी कितना साफ सुथरा और सब कुछ करीने से सजा हुआ है।वह गँवार कैसे हुई? वह सोच रही थी बस अम्मा आ जाए, वह उनका खूब ख्याल रखेगी। सबसे पहले उन्हें मोबाइल चलाना सिखायेगी। तभी बाहर ऑटो रिक्शा रुकने की आवाज आई। वह दौड़कर बाहर आई। देखा...अम्मा ऑटो से उतर रही हैं। कहां चली गईं थीं, आप अम्मा?...वह दौड़ कर अम्मा के गले लगते हुए पूछा। अरे, मालती की मम्मी बेहोश होकर गिर गई थी। उन्हे ही लेकर हॉस्पिटल गई थी।...वह बोली। फोन कर सकती थी ना।...पिता जी बोले। मुझे नंबर याद नहीं था। ...वह बोली। गँवार कहीं की।... पिताजी प्यार से बोलो। तीनों हँस पड़े।

दर्द की सुरंग

क्या हुआ हुगली नदी बहन..?
'बहुत उदास हो आज'
लगता है तुम्हारे किनारों के ऊँचे,
कंक्रीट के जंगलों की घुटन और

डॉ सुरिंदर कौर नीलम

कोलकाता शहर की
आपाधापी का शोर
कुछ ज्यादा बढ़ गया
है,भेद रहा है कुछ
अधिक तुम्हारे सीने
को.... क्या आज
बड़े-बड़े जहाजों और
नावों के साथ खेलना तुम्हें नहीं भा
रहा? बताओ! मैं क्या कर सकता हूं
तुम्हारे लिए..?
क्या कहूं हावड़ा पुल भैया!
तुम तो आजतक जी जान से मेरी
सुरक्षा कर ही रहे हो। मेरे ऊपर से
पार होने वाली जनता का सारा बोझ
तो तुम्हारे ही कंधों पर है। स्नेह और
परवाह इतनी कि तुमने तो मेरे ऊपर
पाँव भी नहीं जमाए।
और यह शोर...! इसकी तो मैं वर्षों
से आदी हूं। तो फिर ये उदासी..?
मैं चिंतित हूं विकास की अंधी दौड़
से... इस पानी के बुलबुले मानव
को, मेरी आहें भी बुलबुले - सी
लगती हैं। मेरे पर्वत साथी तो धीरे-
धीरे बारूदी धमाकों से धाराशाई कर
दिए गए हैं। मेरी रक्षा में खड़े हरे -
भरे वनों को भी विकास की आँधी
ने उजाड़ दिया,अब इनकी
विकासशील नजरों से मेरा गर्भ भी न
बच सका।आज चीर कर मेरी छाती
टनल के बीच से विजय पताका,
मेट्रो रेल दौड़ा दी है। ईश्वर रक्षा करें
मेरी अन्य नदी बहनों की
और सृष्टि की...
मेरे भीतर ये पीड़ा है, विनाश की
ओर अग्रसर मानव की।

गड्ढे में गिरने का सुख

बचपन में मैं सुना करता था जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, उसमें वही पहले गिरता है, पर इस मुहावरे का अर्थ समझने का अवसर मुझे अब मिला है। हुआ यूँ कि हमारे आका उर्फ दद्दू जी पके आम की तरह गड्ढे में गिर गए। गड्ढे का यह सौभाग्य था कि दद्दू उसी में गिरे। गड्ढे को अपना मूल्य समझ में आया। वैसे भी आका जी उर्फ दद्दू को पैंट-शर्ट पहन कर यह कहते सुना था कि रोज सुबह चार कदम गड्ढे की ओर चले। गड्ढा भी यह बात रोज सुनता था तथा ईश्वर से प्रार्थना करता था कि चार कदम के बजाय 'एक ही कदम में' व्यक्ति मेरी गोद में आ जाय। मैंने जब दद्दू को डंकल अंकल की गोद में गिरते देखा तो लगा कि वाकई गड्ढा भी कोई चीज है जिसका हमारे देश में उल्लेख होना चाहिए तथा हर स्तर पर इस पर सेमिनार, चर्चा, गोश्ठियाँ व कार्यशालाएं वगैरह आयोजित होनी चाहिए। पर मैंने सोचा कि इससे पहले कि इस बहुमूल्य धरोहर 'गड्ढे' पर कोई कुछ कहे या करे, क्यों न मैं इस पर शोध कर लूँ। काहे कि शोध करना आजकल सर्वसुविधा सम्पन्न धंधा है इससे कुछ मिले या न मिले डिग्री तो मिल जायेगी और अगर कोई समझदार प्रकाशक फँस गया तो पुस्तक भी मिल जायेगी। सो मैंने कम्प्युटरी स्टाईल में शोध प्रबंध इकट्ठा कर लिया क्योंकि मुझे दुनिया के सभी प्रकार के सरकारी या गैर सरकारी विषयों पर शोध करने का पुराना अनुभव है। इस शोध प्रबंध का शीर्षक है 'गड्ढा सम्पन्न' भारत की पुनः खोज। मेरे शोध ग्रंथ के हिसाब से गड्ढा किसी भी राष्ट्र के प्रगति का प्रतीक है और गड्ढे में गिरने के लिए चार कदम की कोई जरूरत नहीं है एक कदम ही काफी है। अगर कोई राजनीति से पीड़ित हो तो उनके लिए उनकी अपनी जमीन ही गड्ढे का काम करती है। गड्ढा वास्तव में मानव जाति के उत्पत्ति के साथ उपजा हुआ एक सदाबहार देशप्रेमी ममतामयी गोद है, जिसमें किसी न किसी को कभी न कभी गिरना पड़ता है। पहले जमाने में लोगों को इसमें गिराया जाता था पर आजकल गड्ढे में गिरने का फैशन है। ऐसे ही एक महान हस्ती है जो गड्ढे में गिरने के बेहद शौकिन है उन्होंने अपने घर के अंदर एक आलीशान गड्ढा बना रखा है, जिसमें वे रोज दो बार गिरते हैं। मैंने एक बार उनसे पूछा कि आप खुद गड्ढे में क्यों गिरते हैं, दूसरों को भी मौका दीजिए।

ललन शर्मा

तो वह बोले- शर्मा जी आपके दिमाग में आयातित गोबर भर गया है। ऐसा कैसा हो सकता है कि गड्ढा इतनी मेहनत से मैं खोदूँ, पाल-पोस कर इसको हरा-भरा मैं रखूँ और उसमें गिरने का आनंद कोई और ले। लगे हाथ उन्होंने मुझे सलाह दे डाली कि मैं भी एकाध गड्ढा अपने लिए और अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए भी दो चार गड्ढे सुरक्षित करवा लें। उनकी बातों से मुझे महसूस हुआ कि गड्ढे में गिरे बगैर व्यक्ति महान नहीं कहला सकता है। मेरे शोध से ज्ञात हुआ कि गड्ढा अगर सूखा हो तो उसमें गिरने का मजा नहीं आता। यदि गड्ढा दल दल से बना हो तो मजा दुगुना हो जाता है क्योंकि दल दल में गिरा हुआ आदमी जब बाहर आता है तो उसमें कई रंग भरे होते हैं। रंग यानी हरा, पीला, लाल, तिरंगा, केसरिया आदि। और तो और समाज में उसका रूतबा भी बढ़ जाता है, सुरक्षा व्यवस्था से अलग से। एक बार मेरे मित्र ने कहा 'यार' गड्ढे पर कुछ लिख रहे हो तो मेरे घर के सामने की सड़क पर एक खूबसूरत गड्ढा है उसका भी जिक्र कर देना। मैंने उसे समझाते हुए कहा- देखो मैं छोटे-मोटे गड्ढों के बारे में तभी लिखूँगा जब मुझे लगने लगेगा कि गड्ढे और सड़क के बीच समाजवाद है यानी सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। इसका भेद समाप्त हो जाय। कुल मिला कर मेरे शोध का निष्कर्ष यही है कि गड्ढे और आदमी में आत्मिक संबंध है।

सिम्मी नाथ
रांची, स्वरचित, अप्रकाशित।

कैसे भूलूँ...

मेरी न भूलने की आदत
ने,
पहले जो करती
शिकायत,
माँ प्यार से समझाती
जाने दो,
भूल जाओ, हां तुम
सही थी ,
मैं सुबकती पर भूलती
नहीं।
उसने आसानी से
कहा,
बुरा सपना समझकर
तुम,
मुझे भूल जाओ, मैं
बोल न पाई ,
तेरी ये कला मुझे नहीं
आती ,
मुझे तेरी हर बात बड़ी
सताती।
ये न भूलने वाली लत
के साथ ,
उम्र के सोपान चढ़ती
गई ,
उम्र के इस पड़ाव पर
भी,
भूलती नहीं जब कुछ ,
चुभने लगता है तब ..
भीतर कुछ,
कहते हैं बच्चे भूलो न
यार मम्मी ....
मेरी न भूलने की आदत
ने ....
परेशान कर रखा
है....कैसे भूलूँ ....

प्रीत का राग

एक बासंती बयार का झोंका तनुश्री को नहला गया। चारों दिशाएँ मानो अमलतास के चटक पीले फूलों की रौशनी से दमकने लगीं। अमलतास के फूलों से लदी पीली-पीली झुकती-गिरती लताओं के बीच से झांकता तनुज का चेहरा वह देखने लगी मानो सेहरे की ओट से देख रही हो। उसका शरीर टेसू के लाल-नारंगी फूलों सा दहकने लगा। उसके कानों ने असंख्य कलियों के चटकने का स्वर सुना। कोकिल-स्वर घंटियों सा कानों में बजने लगा। ऐसा भी कोई बसंत उसके जीवन में आयेगा उसने कल्पना भी नहीं की थी। बस सुना भर था कि मन की वीणा पर जब कोई प्रीत का राग छेड़ देता है, तब चारों दिशायें गुनगुनाने लगती हैं, फूल खिल उठते हैं। मन मयूर नाचने लगता है। तनुश्री के शुष्क, वीरान, सर्द, जीवन में बसंत ने दस्तक दे दी। तनुज ने केवल एक वाक्य कहा था, मेरी माँ मुझसे बहुत प्यार करती हैं और मैं तुमसे ...

सुधा गोयल 'नवीन'

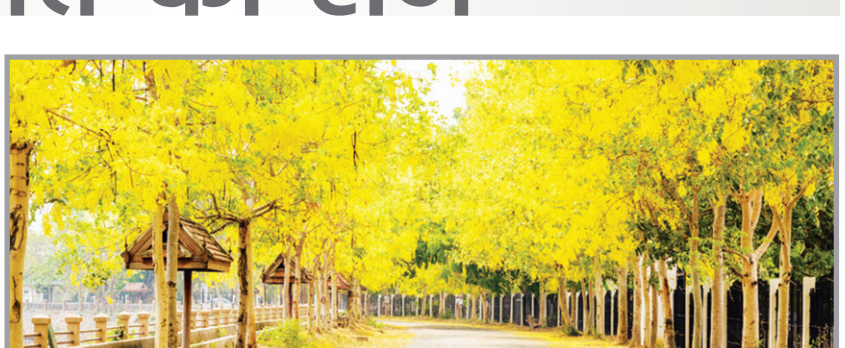

तनुज से तनुश्री की पहली मुलाकात एम.बी. ए.की पढ़ाई के दौरान हॉस्टल में हुई थी। तनुज को तेज बुखार आया था। तीन दिन पलंग से उठ नही सका, न खाया न पिया। किसी भी साथी ने सुध न ली। तीसरे दिन किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में तनुश्री उसे खोजती हुई उसके हॉस्टल आई थी। तनुज को आधी बेहोशी की अवस्था में देखकर सहसा उसकी आँखों में आँसू आ गए। बॉयज हॉस्टल में वह किसी को नहीं जानती थी। किसी को खबर करने या बुलाने में समय बर्बाद करना उसे उचित न लगा। उसकी चेतना व विवेक ने डिस्पेंसरी का रास्ता पकड़ने को उकसाया। वह भाग रही थी। मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना भी करती जा रही थी कि डॉक्टर को लेकर उसके पहुंचने से पहले कोई अनहोनी नहीं होनी चाहिए। फिर उसने सब कुछ भूलकर तनुज की सेवा में रात-दिन एक कर दिया।

वह भूल गई कि वह एक लड़की है..... कि किसी लडके के कमरे में रात बिताना हॉस्टल के नियमों के विरुद्ध है..... कि उसकी पढाई का नुकसान हो रहा है..... और सबसे बड़ी बात थी तनुज का रूखा व्यवहार।

डॉक्टर से दवाई लाना, खाना लाना-खिलाना, तनुज के बाकी सारे काम करना उसकी दिनचर्या बन गए। आठ दिन की तीमारदारी के बाद जब तनुज थोड़ा चलने फिरने लायक हो गया तब उसके नोट्स भी तैयार किये उसने। उसके ठीक हो जाने के बाद धन्यवाद की भी आशा किए बिना वह चुपचाप वहाँ से चली गई।

उसके बाद शुरू हुआ दोस्तों और सखियों का दोनों के नाम जोड़-जोड़कर चिढ़ाना मजाक करना। हँसते बतियाते दो साल चुटकी में बीत गए। तनुज ने बहुत चाहा कि तनुश्री का ख्याल उसके दिमाग से निकल जाए। तनुश्री के साथ अपनी दोस्ती को वह किसी रिश्ते का नाम नहीं देना चाहता था। वह अपनी माँ के सपनों से भी वाकिफ था। लेकिन जब भी वह अपनी जीवन-संगिनी के सपने देखता या अपनी माँ के लिए परफेक्ट बहु की तस्वीर देखना चाहता तो उसे केवल और केवल तनुश्री का चेहरा नजर आता।

वे करीब और करीब होते गए। आदतें मिलने लगी, रुचियाँ भी एक सी थीं।

फिर एक दिन रेड-चिली रेस्टॉरेंट के एकांत कमरे में....तनुज और तनुश्री दोनों ने एक दूसरे को देखा और मुस्कुरा दिए।

आज तुमने मुझे मोटी नाक और ऊँचे दाँत वाली कहकर नहीं चिढ़ाया.... नाटी और चेचक के दाग वाली भी नही कहा... तनुज क्या तुम्हारी माँ हमारे रिश्ते को स्वीकार कर लेंगी। तुम्हीं ने बताया था कि वे बहुत सुन्दर हैं और तुम बिल्कुल अपनी माँ पर गए हो।

तनुज ने केवल एक वाक्य कहा, मेरी माँ मुझसे बहुत प्यार करती हैं और मैं तुमसे....

मन के आईने से देखा तो शक्ल दिखाई नहीं देती, तुझमें खूबियाँ हैं इतनी कि तू दिखाई नहीं देती।। दुनिया कीं नजरों में तनुश्री कुरूप थी परन्तु प्रकृति की सारी सुंदरता ओढ़ कर बसंत ऋतु किसी के भी जीवन में आ जाती है। तनुज और तनुश्री बासंती रंग में रंग चुके थे।

कोकिल-स्वर घंटियों सा कानों में बजने लगा। ऐसा भी कोई बसंत उसके जीवन में आयेगा उसने कल्पना भी नहीं की थी। बस सुना भर था कि मन की वीणा पर जब कोई प्रीत का राग छेड़ देता है, तब चारों दिशायें गुनगुनाने लगती हैं।

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

आज का दोहा

चले कहाँ से थे, अभी, कहाँ आ गये आज।
लोग मौत को ढूंढते, चुप क्यों नया समाज।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

काव्य कोना

अथक प्रयास

क्षण पल घड़ी प्रहर नापने चला
आगे बढ़कर कालचक्र बाँधने चला।
गतिमान चलायमान आगे
ही आगे चला
फिर कैसे कहाँ बाँधने चला।
सागर के धारे में नैय्या
लहराने चला
लहराते-बहराते लहरों को
लाँघने चला
सागर की अंगड़ाईयों में लहरों
ने करवट ली
बस एक हल्का सा थपेड़ा, और
फिर थपेड़ों पर थपेड़ा
बस आगे बढ़ थपेड़ों को साधने चला।
क्षण पल घड़ी प्रहर नापने चला
आगे बढ़कर कालचक्र बाँधने चला।
नाग मणि

तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो...

एक और शहर की चर्चित पार्टी... लिपे पुते चेहरे,सिगरेट ,शराब की मिश्रित गंध, वदीधारी बैरे ट्रे लिए इधर उधर घूमते। श्रेया भी सबकी तरह महंगी साड़ी और जेवरातों से लदी फदी सबका अभिवादन करती, जबरन मुस्कराती एक शानदार जिंदादिल मेजबान की भूमिका बखूबी निभा रही थी।एक और नयी फैक्ट्री खुलने के उपलक्ष्य में पार्टी थी। श्रेया के पति रणवीर की खुशियाँ उसके जाम की ही तरह चेहरे से छलक रही थी। उसी सुरूर में उसने श्रेया को आवाज देकर अपने एक मेहमान से मिलने के लिए बुलाया जिसे देखकर वह आश्चर्यमिश्रित खुशी से अचानक चिहुंक उठी अरे नीरज तुम....। सामने वाले की भी कुछ वही मनःस्थिति थी...

रश्मि सिंह

श्रेया मतलब श्रेया श्रीवास्तव हमारे शहर की महादेवी वर्मा... वो सलवार कमीज और पौनिटेल वाली फैशन से दूर भागने वाली श्रेया आज इस रूप में दिखेगी सोचा नहीं था....

श्रेया को देखकर नीरज ने कहा। 'चलो अब सोच लो', कहकर जोरदार ठहाका लगाया श्रेया ने,जो स्वयं उसे बेहद खोखला लगा। शहर के नामचीन उद्योगपति की पत्नी ,जो उसी रसूख की वजह से जाने कितनी सामाजिक संस्थाओं की मनोनीत अध्यक्ष थी।रोज कहीं न कहीं की रिबन काटती उसकी तस्वीर अखबारों में दिखती ही रहती। पर क्या यह वो श्रेया थी? ना बिलकुल नहीं। वो तो दर असल उसी दिन मर चुकी थी जिस दिन रणवीर ने उसे साफ साफ कह दिया कि ये सब फितुर घर में करके मन बहला लो, मैं मना नहीं करता पर याद रहे, तुम्हारा नाम मेरे साथ जुड़ा है। जो उसकी साधना थी उसके लिए फितुर संबोधन उसे अंदर तक लहुलुहान कर गया।वो दिन और आज का दिन उसकी डायरी और कलम तभी बाहर निकलते जब रणवीर शहर से बाहर होते, फिर वापस उसकी निजी आलमारी में। जो कभी उसका एकमात्र सपना था,सदा के लिए संदूकची में बंद हो चुका था।

गहरी सांस ले नीरज से नजरें चुराती चेहरे पर मुस्कान की गहरी परत चढ़ाकर फिर उस महफि ल में शामिल हो गयी जिसके लिए वो बनी ही न थी। गीत गजलों की महफिल शबाब पर थी। कोई गा रहा था...तुम इतना जो मुस्करा रहे हो...

-संयोजन : नरेश अग्रवाल

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सती अनुसूइया मेला शुरू, श्रद्धा और आस्था का संगम

एजेंसी। गोपेश्वर(हि.स.)

चमोली जिले के मंडल घाटी में आयोजित होने वाला दो दिवसीय सती शिरोमणि माता अनुसूइया मेला शनिवार को विधि विधान और पूजा-पाठ के साथ शुरू हो गया। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने इस मेले का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर क्षेत्र की देवी डोलियां सती मां अनसूया के दरवार पहुंची और श्रद्धालुओं ने श्रद्धा पूर्वक पूजा-अर्चना की। हर साल की तरह इस वर्ष भी संतान सुख की कामना लेकर निसंतान दंपत्ति और अन्य भक्तजन यहां पहुंचे हैं। मां अनसूया के दरबार में उनके मन की इच्छा पूरी होने की विश्वास के साथ लोग यहां पूजा अर्चना करते हैं। माना जाता है कि मां के दर से कोई भक्त खाली हाथ नहीं लौटता और उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

मंदिर में हर साल मेला पूजा आयोजित होती है

मेले के दौरान जिला प्रशासन ने पूरे पैदल मार्ग पर सुरक्षा के साथ अन्य आवश्यक इंतजाम किए हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां अनसूया के तप से त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश शिशु रूप में परिवर्तित हो गए थे, जिन्हें बाद में पुनः उनके असली रूप में वापस भेजा गया था। यही से त्रिरूप दत्तात्रेय भगवान का जन्म हुआ और उनकी जयंती पर इस मंदिर में हर साल मेला और पूजा आयोजित होती है। इस अवसर पर सभी भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की और मां से अपनी मनोकामना की पूर्ति की प्रार्थना की।

दो हत्याकांड मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र अंतर्गत हुए हत्याकांड मामले में पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिले के लोदीपुर थाना अंतर्गत नीरज कुमार मेहता हत्याकांड मामले के मुख्य अभियुक्त रितेश कुमार मेहता को गिरफ्तार किया गया है। जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत निरंजन यादव हत्या मामले में एक अभियुक्त धर्मवीर मंडल को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी शनिवार को सिटी एसपी डॉ के रामदास ने दी।

लखनऊ के 1090 चौराहों पर 'अटल रन महोत्सव' का किया गया आयोजन

लखनऊ (आईएएनएस)। लखनऊ में अटल रन महोत्सव का आयोजन हुआ। यहां के 1090 चौराहों पर आयोजित इस खेल महोत्सव में तमाम छात्रों ने भाग लिया। स्टार महिला धावक एवं ओलंपियन सुधा सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। उन्होंने आईएएनएस को बताया, बहुत अच्छे से अटल रन का आयोजन हो रहा है। इससे पहले अयोध्या में 'रन फॉर राम' भी आयोजित हुआ था। हम चाहते हैं कि छोटे-छोटे जगहों से बाहर निकलकर बच्चे इसमें भाग लें। ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने वाले एथलीट एशियन गेम्स तक आएं और ओलंपिक से भी मेडल लेकर आएं।

सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान प्रेरणा का स्रोत है : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी। लखनऊ (आईएएनएस)

सिख धर्म के नवम गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी का 350वां वर्ष पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले इस आयोजन का शुभारंभ 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के विशेष अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास से होगा, जिसका प्रदेश के सभी गुरुद्वारों में सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। इसका समापन अगले वर्ष भव्य समारोह के साथ होगा। शनिवार को एक विशेष बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और धर्म की स्थापना के लिए सिख गुरुओं का बलिदान अनुकरणीय है, इसलिए सिख गुरुओं के त्योहारों को पूरे प्रदेश में परंपरागत तौर पर उल्लास के साथ मनाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आगामी

● उत्तर प्रदेश में वीर बाल दिवस पर होगा विशेष समारोह का आयोजन

सत्र से सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान की अमर गाथा को स्कूली पाठ्यक्रमों का हिस्सा बनाया जाएगा। यही नहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुरु तेग बहादुर के जीवनवृत्त पर आधारित पुस्तक भी तैयार की जाएगी। इस विशेष अवसर पर 11,000 सहज पाठ का महायज्ञ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि पूरे प्रदेश में वीर बाल दिवस का विशेष समारोह मनाया जाएगा। गुरु ग्रंथ साहब का पाठ हो, इस कार्यक्रम में सभी ग्रंथियों को भी आमंत्रित किया जाए। सभी जिलों के सभी गुरुद्वारों में होने वाले इस आयोजन में सांसद, महापौर, विधायक, विधान परिषद सदस्य समेत जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सभी सिख गुरु हमारे प्रेरणास्रोत हैं। इनकी जीवनी और बलिदान को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाएं। इनसे जुड़े विषयों पर कविता, निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाएं। इसके अलावा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाए।

गाजियाबाद में झुग्गियों में लगी भीषण आग कई सिलेंडर ब्लास्ट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में कनावनी पुलिया के पास झुग्गियों में शनिवार को भीषण आग लग गई। इसके बाद वहां एक के बाद एक कई सिलेंडर ब्लास्ट हुए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी रहीं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई भी जानकारी नहीं मिली है। मिली जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के ग्राम कनावनी में बसी अवैध झुग्गियों में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है पहले यह आग एक झुग्गी में लगी और उसके बाद धीरे-धीरे यह सभी झुग्गियों में तेजी से फैलने लगी। आसपास में रह रहे झुग्गियों के लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। फायर विभाग के अधिकारी और स्थानीय पुलिस बल मौके पर मौजूद है और आसपास के लोगों से उस जगह को खाली करा लिया गया है।

फडणवीस मंत्रिमंडल का विस्तार आज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल का विस्तार रविवार को होगा। नागपुर के राजभवन में शाम चार बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होने की संभावना है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 21, शिवसेना के 12 और राकांपा के 10 विधायकों को मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। संभावित मंत्रियों को फडणवीस फोन कर इसकी जानकारी दे सकते हैं। महाराष्ट्र में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को भारी बहुमत मिलने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने पांच दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ शिवसेना के एकनाथ शिंदे और राकांपा के अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

'बीमा सखी योजना' से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर : पीएम मोदी

एजेंसी। पानीपत (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते 10 वर्षों में नारी सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कार्य किया गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा के पानीपत में 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ किया। यह योजना महिलाओं को एलआईसी एजेंट बनने के अवसर प्रदान करके सशक्त बना रही है। योजना के तहत कई महिलाएं अब एलआईसी कार्यालयों में पंजीकरण करा रही हैं, जिससे उन्हें आत्मविश्वास मिल रहा है।

पानीपत में 'बीमा सखी योजना' के तहत पंजीकरण कराने आई एक महिला ने कहा, मैं बीमा सखी

हर महीने मिलेंगे सात हजार रुपये

योजना के तहत एलआईसी में एजेंट बनने के लिए आई हूं। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई यह योजना महिलाओं के लिए एक बेहतरीन पहल है। यह उन महिलाओं के लिए एक शानदार अवसर प्रदान करती है। इस योजना के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता 10वीं कक्षा है। ज्योति ने बताया कि मैं हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में गई थी। वहां उन्होंने बीमा सखी योजना के बारे में बताया था। मुझे लगता है कि इस योजना का लाभ हम लोगों को मिलेगा। मैं कई महिलाओं को इस योजना के बारे में बता रही हूं। जो गृहिणी हैं उन्हें यह योजना लेनी चाहिए। इस योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी।

लोकसभा में संविधान पर चर्चा में बोले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

भाजपा आज द्रोणाचार्य की तरह काट रही है युवाओं का अंगूठा

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

लोकसभा में शनिवार को संविधान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी राय रखी। राहुल गांधी ने संविधान के निर्माण में महात्मा गांधी, डॉ भीमराव अंबेडकर, पंडित नेहरू जैसे नेताओं के योगदान की बात की। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान में दिखने वाले ये विचार कहीं न कहीं भारतीय संस्कृति और प्राचीन विरासत से प्रेरित हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारा संविधान बिना हमारी प्राचीन विरासत के नहीं बन सकता था। यह विचार भगवान शिव, गुरु नानक, भगवान बासवन्ना और कबीर जैसे महान संतों से आए हैं। राहुल गांधी ने सावरकर की आलोचना करते हुए कहा कि सावरकर ने अपने लेखों में यह स्पष्ट रूप से लिखा था कि हमारे संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है। लड़ाई मनुस्मृति और संविधान के बीच की है।

राहुल गांधी ने कहा, अब सवाल यह है कि हम सावरकर की बात को मानते हैं, या फिर संविधान को। जब आप संविधान की तारीफ करते हैं, तो आप सावरकर के विचारों का विरोध करते हैं। आरएसएस ने मनुस्मृति को संविधान से बेहतर बताया था और सावरकर ने भी मनुस्मृति को संविधान से ऊपर बताया था। नेता प्रतिपक्ष ने यह

● सावरकर की आलोचना करते हुए कहा, लड़ाई मनुस्मृति और संविधान के बीच की है

● युवाओं की मेहनत और संघर्ष को दरकिनार करते हुए उनका हक छीना जा रहा है

तर्क भी दिया कि जिन लोगों की आप पूजा करते हैं, उन्होंने ही कहा था कि संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान में हमें बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्श स्पष्ट रूप से दिखते हैं। इसके बाद उन्होंने हिंदुस्तान के पुराने वक्त और समाज व्यवस्था की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि जैसे पहले हिंदुस्तान को चलाने का तरीका था, वैसे ही आज भी कुछ लोग उसी तरह से देश को चलाना चाहते हैं।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब मैं जब छोटा था तब दिल्ली में एम्स के पास ही जंगल था। वैसे ही जंगल में हजारों साल पहले एक बच्चा सुबह उठकर तपस्या करता था। हर रोज सुबह वो धनुष उठाकर तीर कमान चलाता था और घंटे उसने तपस्या की और वर्षों तक तपस्या की। उसका नाम एकलव्य था। जब वह द्रोणाचार्य के पास पहुंचा, तो गुरु द्रोणाचार्य ने उसे सिखाने से मना कर दिया कि आप सवर्ण जाति से नहीं हैं, तो मैं आपको नहीं सिखा सकता। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा काटा, वैसे ही आज भाजपा हिंदुस्तान के युवाओं का अंगूठा काट रही है। राहुल गांधी ने युवा पीढ़ी को लेकर कहा कि युवाओं की मेहनत और संघर्ष को दरकिनार करते हुए पेपर लीक, लेटरल एंट्री और अग्निवीर जैसी योजनाओं के जरिए उनके हक को छीना जा रहा है। युवाओं की मेहनत को खत्म करने के लिए पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही हैं और अग्निवीर योजना लाकर उनके हक पर कुठाराघात किया जा रहा है। संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा गया है कि किसी वर्ग या समूह का एकाधिकार होना चाहिए, न ही इसमें यह कहा गया है कि देश के युवाओं का अंगूठा काटना चाहिए।

रविशंकर और अनुराग ने किया राहुल के वक्तव्य पर कटाक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को राहुल गांधी के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने की गौरवगाथा पर दिए गए बयानों पर कटाक्ष किया। ठाकुर ने कहा कि उन्हें यह नहीं पता संविधान में कितने पन्ने हैं । वहीं, रविशंकर ने राहुल के तपस्या का अर्थ बताए जाने को हास्यास्पद बताया। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी के वक्तव्य के बाद लोकसभा में कहा कि यह संविधान की ताकत ही थी, जिसने इंदिरा गांधी को आपातकाल खत्म करने पर मजबूर कर दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा, ये अंगूठा काटने की बात करते हैं इनके राज में (कांग्रेस के शासन) सिखों के गले काटे गए। वहीं, रविशंकर प्रसाद ने भी राहुल गांधी पर कई तरह से कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि राहुल कहते हैं कि 6-7 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। तपस्या से गर्मी आती है। वे उनसे कहना चाहते हैं कि तपस्या जैसे पवित्र शब्द को क्यों बदनाम रहे हैं। रविशंकर ने राहुल से कहा कि उन्हें अंडमान सेल्युलर जेल का दौरा करना चाहिए। जहां वीर सावरकर को यातना दी गई थी। विपक्ष के नेता को अपना ट्यूटर बदलने की जरूरत है। प्रसाद ने कहा कि विपक्षी सांसद सरदार पटेल के बारे में कभी चर्चा नहीं करते। वे अफजल गुरु के मानवाधिकारों की मांग करते हैं, लेकिन शहीदों की पत्नियों के बारे में कभी नहीं बोलते। हम इन शहीदों के परिजनों का समर्थन करेंगे। रविशंकर प्रसाद ने आपातकाल की यातनाओं को याद किया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राजेंद्र प्रसाद, नेहरू और अन्य द्वारा हस्ताक्षरित संविधान की मूल प्रति साझा की। इसमें भगवान राम, सीता, कृष्ण, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई की तस्वीरें थीं।

हमारे शब्दों व कार्यों से वैश्विक मंच पर भारत की छवि खराब नहीं हो :

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को लोकसभा में कहा कि हमारे शब्दों और कार्यों से वैश्विक मंचों पर भारत की छवि खराब नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने सभी को समान मताधिकार दिया है, लेकिन कुछ लोग (विपक्ष) दावा करते हैं कि देश में अल्पसंख्यकों को कोई अधिकार नहीं है।

संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर आज दूसरे दिन चर्चा की शुरुआत करते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि भारत अल्पसंख्यकों को न केवल कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि उनके हितों की रक्षा के लिए सकारात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान करता है। उन्होंने सेंटर फॉर पॉलिसी एनालिसिस के सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि 48 प्रतिशत लोग, जिनमें से अधिकांश इस्लाम धर्म का पालन करते हैं, यूरोपीय संघ में भेदभाव का सामना कर रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि लगातार सरकारों ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी यही किया है, मैं उसकी भूमिका को कम नहीं आंक रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं, बल्कि सबसे खूबसूरत संविधान है। इसमें सभी के लिए प्रावधान हैं। इस संविधान को लेकर हम गौरव महसूस करते हैं।

आज का राशिफल

मेष : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग।

वृष : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी।

कर्क : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है।

सिंह : खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें।

कन्या : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

तुला : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

वृश्चिक : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

धनु : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

मकर : परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

मीन : आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' देश की जरूरत : चिराग पासवान

एजेंसी। पटना (आईएएनएस)

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को देश की जरूरत बताते हुए कहा कि इसकी चाहत हमलोगों की लंबे समय से थी। उन्होंने विपक्ष के विरोध करने पर कहा कि विपक्ष को हर एक फैसले से ऐतराज है। शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे नेता और मेरे पिता रामविलास पासवान की भी यही सोच रही थी कि देश में एक साथ चुनाव हो। उन्होंने कहा, अभी हम लोगों ने देखा कुछ महीने पहले ही लोकसभा के चुनाव संपन्न हुए, उसके ठीक बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर के चुनाव में लोग व्यस्त हुए। उसके बाद झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव हुए। इसके बाद दिल्ली और उसके बाद बिहार और फिर असम का चुनाव है। हर दूसरे और तीसरे महीने देश के किसी न किसी राज्य में चुनाव होते हैं। यह न सिर्फ आर्थिक बोझ देश के ऊपर डालने का काम करते हैं, बल्कि जिस तरीके से मशीनरी के डिप्लॉयमेंट को लेकर एक व्यवस्था तैयार करने की जरूरत पड़ती है, उसमें भी समय बहुत ज्यादा बर्बाद होता है।

उत्तर प्रदेश के संभल में कई वर्षों से बंद मंदिर खोला गया

शिवलिंग और देवी-देवताओं की मूर्तियां मिलीं

एजेंसी। संभल (आईएएनएस)

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला दीपा सराय से सटे खग्गू सराय में कई साल से बंद पड़े एक पुराने शिव मंदिर को प्रशासन ने शनिवार को खुलवाया। इस मंदिर में भगवान की मूर्तियां विराजमान हैं। इसके अलावा, यहां एक प्राचीन कुंआ भी मिला है।

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जब मंदिर के दरवाजे खोले गए, तो लोगों ने देखा कि अंदर धूल जम चुकी है। ऐसे में पुलिसकर्मियों ने खुद ही हाथों से शिवलिंग और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां साफ की। मंदिर खोले जाने का वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह बिजली और अतिक्रमण की रेड के दौरान इस मंदिर की जानकारी हुई। यह मंदिर काफी दिनों से बंद पड़ा था। उसे खुलवाया गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर का दरवाजा खोलने पर अंदर हनुमान जी की प्रतिमा और शिवलिंग भी मिला।

नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि हम खग्गू सराय इलाके में रहते थे। हमारा एक घर पास में (खग्गू सराय इलाके में) है। 1978 के बाद हमने घर बेच दिया और जगह

एक प्राचीन कुंआ भी मिला है

खाली कर दी। यह भगवान शिव का मंदिर है। हमने यह इलाका छोड़ दिया और हम इस मंदिर की देखभाल नहीं कर पाए। इस जगह पर कोई पुजारी नहीं रहता। उन्होंने बताया कि 15-20 परिवार इस इलाके को छोड़ कर चले गए। हमने मंदिर को बंद कर दिया था, क्योंकि पुजारी यहां नहीं रह सकते थे। पुजारी ने यहां रहने की हिम्मत नहीं की। अब, सालों बाद शनिवार को मंदिर को खोल दिया गया है। विष्णु सरन ने बताया कि पहले इस मंदिर में भजन-कीर्तन हुआ करते थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिरीष चंद्र ने बताया कि यहां मंदिर परिसर के बाहर एक कुआं है। वह कुआं खुदाई करने पर मिला। कई चीजें और भी देखी जा रही है। संभल की एसडीएम वंदना मिश्रा ने बताया कि हम विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चला रहे थे और जगह-जगह जाकर चेक कर रहे थे, तो इस स्थान पर भी पहुंचे। यहां पर एक मंदिर दिखाई दिया। इसके बाद मैंने जिलाधिकारी से इस मंदिर को खोलने की अनुमति ली और अब हम सभी लोग इस मंदिर का निरीक्षण करने के लिए यहां आए हैं। मंदिर के अंदर हनुमान जी की मूर्ति और शिवलिंग पाए गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मंदिर 1978 से बना हुआ है।

केजरीवाल ने कानून व्यवस्था को लेकर लिखी अमित शाह को चिट्ठी

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अमित शाह से मिलने का समय मांगा है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है। इसके बावजूद दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने पत्र में बताया है कि भारत के 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में नंबर वन पर है। हत्या के मामलों में दिल्ली नंबर वन पर है। दिल्ली में जबरन वसूली वाले गैंग सक्रिय हैं और खुलेआम फिरौती का कारोबार चला रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में आगे लिखा है कि दिल्ली के हवाई अड्डों और स्कूलों को ईमेल और फोन

● 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने केंद्रीय गृहमंत्री से मांगा मिलने का मांगा समय

कॉल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिल रहीं हैं। ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 350 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में इस बात का भी जिक्र किया कि मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है।

एग्रीकल्चर कॉलेज की खेलकूद प्रतियोगिता में राकेश कुमार महतो और स्वीटी कुमारी बनीं चैंपियन

रांची। रांची कृषि महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में लड़कों के वर्ग में राकेश कुमार महतो तथा लड़कियों के वर्ग में स्वीटी कुमारी ने चैम्पियन का खिताब जीता।शनिवार को संपन्न हुई दोदिवसीय प्रतियोगिता में एक सौ मीटर की दौड़ स्पर्धा में बालकों के वर्ग में राकेश कुमार महतो प्रथम, आकाश कुजूर द्वितीय तथा ऋषि महतो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बालिकाओं के वर्ग में पंजिका बाला कुमारी प्रथम, मान्यता शरण द्वितीय तथा विनीता मुर्मू तृतीय स्थान पर रहीं। शॉट पुट में लड़कों के वर्ग में अभिषेक कुमार तथा लड़कियों में रीना कौशर प्रथम घोषित की गईं। भाला फेंक प्रतियोगिता में लड़कों के वर्ग में मनीष कुजूर प्रथम तथा लड़कियों में प्रीति कुमारी मुर्मू प्रथम रहीं। कुलसचिव डॉ नरेंद्र कुदादा ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किया और कहा कि कड़ी मेहनत करके वे रांची जिला, झारखंड प्रांत और देश में खेलकूद के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाएं। खेलकूद के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जरूरी सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी। जीवन में आगे बढ़ाने के लिए सतत कठिन परिश्रम और अनुशासन को मूल मंत्र मानें।

साई मोरहाबादी ब्लू ने 30 रनों से जीता टूर्नामेंट

रांची। सरला देवी बिड़ला अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट नेहरू ग्राउंड में साई मोरहाबादी ब्लू बनाम त्रिशूल क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। साई मोरहाबादी ब्लू ने 30 ओवर में एक विकेट खोकर 174 रन बनाया। राजवीर ने 60, तेजस ने 53 रन बनाये। वहीं वीर ने एक विकेट लेकर 22 रन दिया। त्रिशूल क्रिकेट अकादमी ने 28.4 ओवर में 10 विकेट पर 144 रन बनाया। वीर ने 30 व जय ने 14 रन बनाया। तेजस ने छह विकेट लेकर 21 रन दिया। जबकि तेजस ने छह विकेट लेकर 21 दिया। ईशान ने एक विकेट लेकर 11 रन दिया। साई मोरहाबादी ब्लू 30 रनों से विजयी रही।

क्या गाबा टेस्ट के दूसरे दिन भी बारिश बन सकती है बाधा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) का तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने गाबा टेस्ट में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। हालांकि, शनिवार को मैच के पहले दिन ज्यादातर समय बारिश होती रही। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का ही खोल सका। दूसरा और तीसरा सेशन तो पूरी तरह बारिश में धुल गया। बारिश ने सबसे पहले छठे ओवर में अड़ंगा लगाया और फिर जब दोबारा खलला डाला तो लंच ब्रेक की जल्द घोषणा कर दी गई। उसके बाद बारिश विलेन बन गई और खिलाड़ी मैदान पर ही नहीं उतर पाए। वहीं, गाबा टेस्ट के दूसरे दिने भी बारिश की संभावना है लेकिन पहले दिन की तुलना में कम होगी। एक्यूवेदर के मुताबिक, रविवार यानी 15 दिसंबर को ब्रिस्बेन में स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे) बारिश की उम्मीद है। हालांकि, दिन के बाकी समय के लिए पूर्वानुमान बेहतर है। स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे) तक खेल के आखिरी पांच घंटों में बारिश की संभावना 51 प्रतिशत से घटकर 47, 36 और फिर 20 तक है। लेकिन सुबह की बारिश के बाद पूरे दिन बादल छाए रहने की उम्मीद है।

वहीं, बीसीसीआई ने पहले दिन स्टंप्स होने पर अपडेट दिया कि अगर बारिश रविवार को विलेन नहीं बनी तो 98 ओवर का खेल हो सकता है। खेल 30 मिनट पहले शुरू होगा ताकि पहले दिन के नुकसान की कुछ भरपाई हो सके। स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 28/0 था। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 47 गेंद में 19 और नाथ मैकस्वीनी 33 गेंद में चार रन बनाकर नाबाद हैं। वैसे, कप्तान रोहित शर्मा खुश होंगे कि ऑस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ज्यादा रन नहीं बना सकी। दोनों बल्लेबाजों ने अधिकांश गेंदें ने छोड़ना ही मुनासिब समझा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट पहले दिन का खेल बारिश में धुला

आखिरी 2 सेशन में एक भी बॉल नहीं फेंकी गई

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश के कारण रद्द हो गया है। शनिवार को ब्रिस्बेन में रुक-रुककर बारिश होती रही। दिन के आखिरी दो सेशन में एक भी बॉल नहीं डाली जा सकी। बारिश शुरू होने पहले ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए थे। नाथन मैक्स्वीनी और उस्मान ख्वाजा नाबाद लौटे थे। द गाबा स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। रविवार को दूसरे दिन का खेल आधे घंटे पहले सुबह 5:20 बजे शुरू होगा। 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला मैच भारत ने 295 रन और दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था।

भारी बारिश के बीच राहुल-कोहली का ब्रोमांस, डगआउट में साथ में खाना खाने की तस्वीर हुई वायरल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया। फैंस को पहले दिन के खेल का लंबे समय से इंतजार था लेकिन बारिश ने मजा किरकिरा कर दिया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले सेशन में 13.2 ओवर के बाद भारी बारिश की वजह से मैच रोकना पड़ा, जिसके बाद खेल शुरू नहीं हो सका। ब्रेक के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

देवघर प्रीडेटर्स व रॉयल चैलेंजर्स के बीच फाइनल मैच आज

रांची । प्रो. सीताराम शर्मा मेमोरियल ट्रॉफी फैक्ल्टी क्रिकेट लीग, 13वां संस्करण का बीआईटी मेसरा में देवघर प्रीडेटर्स रविवार को रॉयल चैलेंजर्स पॉलीस्ट्राइकर्स के खिलाफ फाइनल खेलेगा। शनिवार को मैच 13 रॉयल एडमिन बनाम देवघर प्रीडेटर्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर देवघर ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। रॉयल एडमिन ने 12 ओवर में विकेट पर 51 रन बनाया। गौतम ने 19, नंदलाल ने 11 रन बनाए व देवघर की ओर से अमित ने 2 विकेट लिए। जवाब में देवघर प्रीडेटर्स ने 7 ओवर में बिना विकेट खोए 52 रन बनाये. रामकिशोर ने 22, आशुतोष ने 22 रन बनाये. देवघर 10 विकेट से विजयी रहा. मैन ऑफ द मैच अमित रहे। मैच 14 मैकेनिकल बनाम ईबीएस के बीच खेला गया। टॉस जीतकर ईबीएस ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 12 ओवर में आठ विकेट पर 71 रन बनाया। सोलंकी ने 13, एमएसडी के लिए मुकेश ने 2 विकेट लिए, जवाब में एमएसडी ने 11.5 ओवर में दो विकेट पर 72 रन बनाए, ईबीएस कार्तिक के लिए रवि ने 37 नाबाद 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए। एमएसडी ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच रवि रहे। मैच 15 सीएसके बनाम डीपी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सीएसके ने 12 ओवर में नौ विकेट पर 80 रन बनाया। श्रीधर ने 27, रजनीश ने 18, डीपी के लिए रामकिशोर और अमित ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में देवघर ने चार विकेट पर 75 रन बनाये, सीएसके की ओर से बिनय और मुस्तफी तथा जीतेन्द्र ने 1-1 विकेट लिया. सीएसके 5 रन से जीती। मैन ऑफ द मैच कप्तान श्रीधर रहे। बेहतर नेट रन रेट के कारण सीएसके फाइनल में पहुंची देवघर।

टीयूएसवी प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल में ताइक्वांडो खिलाड़ी हुए सम्मानित

रांची। पिछले 4 और 5 दिसम्बर को झारखंड स्टेट ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन एमबी स्कूल बुंडू में एमबी ताइक्वांडो अकादमी और झारखंड यूनाइटेड ताइक्वांडो मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के बैनर तले दो दिवसीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमे टीयूएसवी प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल ओरमांझी के काजल कुमारी, निशा कुमारी, स्वाति बेदिया, नंदनी कुमारी, कहकासा आफरीन, कोमल कुमारी, करिश्मा कुमारी, मुस्कान परवीन, रिंकी कुमारी, रिया कुमारी,नगमा नसरीन, आकांक्षा लोहरा, रेखा कुमारी, सिवानी कुमारी, सोनिका कुमारी, सिवानी कुमारी ने 4 गोल्ड , 8 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज मेडल्स हासिल की थीं। यह चैंपियनशिप झारखंड यूनाइटेड ताइक्वांडो मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के सचिव सकील अंसारी, प्रेसिडेंट एमडी जमील अंसारी और ताइक्वांडो कोच शहनवाज अंसारी के देखा रेख में संपन्न हुआ था। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय एयरटेल फाउंडेशन के मोहम्मद तनवीर हसन खान (अकादमिक मेंटार) थे। विशेष अतिथि के रूप में स्कूल के प्रिंसिपल सपना कुमारी, एमडी इबरार कुरैशी, आरिफ, ज्योति कुमारी, प्रिया, रानी, रश्मि सिन्हा, एमडी आरिफ हसन थे।

आदिवासी महिला समूह बनी मातृशक्ति फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन 5 की विजेता

नवनी मेल संवाददाता । रांची

शनिवार को को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी, रांची में मातृ शक्ति फुटबॉल टूर्नामेंट के पांचवें सीजन का फाइनल मैच सम्पन्न हुआ जिसमें बेड़ो की आदिवासी महिला समूह ने घुंसुली की ज्योति महिला क्लब को 1-0 से पराजित किया। वहीं तीसरे स्थान के लिए तुमना की महिला फुटबॉल क्लब टीम ने हटिया की सूर्योदय महिला टीम को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से पराजित किया। मदर ऑफ द सीरीज घुंसुली टीम की लिलोनी सांगा को मिला।गोलकीपर ऑफ द सीरीज आदिवासी महिला समूह की संगीता कुमारी को मिला। माताओं के लिए कैनरा बैंक की ओर से स्वास्थ्य किट भी दिया गया जिसमे उनके स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए सामग्रियां थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक संदीप कुमार, खेलकूद एवं युवा मामला निदेशालय, झारखंड मौजूद थे और उन्होंने इस टूर्नामेंट को एक अनोखा टूर्नामेंट बताते हुए इसे और भी जिलों तक ले जाने का आह्वाहन किया। महिला सशक्तिकरण का एक बेहतर तरीका बताते हुए उन्होंने माताओं को जेएसएलपीएस जैसी संस्था के कार्यक्रमों से जोड़ने को कहा ताकि उनके जीवनव्यापन का भी इंतेजाम हो सके। अतिथि के रूप में मौजूद झारखंड उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष श्री स्वर्ण शेखर प्रसाद ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बड़े स्तर पर ले जाने के लिए जोर दिया। 24 समुदायों से संबंधित 32 टीमें बनाने वाली कुल 480 माताएं इस वर्ष टूर्नामेंट में भाग लिया था। प्रतिज्ञा झारखंड आधारित युवा संगठन है, जो शिक्षा, बच्चों की सुरक्षा, युवा विकास और महिला सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर झारखंड के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में काम करती है। वर्ष 2018 में, प्रतिज्ञा ने मातृ शक्ति फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरूआत की थी, जिसमें शहरी बस्तियों तथा गांव की माताएं स्पोर्ट्स फॉर डेवलपमेंट पहल के तहत फुटबॉल खेलती हैं। टूर्नामेंट का उद्देश्य न केवल समुदाय की महिलाओं को फुटबॉल मैच खेलने के लिए आगे लाना था, बल्कि उन्हें सामाजिक मुद्दों के बारे में आवश्यक जानकारी देना भी था ताकि वे अपने परिवारों और समुदायों में अपना नेतृत्व स्थापित करने के लिए ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकें।

दांगी सीए की टीम ने 30 रन से जीता टूर्नामेंट

रांची। लिटिल विंग्स स्कूल 'बी' क्रिकेट टूर्नामेंट गोलचक्कर मैदान में दांगी सीए बनाम जूनियर मंथन के बीच खेला गया। डांगी सीए टीम ने 34.1 ओवर में 10 विकेट पर 183 रन बनाया। दीपेश ने 63, रूद्र ने 28, पवन ने 18 रन बनाया। विकास, सौरभ और सनी ने 1-1 विकेट लिया। जूनियर मंथन क्लब ने 30 ओवर में 10 विकेट पर 153 रन बनाया। शिवम ने 43, बाबू आलम ने 28, रोनित ने 23 व रोशन ने 22 रन बनाया। दांगी सीए की टीम ने 30 रन से टूर्नामेंट जीता।

टेंडर हार्ट स्कूल ने 174 रन से जीत दर्ज की

रांची। वेंचर स्किल अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में शाखा ग्राउंड में डीएवी कपिलदेव बनाम टेंडर हार्ट स्कूल के बीच खेला गया। टेंडर हार्ट स्कूल ने 33.3 ओवर पर 10 विकेट पर 267 रन बनाया। सुख ने 58, नयन ने 41, आयुष ने 29, कृष्णा ने 25 रन बनाया। डीएवी कपिलपदेव ने 20 ओवर में 10 विकेट खोकर 93 रन बनाया। सक्षम ने सर्वाधिक 41 रन बनाया। टेंडर हार्ट स्कूल ने 174 रन से जीत दर्ज की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का है अनुमान

सोने की कीमत 2025 में रह सकती है स्थिर

एजेंसी । नई दिल्ली

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, वर्ष 2025 में गतिशील वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच सोने के लिए संभावनाओं और चुनौतियों का मिश्रण देखने को मिल सकता है। इसी के साथ पीली धातु की कीमतों में वृद्धि की संभावना भी देखी जा रही है। केंद्रीय बैंक की कार्यवाहियां, भू-राजनीतिक तनावों और विकसित हो रही उपभोक्ता और निवेशक मांग जैसे कारक सोने के प्रदर्शन के लिए अहम माने जा रहे हैं। नए वर्ष के साथ सोने की कीमत स्थिर रह सकती है या कीमतों में मामूली वृद्धि भी दर्ज की जा सकती है। सोने की कीमतों के स्थिर रहने को लेकर वैश्विक जीडीपी, बांड प्रतिफल और मुद्रास्फीति जैसे प्रमुख आर्थिक घटकों का संकेत मिल रहा है, लेकिन जोखिम अभी भी बने हुए हैं। सोने की कीमतों के वर्तमान परिदृश्य को देखें तो मौजूदा कमजोरी एमसीएक्स में 76,000-78,000 की संभावित ट्रेडिंग रेंज का संकेत देती है। इसके साथ बाजार में जारी अस्थिरता के बीच अल्पकालिक दृष्टिकोण सतर्क बना हुआ है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट, जतिन त्रिवेदी ने कहा, अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से मिले-जुले संकेतों के बाद मुनाफा वसूली तेज होने से सोने में भारी बिकवाली देखी गई। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) डाटा कम रहा, लेकिन साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में बढ़ोतरी के कारण कॉमेक्स पर सोने की कीमतें 2,710 डॉलर से गिरकर 2,670 डॉलर पर आ गईं। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा, एमसीएक्स गोल्ड 79,000 से गिरकर 77,450 पर आ गया, जो कल से 1,500 से अधिक की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राज्य अमेरिका सोने की गति में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है।

मामूली वृद्धि के भी मिल रहे संकेत

सोने के प्रदर्शन के लिए भारत और चीन, जो कि सोने के दो सबसे बड़े बाजार हैं, महत्वपूर्ण बने रहेंगे। चीन में आर्थिक विकास और सरकारी प्रोत्साहन उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं, भारत 6.5 प्रतिशत से अधिक आर्थिक विकास के साथ एक मजबूत स्थिति में है, जो उपभोक्ता मांग का समर्थन करता है। इसके अलावा, देश में वित्तीय सोने के निवेश प्रोडक्ट लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं, जो बाजार में लचीलापन जोड़ने में मददगार बन रहा है। वर्ष 2025 में सोने के वर्ष 2024 के अंत की रेंज के भीतर ट्रेड करने की संभावना है। वहीं, केंद्रीय बैंक की खरीदारी महत्वपूर्ण बनी रहेगी, जो नए साल में सोने के लिए एक स्थिर आधार प्रदान करेगी।

अटल पेंशन योजना के ग्राहकों की संख्या बढ़कर हुई 7.15 करोड़

नई दिल्ली (हि.स.)। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत नामांकित कुल ग्राहकों की संख्या 7.15 करोड़ हो गई है। केंद्र सरकार की यह योजना ग्राहक को आजीवन पेंशन की गारंटी देती है। इसके ग्राहक की मृत्यु की स्थिति में इसका लाभ उसके जीवनसाथी को भी दिया जाता है। इस योजना की शुरुआत 9 मई, 2015 को की गई थी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 2 दिसंबर, 2024 तक 7.15 करोड़ ग्राहक इसके तहत नामांकित हो चुके हैं। अटल पेंशन योजना सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ, अपने लाभार्थियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित करते हुए गारंटीकृत पेंशन लाभ के साथ सुरक्षित सेवानिवृत्ति प्रदान करता है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई), देश के नागरिकों के लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है। अटल पेंशन योजना का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को पेंशन की सुरक्षा मुहैया करना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में

एजेंसी । मुंबई

इक्विटी बाजार पर सकारात्मक रुख बरकरार

मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ (एमओपीडब्ल्यू) की शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक गति में सुधार होने की उम्मीद है, जो चुनावों के बाद सरकारी पूंजीगत व्यय में उछाल, ग्रामीण खपत में सुधार और त्योहारी सीजन की मांग जैसे कारकों की वजह से संभव हो पाया है। अल्फा स्ट्रैटेजिस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास स्थिर बना हुआ है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है, जिसमें उम्मीद से कम अस्थिरता और स्थिर विकास है। बेंचमार्क इंडेक्स में 10-12 प्रतिशत के सुधारात्मक चरण के बाद इक्विटी बाजार अब कंसोलिडेशन फेज में हैं। रिपोर्ट में बताया गया है, हालिया बाजार सुधार के साथ, लार्ज-कैप वैल्यूएशन अट्रैक्टिव बने हुए हैं। निवेशक हाइब्रिड, लार्ज और फ्लेक्सी-कैप फंडों के लिए एकमुश्त स्ट्रैटेजी अपना सकते हैं, जबकि चुनिंदा मिड-कैप और स्मॉल-कैप रणनीतियों के लिए तीन महीने में चरणबद्ध दृष्टिकोण अपना सकते हैं। 38 कारोबारी सत्रों के बाद एफआईआई ने 9,947 करोड़ रुपये का निवेश कर शुद्ध खरीदार का रुख अपनाया। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में बनी हुई है और धीरे-धीरे विकास के पटरी पर लौटने के संकेत दिख रहे हैं। इसलिए, हम दीर्घावधि के नजरिए से इक्विटी बाजारों पर सकारात्मक बने हुए हैं। इसने निवेशकों को संतुलित और लचीली रणनीति अपनाकर सावधानी से आगे बढ़ने की सलाह दी है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के सुधारों को ध्यान में रखते हुए, यदि इक्विटी अलोकेशन वांछित स्तरों से कम है, तो निवेशक हाइब्रिड, लार्ज और फ्लेक्सीकैप रणनीतियों के लिए एकमुश्त निवेश स्ट्रैटेजी लागू कर सकते हैं और सार्थक सुधार की स्थिति में तुरंत डेप्लॉयमेंट के साथ चुनिंदा मिड और स्मॉल-कैप रणनीतियों के लिए 3 से 6 महीने की अवधि लागू करके आवंटन बढ़ा सकते हैं।

ईडी ने भूषण स्टील की 4025 करोड़ की संपत्ति जेएसडब्ल्यू को लौटाई

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद पूर्ववर्ती भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को लौटा दी है। जेएसडब्ल्यू स्टील कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालिया कंपनी की परिसंपत्तियों के लिए सफल समाधान आवेदक थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद पूर्ववर्ती भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड कंपनी की 4,025 करोड़ की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को वापस कर दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा-5 के तहत संपत्तियों को अनंतिम रूप से जब्त किया था, क्योंकि पूर्ववर्ती प्रमोटरों ने बैंकों को धोखा दिया था और निजी निवेश के लिए बैंक के फंड का गबन किया था। ईडी ने कहा कि 4,025 करोड़ की संपत्ति की वापसी पीएमएलए की धारा 8(8) (मुकदमा लंबित रहने तक वापसी) के तहत की गई है।

रियलमी 14एक्स को मिला है आईपी69 सर्टिफिकेशन

नई दिल्ली । स्मार्टफोन खरीदते समय ग्राहक हमेशा उनकी मजबूती को प्राथमिकता देते हैं। जैसे-जैसे फोन अधिक एडवांस और महंगे हो रहे हैं, उनके रोजाना के इस्तेमाल, गिरने और पर्यावरणीय असर को झेल पाने की क्षमता बेहद जरूरी हो गई है। पिछले दस सालों में फोन की सुरक्षा के स्तर में बड़ा सुधार हुआ है। अब फोन पानी में खराब नहीं होते, उनकी बॉडी मजबूत होती है, बैटरी और स्क्रीन टिकाऊ होती हैं। पहले ये सुविधाए सिर्फ महंगे फोन में मिलती थीं, लेकिन अब ये बजट स्मार्टफोन में भी आने लगी हैं।

प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियां 24 दिसंबर को लेंगी सुरक्षा प्रतिज्ञा

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑनलाइन खरीदारों के लिए उत्पाद सुरक्षा बढ़ाने की पहल के तहत प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियां 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर सुरक्षा प्रतिज्ञा लेंगी। इसका उद्देश्य डिजिटल मार्केट प्लेस (बाजार) पर असुरक्षित और नकली उत्पादों की बिक्री का पता लगाना और रोकना है। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एजियो, जिओमार्ट, नेटमेड, बिग बास्केट, टाटा क्लिक, टाटा 1एमजी, जोमैटो और ओला 24 दिसंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर सुरक्षा प्रतिज्ञा लेंगे। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उपभोक्ता मामले के विभाग ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए सुरक्षा प्रतिज्ञा की घोषणा की है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के घोषित स्वैच्छिक प्रतिबद्धता का उद्देश्य डिजिटल मार्केटप्लेस (बाजार) पर असुरक्षित और नकली उत्पादों की बिक्री का पता लगाना और रोकना है।

हिंदपीढ़ी के फिरोज अली ने की थी कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी

सूचना देने वाले को मिलेगा 10 हजार इनाम, सीएम ने लिया संज्ञान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपर बाजार स्थित कन्या पाठशाला स्कूल के बाहर छात्राओं के साथ छेड़खानी मामले में रांची पुलिस एक्टिव हो गई है। छात्राओं के साथ छेड़खानी करने वाले वाले व्यक्ति की पुलिस ने पहचान कर ली है। जिसका नाम फिरोज अली है, वह हिंदपीढ़ी के नाला रोड के गली नंबर आठ का रहने वाला है। पुलिस को फिरोज अली के बारे में जो सूचना देगा, उसे दस हजार रूपया इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

छात्राओं के साथ छेड़खानी मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया है। सीएम ने रांची पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सूचित करने का आदेश दिया है। सीएम के आदेश के बाद पुलिस के अधिकारी शनिवार को मौके पर जांच करने पहुंचे। गौरतलब है कि बीते दिनों से रांची के कन्या पाठशाला स्कूल के बाहर मनचले बच्चियों के साथ छेड़खानी कर रहे हैं। मनचले सुबह सात बजे से सन्नाटा गली का फायदा उठाकर उनके साथ गलत हरकत करने की भी कोशिश करते हैं। इस डर से बच्चियों ने स्कूल आना बंद कर दिया है। इस मामले को लेकर स्कूल के शिक्षक थाना भी गये थे। पर कोई कारवाई नहीं की गयी। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गयी है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक बदमाश लड़कियों के साथ कैसे बदसलूकी कर रहा है। मनचलों ने छात्राओं को कहा है कि हम रोज आयेंगे। जिससे लड़कियां स्कूल आने से डर रही है।

बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं : संजय सेठ

प्रशासन बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची राजधानी के एक स्कूल की छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना की कड़ी शब्दों में निंदा की है श्री सेठ ने कहा मनचलो में पुलिस का खौफ खत्म हो गया है प्रशासन कब जागेगी। राजधानी के लिए इससे शर्मनाक और घृणित कुछ और नहीं हो सकता। यह पूरी व्यवस्था के लिए चुनौती है। रांची में पूरे झारखंड की बेटियां भी पढ़ाई और रोजगार के लिए आती हैं। आज इनकी सुरक्षा को लेकर हर अभिभावक चिंतित हैं। रांची पुलिस इन क्षेत्रों की गश्त और बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। प्रशासन स्कूल कॉलेज के पास पुलिस ग्रस्त तेज हो। गश्ती पुलिस सिर्फ चौक चौराहा पर खड़ा होकर अपनी ड्यूटी पूरी न करें। प्रशासन सिर्फ बैठकर खाना पूर्ति करने में लगे हैं और बेटियां राह चलते शर्मसार होती है कहां है शक्ति कमांडो सब हवा हवाई अधिकारियों के निर्देश का भी पालन नहीं हो पा रहा है यह कैसी व्यवस्था। राजधानी में ऐसी हरकत करने वाले की 24 घंटे में गिरफ्तारी के साथ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झारखंड पुलिस ऐसे सभी क्षेत्रों को चिन्हित कर, बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करें।

छात्रा के साथ हुई छेड़खानी का पैरेंट्स एसो. ने किया विरोध

सुरक्षा को लेकर सभी अभिभावक चिंतित व परेशान

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष अजय राय एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने राजधानी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक स्कूली की छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना की कड़ी शब्दों में निंदा की है। वहीं पुलिस प्रशासन से ऐसे मनचलों को अभिलंब गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि राजधानी में शर्मनाक एवं घृणित कार्य तेजी से बढ़ रहा है। रांची मे झारखंड के अलावा अन्य राज्यों से भी छात्राएं पढ़ाई करने आती है। अपराधकर्मियों का पुलिस का खौफ बिल्कुल खत्म हो गया है। राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। तथा अपने बेटियों की सुरक्षा को लेकर सभी अभिभावक चिंतित एवं परेशान हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस उन सभी क्षेत्रों को चिन्हित कर सभी क्षेत्रों में पुलिस की गश्त तेज करते हुए छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। तथा राजधानी में ऐसी हरकत करने वालो को अति शीघ्र गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिलाओं और नाबालिग बच्चियों को हो कानून की समझ : तनुश्री सरकार

काजल मेहता

रांची। राजधानी रांची में बीते दिन स्कूली छात्रा के साथ एक व्यक्ति ने छेड़छाड़ की थी जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कई टीवी चैनलों ने भी इस खबर को प्रमुखता के साथ दिखाया। वीडियो की चर्चा सिर्फ झारखंड राज्य में ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रही है। फिलहाल इस मामले को लेकर राजनीतिक भी तेज हो गई है। हालांकि उस व्यक्ति की पहचान कर ली गई।

ऐसे मुद्दों पर नाबालिगों और महिलाओं को अपने अधिकार और कानून की जानकारी नहीं होने के कारण वह आवाज नहीं उठा पाती है। अधिवक्ता तनुश्री सरकार ने ऐसे मामलों की जानकारी दी। वहीं महिलाओं व नाबालिग बच्चियों के हक, अधिकार और कानून के बारे में भी बताया। वायरल वीडियो पर भी उन्होंने कई तर्क दिए। उन्होंने कहा कि इस तरह का वीडियो यदि किसी को मिलती है तो वह वायरल करने की बजाय उसे पुलिस को सौंप दें। ताकि जिसके साथ छेड़छाड़ हुई है उस बच्ची की तस्वीर सामने ना आ सके।

अधिवक्ता तनुश्री ने कहा, इन कानूनों की जानकारी आवश्यक है

- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 :** लैंगिक न्याय की दिशा में समान नागरिक संहिता।
- **आपराधिक कानून और महिलाएं :** व्यभिचार, बलात्कार, शील भंग, घरेलू हिंसा और नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म।

महिला कल्याण एवं संरक्षण अधिनियम

- पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 (लिंग चयन पर रोक)
- महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम 1986
- कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, अधिनियम 2013
- घरेलू कामगार कल्याण व सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2010
- अनैतिक व्यापार अधिनियम, 1987
- पारिवारिक न्यायालय अधिनियम 1984
- पॉक्सो एक्ट और जेजे एक्ट के तहत वायरल करनेवाले इंसान के ऊपर कानून लागू होना चाहिए

तनुश्री सरकार ने कहा कि राह चलते लड़कियां जो छेड़खानी का शिकार होती है वे उससे बचने के लिए सर्वप्रथम चीख कर भीड़ इकठा कर ले ताकि छेड़छाड़ करने वाले कोई दुर्व्यवहार न कर सके। साथ ही ऑन स्टॉप महिला हेल्प लाइन नंबर 181 पर कॉल करके अपनी शिकायत, परेशानी बताने से मामले पर त्वरित कार्रवाई की जाती है। यह सिर्फ छेड़छाड़ के लिए नहीं बल्कि ससुराल में प्रताड़ना, हो या किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो महिलाएं हेल्प लाइन नंबर पर संपर्क कर अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं। यह सेवा जिला समाज कल्याण विभाग की देख रेख में जारी है। वहीं नाबालिग बच्चियां हेल्प लाइन नंबर 1098 पर भी संपर्क कर सकती हैं। इस नंबर पर संपर्क करने से शिकायक करने वाली बच्ची या अन्य बच्चों को सीडब्ल्यूसी की ओर से सारी सुविधाएं बच्चे तक पहुंचाई जाएगी। वहीं, उन्होंने कहा की किसी भी कौर्ट कचहरी के मामलों में अक्सर वकील की अधिक फीस के कारण महिलाएं लड़ नहीं पाती उनके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सेवा है जी से लीगल वालेंटियर के जरिए फ्री सुझाव मिलेगा।

आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिसिया कार्रवाई बंद हो : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि जेएससीसी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी का विरोध करने वाले आंदोलनकारियों पर पुलिस द्वारा की जा रही कारवाई बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी यदि यह सूचना सही है तो फिर सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक अधिकारों की हत्या कतई उचित नहीं है। जनता ने आपको बहुमत प्रदान किया है। इसलिए जनादेश का सम्मान करते हुए छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करें। कहा कि इस मामले का संज्ञान लेकर छात्र आंदोलनकारियों पर किए जा रहे पुलिसिया कारवाई को अविलंब रोका जाए।

सीजीएल परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं सारे आरोप बेबुनियाद : जेएसएससी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेएसएससी के सचिव सुधीर कुमार गुप्ता ने कहा कि सीजीएल परीक्षा में किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। हर तरह की जांच के बाद वह यह कहने की स्थिति में हैं कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। सारे आरोप बेबुनियाद है। यह बातें श्री गुप्ता ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्रों की जांच के लिए सूचना प्रकशित होने के बाद आयोग को ई-मेल के माध्यम से धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें आयोग के पदाधिकारी-कर्मचारी को भद्दी गालियों के साथ जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्होंने बताया कि गड़बड़ी की बात कहते हुए प्रदर्शन करने वालों ने जो सीडी उपलब्ध करायी था, वह ब्लैंक पाया गया। शिकायतकर्ताओं के जरिये जो आरोप लगाये गए थे, उसे शपथ पत्र के जरिये देने के लिए कहा गया, लेकिन नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि शिकायत में जो आरोप लगाये गए थे, उनकी जांच में यह पाया गया कि जिस सीट का जिक्र किया गया है, वहां छात्र परीक्षा में शामिल ही नहीं हुआ। प्रश्न पत्र वायरल होने के जो पत्र उपलब्ध कराये गये, वह शाम के पांच बजे के बाद की ली गई तस्वीर है। किसी भी परीक्षा का परिणाम सामान्य पाया गया है। हर परीक्षा केंद्र से अभ्यर्थी सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में यह भी अफवाह फैलायी जा रही है कि परीक्षा की अवधि में बाहर के प्रदेशों में उत्तर रटवाये गए है, लेकिन इस संदर्भ में आयोग कार्यालय को साक्ष्य प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को कदाचार मुक्त करने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रत्येक कमरे में कम से कम दो वीक्षक के अतिरिक्त प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा ऑवजर्वर, स्टेटिक दण्डाधिकारी एवं पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई थी। परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी (कुल 15991) का अधिस्ठापन किया गया था। किसी भी जिले के उपायुक्त की ओर से कदाचार संबंधी कोई सूचना प्राप्त नहीं है। सभी 823 परीक्षा केन्द्रों पर कदाचार मुक्त, शांतिपूर्ण परीक्षा संपूर्ण हुई है।

सीजीएल परीक्षा को सीआईडी जांच से पहले प्रभावित करने की कोशिश : प्रतुल

मामला और संदिग्ध हुआ, मुख्यमंत्री अब सीबीआई जांच की अनुशंसा करें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव नेआश्चर्य व्यक्त किया कि एक तरफ मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सीजीएल परीक्षा की सीआईडी जांच के आदेश दिए। वहीं दूसरी तरफ रविवार को जेएसएससी ने सीजीएल परीक्षा को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुद को क्लीन चिट दे दी। यह सीधे तौर पर मुख्यमंत्री के द्वारा सीआईडी जांच के आदेश को प्रभावित करने का मामला प्रतीत होता है। प्रतुल ने कहा यह हड़बड़ी पूरे मसले को और भी संदिग्ध बना देता है। ये सारे तथ्य जेएसएससी सीआईडी जांच के क्रम में जांच अधिकार को बताती तो बेहतर होता। प्रेस कांफ्रेंस करके कमीशन सीधे तौर पर पब्लिक ओपिनियन बनाने का और जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। प्रतुल ने कहा कि अब मुख्यमंत्री को पहल करते हुए सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए। प्रतुल ने कहा कि सीजीएल परीक्षा में बड़े आरोप लगे। पहली बार जब परीक्षा हुई तो व्हाट्सएप में 25 लाख रुपए में प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप आया। दूसरी बार की परीक्षा में इंटरनेट बंद होने के बावजूद भी छात्रों ने पुरानी परीक्षाओं से प्रश्न पत्र को सीरियल से उतारने के गंभीर आरोप लगाए।

अदालत में मामला विचाराधीन रहने के बावजूद भी परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। उसके बाद हजारीबाग में परीक्षा के परिणाम का विरोध कर रहे हैं छात्रों पर लाठी चार्ज भी हुआ। जब स्थानीयता परिभाषित नहीं है तो फिर किस आधार पर जेएसएससी सिर्फ स्थानीय छात्रों के चयनित होने का दावा कर रही? प्रतुल शाह देव ने कहा कि जेएसएससी ने दावा किया कि परीक्षा में 80% से भी ज्यादा स्थानीय छात्रों का चयन हुआ है। जब सरकार के स्तर पर आज तक स्थानीयता का कट ऑफ डेट परिभाषित नहीं है। तो फिर किस आधार पर जेएसएससी ये दावा कर रही।

न्यूज बॉक्स

भीमसेन मुंडा के श्राद्धकर्म में शामिल हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को जमशेदपुर जाकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के दिवंगत भाई भीमसेन मुंडा के श्राद्ध कर्म में सम्मिलित हुए। उन्होंने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने शोकाकुल परिवार से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

बाबूलाल मरांडी ने भीमसेन मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार केा जमशेदपुर स्थित घोड़ाबांधा आवास पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के दिवंगत भाई भीमसेन मुंडा के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए। उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मंत्रियों ने की आप्त सचिव की अनुशंसा

रांची। सरकार ने फैसला लिया है कि किसी अधिकारी को मंत्री का आप्त सचिव बनाने से पहले उनका पुलिस वेरिफिकेशन होगा। मंत्रियों ने जिनके नाम की अनुशंसा अपने आप्त सचिव के लिए किया है, उनमें उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने राजमहल के एसडीओ कपिल कुमार को, परिवहन एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने रवि कुमार को, नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने विनय प्रकाश तिग्गा को, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर के बीडीओ मनोरंजन कुमार को, आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने सिमडेगा के एसडीओ अनुराग लकड़ा को, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संदीप पांडेय के नाम की अनुशंसा की है। उल्लेखनीय है कि पिछली सरकार ने कुछ आप्त सचिवों के कारण सरकार की किरकरी हुई थी। खास करके पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल के मामले में। इस मामले में आलमगीर आलम अभी भी जेल में हैं। यही कारण है कि सरकार ने संबंधित अधिकारी के बारे में जांच परख करने के बाद ही आप्त सचिव बनाने का फैसला लिया है।

सीएम ने विस अध्यक्ष के दिवंगत पिता को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन शनिवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो के जामताड़ा जिला के नाला स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो के दिवंगत पिता स्व. गोलक बिहारी महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। विधायक कल्पना सोरेन ने भी स्व. गोलक बिहारी महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो एवं उनके अन्य परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की।

पेज एक के शेष

हाथियों ने वृद्ध...

मौके पर रेंजर नंद कुमार महतो ने सरकार के नियमानुसार पीड़ित परिवार को 40000 कैश दिया। शेष बचा 3 लाख 60 हजार नियमानुसार पीड़ित परिवार को देने की बात कही। रेजर में ग्रामीणों से आग्रह करते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों पर ग्रामीण सतर्क रहें और हाथी के नजदीक न जाएं। मौके पर जिप सदस्य प्रियंका कुमारी सहित सैकड़ों महिला पुरुष व ग्रामीण मौजूद थे।

हमारी सरकार ने...

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा, मैं ईश्वर से यह कामना करता हूं कि आने वाला नववर्ष प्रत्येक राज्यवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, उन्नति, वैभव एवं खुशहाली लेकर आए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने बरहेट के भोगनाडीह स्थित सिदो-कान्हू मुर्मू पार्क में अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर विधायक हेमलाल मुर्मू, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक मो ताजुद्दीन, विधायक धनंजय सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त लालचंद डाडेल, जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने साहिबगंज और पाकुड़ जिले को दी सौगात : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साहिबगंज जिले को लगभग 24784.550 लाख रुपये की विभिन्न योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान कुल 224 विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इनमें 53 योजनाओं का उद्घाटन एवं 171 योजनाओं का शिलान्यास हुआ। मुख्यमंत्री ने पाकुड़ जिला को लगभग 10084.879 लाख रुपये की विभिन्न योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान कुल 107 विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 34 योजनाओं का उद्घाटन एवं 73 योजनाओं की आधारशिला रखी।

दो बाइक की...

पर पहुंच कर सड़क जाम को हटवाया व हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। इसके बाद लोगों ने जाम हटाया लिया। फिलहाल चार घंटे से जपला छतरपुर रोड जाम रहा। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। यह घटना सुबह साढ़े आठ बजे की बताई जाती हैं। पुलिस ने घटना स्थल पर घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से दो बाइक की टक्कर होने की पुष्टि की। शव घर पर पहुंते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हजार करोड़ की लागत से झारखंड को मिलेगा नया रिम्स : डॉ इरफान अंसारी

- *10 दिन में नई एजेंसी का चयन, पुरानी एजेंसियों पर गिरी गाज*
- *प्राइवेट अस्पतालों को चेतावनी, मरीज की मौत के बाद शव रोकने पर होगी कार्रवाई*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड की अध्यक्षता में माननीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी जी द्वारा विभागीय समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभाग के सभी आला अधिकारी और राज्य के सभी सिविल सर्जन उपस्थित हुए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए अपने संकल्प को दोहराया और कड़े निर्देश दिए। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, झारखंड राज्य को एक डॉक्टर के रूप में स्वास्थ्य मंत्री मिला है।

मैं स्वास्थ्य सेवा में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं करूंगा। जो अधिकारी अच्छा काम करेंगे उन्हें इनाम मिलेगा, लेकिन गलतियों पर सख्त कार्रवाई होगी। मैं इस विभाग में एक नई सोच के साथ आया हूं, और मेरा उद्देश्य झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। आप सभी का सहयोग चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। मैं इस व्यवस्था को बदलने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह बैठक उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि झारखंड में 1000 करोड़ रुपये की लागत से रिम्स-2 का निर्माण किया जाएगा। यह अस्पताल न केवल दिल्ली के तर्ज पर होगा बल्कि झारखंड का मॉडल बनकर दिल्ली के अस्पतालों को भी प्रेरित करेगा। वहीं प्राइवेट अस्पतालों पर सख्त निर्देश दिया गया कि मरीजों की मौत के बाद शव को रोकने की प्रथा पर रोक लगाने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस पर जल्द ही सरकार आदेश जारी करेगी।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, मैं झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को कागजों से निकालकर जमीन पर लाना चाहता हूं। यह तभी संभव है जब अधिकारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करें। बैठक के अंत में मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड की जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी सर्वोपरि है। हम सब मिलकर एक ऐसा झारखंड बनाएंगे, जहां स्वास्थ्य सेवा एक मिसाल बने।

मणिपुर घटना को लेकर कांग्रेस का राजभवन मार्च 18 दिसंबर को

- *सभी मंत्री, विधायक व कार्यकर्ता होंगे शामिल*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी 18 दिसंबर को राजभवन का घेराव करेगी। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर गौतम अडानी और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लगाए गए आरोपों का पदार्फाश करने और मणिपुर की घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। राजभवन मार्च कांग्रेस भवन से 11.30 बजे निकलेगा। कार्यक्रम में मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों, अग्रणी संगठन, विभाग, प्रकोष्ठों के लोग शामिल होंगे।

मणिपुर घटना पर मौन हैं प्रधानमंत्री : राकेश सिन्हा

प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि हाल ही में गौतम अडानी और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लगाए गए आरोपों ने भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और छल की कथित जालसाजी का पदार्फाश किया है। इन आरोपों ने रिश्वतखोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और बाजार में हेरफेर के एक परेशान करने वाले पैटर्न को उजागर किया है, जो भारतीय व्यापार और वित्त की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं। यह घटना भारत में कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामक निगरानी के संबंध में गंभीर चिंताएं उत्पन्न करती है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच विश्वास की हानि चिंताजनक है। पूंजी के संभावित पलायन से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और समग्र विकास बाधित हो सकता है।

अतुल शाकाहारी था, निकिता मांसाहारी, दोनों के बीच पहली बार झगड़ा मांस-मछली खाने को लेकर हुआ था

अतुल आत्महत्या कांड

- **निकिता नॉनवेज खाकर हड्डी कमरे में फेंक देती थी, एक-एक सप्ताह तक नहाती नहीं थी**

ब्यूरो

नई दिल्ली। शादी के पहले बड़े-बड़े ख़्वाब होते हैं। लड़का व लड़की तथा उनके घर वाले एक-दूसरे के बारे में बहुत ही अच्छी-अच्छी बातें बताते हैं। लेकिन, असलियत तब उजागर होती है, जब शादी के कुछ वर्ष बीत जाते हैं। ऐसे ही हजारों मामलों में से ताजा मामला है बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या। कहा जाता है कि अतुल व उसकी पत्नी निकिता के बीच पहली बार झगड़ा मांस-मछली खाने को लेकर हुआ था। जुलाई 2024 में परिवार न्यायालय में दर्ज बयान में अतुल ने कहा था कि वह व उसका परिवार शाकाहारी है। जबकि, निकिता मांसाहारी है। निकिता नॉनवेज खाकर हड्डी कमरे में फेंक देती थी। एक-एक सप्ताह तक नहाती नहीं थी। इस बात पर उसका और निकिता का झगड़ा होता था।

एक बार मेरी मां ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो निकिता ने उन्हें धक्का दे दिया। उनके और मेरे साथ मारपीट की। बयान में अतुल ने कहा था, शादी के पहले निकिता दिल्ली में काम करती थी। शादी के बाद निकिता ने अपना ट्रांसफर बेंगलुरु करा लिया। बेंगलुरु जाने तक दोनों के बीच संबंध अच्छे थे। लेकिन, नॉनवेज खाने को लेकर विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया। उसकी मां और भाई मुझसे और पैसे की मांग कर रहे थे। विवाद को लेकर निकिता के खिलाफ 2021 में ही एनसीआर दर्ज कराई थी।

घर पर वारंट चिपका, घर से भाग गए हैं निकिता और उसके माता-पिता

अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में आरोपी निकिता की मां निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया ढालगर स्थित घर छोड़कर पिछले 48 घंटे से फरार हैं। इस मामले में आरोपी निकिता के ताऊ सुशील सिंघानिया भी अपने घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। गुरुवार को जौनपुर पहुंची बेंगलुरु पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की चर्चा रही, लेकिन पुलिस द्वारा ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष मोदी आत्महत्या प्रकरण की जांच के लिए जौनपुर पहुंची कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को सबसे पहले डाक बंगला स्थित निकिता के ताऊ के आवास पर नोटिस चस्पा किया। इसके बाद ढालगर टोला स्थित निकिता के आवास पर नोटिस चस्पा किया। इसमें अगले तीन दिन में सभी को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। कर्नाटक पुलिस की टीम दीवानी न्यायालय भी पहुंची और अतुल सुभाष से संबंधित मुकदमों के नकल की कॉपी साथ ले गई। अतुल सुभाष के भाई विकास ने बेंगलुरु के मराठाहल्ली थाने में सोमवार को निकिता, उसकी मां निशा सिंघानिया, भाई अनुराग उर्फ गोलू सिंघानिया व ताऊ सुशील सिंघानिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की जांच के लिए कर्नाटक पुलिस की चार सदस्यीय टीम गुरुवार की शाम करीब 07:00 बजे जौनपुर पहुंची थी। शहर कोतवाली थाने में सीओ सिटी आयुष श्रीवास्तव के साथ करीब दो घंटे तक विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की थी।

क्या है मामला

आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष पर फैमिली कोर्ट में भरण पोषण, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और तलाक के चार मामले चल रहे थे। इसके लिए वह हर तारीख पर बंगलूरु से जौनपुर आते थे। दूसरी तरफ, अदालत के आदेश पर अतुल सुभाष हर महीने बेटे के भरण पोषण के लिए 40 हजार रुपये दे रहे थे। यह स्थिति तब थी, जब अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया की मासिक सैलरी 78 हजार रुपये है। इंजीनियर अतुल सुभाष ने बेंगलुरु में आत्महत्या की। उन्होंने 23 पेज का सुसाइड नोट भी लिखा है। अतुल ने आत्महत्या से पहले एक घंटे से ज्यादा समय वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले और उनके मामले की सुनवाई कर रही जज पर भी गंभीर आरोप लगाए। वीडियो संदेश के जरिये बताया कि जौनपुर की फैमिली कोर्ट में पत्नी सदर कोतवाली के मोहल्ला रुहट्टा निवासी निकिता सिंघानिया ने चार मुकदमे दर्ज कराए थे। आरोप लगाया था कि 26 जून 2019 को उसकी शादी अतुल मोदी से हुई थी। विवाह के बाद से ही ससुराल के लोग 10 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। इस सदमे में उसके पिता (निकिता के) की मृत्यु हो गई। परिवार वालों के समझाने पर अतुल उसे बेंगलुरु ले गया और 20 फरवरी 2020 को उसे एक बेटा हुआ। इसके बावजूद प्रताड़ना जारी रही। 17 मई 2021 को उसे पीटकर घर से निकाल दिया गया। तब से वह अपने बच्चे के साथ मायके में रह रही है।

बेटे के भरण-पोषण के लिए अतुल दे रहे थे 40 हजार रु

निकिता ने अदालत को बताया कि अतुल मोदी बेंगलुरु में एक कंपनी में इंजीनियर है। वह सालाना 40 लाख रुपये वेतन पाता है। निकिता ने 16 जनवरी 2022 को अपने और बेटे के लिए दो लाख रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट में मामला दर्ज कराया था, जबकि निकिता की ही सैलरी अच्छी खासी है। कोर्ट ने 29 जुलाई 2024 को पत्नी के संबंध में भरण-पोषण का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। साथ ही, अतुल को आदेश दिया था कि वह बेटे के भरण-पोषण के लिए हर महीने 40 हजार रुपये दे। दहेज उत्पीड़न के मुकदमे में भी अतुल सुभाष मोदी ने कोर्ट में हाजिर होकर जमानत कराई थी। घरेलू हिंसा का मुकदमा अभी चल रहा था। मामले की सुनवाई 12 दिसंबर को होनी थी।

भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए जयशंकर से मिलीं कांग्रेस सांसद

नई दिल्ली । तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से कांग्रेस सांसद आर. सुधा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से बात कर भारतीय मछुआरों को रिहा कराने की मांग उठाई। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका पर दबाव बनाए कि वे 15-17 दिसंबर को तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान भारतीय मछुआरों को रिहा करें।

मप्र में बाणसागर बांध के बैक वाटर में बने आइलैंड रिसॉर्ट का लोकार्पण

भोपाल। मध्य प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को लुभाने के प्रयास जारी है, इसी क्रम में शहडोल जिले में बाणसागर बांध के बैक वाटर क्षेत्र में सरसी पर्यटन केंद्र और रिसॉर्ट बनाया गया है। इसका मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने सरसी पर्यटन केंद्र एवं रिसॉर्ट का लोकार्पण करने के बाद बोट पर सवार होकर जल लहरियों के बीच इस स्थल का जायजा लिया।

जगदीप धनखड़ ने पराली जलाने से फैल रहे प्रदूषण पर कहा

हमारी लापरवाही हमें खतरे में डाल रही

एजेंसी । नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पराली जलाने के लिए एक व्यवस्था आधारित समाधान खोजने का आह्वान किया और कहा कि इसे केवल व्यक्तियों पर नहीं छोड़ना चाहिए। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि हर साल राष्ट्रीय राजधानी पराली जलाने के कारण होने वाली खतरनाक पर्यावरणीय स्थितियों से प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, हमें नवाचार मोड में आना चाहिए, एक व्यवस्था आधारित समाधान खोजना चाहिए, इसे व्यक्तियों पर नहीं छोड़ना चाहिए। व्यवस्था को समय के साथ विकसित होना चाहिए।

धनखड़ ने कहा कि हमारी उपेक्षा और लापरवाही हमें कई तरीकों से संकट में डाल रही है। इससे हमारी सेहत, काम के घंटे का नुकसान, सामान्य जीवन का विघटन और प्रदूषण के कारण स्कूलों के बंद होने पर बच्चों

बोले उपराष्ट्रपति

- **हम नवाचार मोड में आएं और एक व्यवस्था आधारित समाधान खोजें**

की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या सामाजिक बाधाओं को समाप्त कर देती है। इससे अमीर, गरीब, शहरी और ग्रामीण सभी प्रभावित होते हैं, इसलिए हमें मिलकर काम करना होगा। हमारी सभ्यता की आस्थाओं और पारंपरिक ज्ञान का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा कि हमारा सभ्यतागत ज्ञान एक धरोहर है। हमारे पास हजारों वर्षों की सभ्यता का ज्ञान है। हमारे वेद, पुराण, हमारे महाकाव्य महाभारत, रामायण, और भगवद गीता का ज्ञान, यदि हम इस सोने की खान को देखें, तो हमें वास्तविक प्रेरणा मिलती है कि संरक्षण हमेशा जीवन का एक प्रमुख तत्व रहा है। संविधान में पर्यावरण के संरक्षण के लिए मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा कि संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिए हैं, लेकिन साथ ही मौलिक कर्तव्य भी दिए हैं। जब परिवार, समाज, समूह या राष्ट्र के सामने कोई चुनौती होती है, तो हम अपने अधिकारों को परे रखते हैं और कर्तव्यों को प्राथमिकता देते हैं। संपत्ति के जिम्मेदार उपयोग पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी वित्तीय ताकत, हमारी वित्तीय शक्ति प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा के उपयोग के लिए एक निर्धारण कारक नहीं हो सकती। अगर लोग सोचते हैं कि वे इसे वहन कर सकते हैं, तो मैं उन्हें अपने विचारों को फिर से देखने का आह्वान करता हूं।

अभिव्यक्ति व संवाद के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को संस्थागत चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए जोर दिया कि आज की संस्थागत चुनौतियां भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। अभिव्यक्ति की आजादी और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। धनखड़ शनिवार को नई दिल्ली में आईसीडब्ल्यूए में भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा (आईपीएंडटीएएफएस) के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। धनखड़ ने कहा कि हमारे अंदर अहंकार अदम्य है, हमें अपने अहंकार को नियंत्रित करने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी।

कश्मीर में कई जगहों पर सीआईके की छापेमारी

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) शाखा आतंकवाद से जुड़े एक मामले की जांच के लिए अनंतनाग की जिला जेल समेत कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह आतंकवाद रोधी खुफिया एजेंसियों की दो शाखाओं-सीआईके और राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादी आकाओं के साथ कुछ कैदियों के कथित संबंधों की जांच के लिए श्रीनगर की उच्च सुरक्षा वाली सेंट्रल जेल पर छापेमारी की थी। अधिकारियों ने बताया कि सीआईके की टीमें अनंतनाग की जिला जेल मट्टन में विभिन्न ब्लॉकों और बैरकों में तलाशी ली। इसी तरह, सीआईके की टीमें दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के सोनीगाम और चावलगाम इलाकों में भी तलाशी ली।